प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 14 अंक- 361
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

सोमवार 09 दिसम्बर 2024
लखनऊ
विक्रम सम्वत् 2081

हिन्दी दैनिक

कानपुर, लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

खरी कसौटी

E-paper: www.kharikasauti.com

लखनऊ संस्करण

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ

RNI NO. UPHIN/2010/35142

तापमान
अधिकतम 23°
न्यूनतम 11°

भारतीय रेल ने महाकुंभ के लिए... 03 | हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए जल्द... 04 | अब बीएमसी पर महायुति की... 08

शक्ति हमें समझाती है कि इन नौ दिनों में सीखो, यानी व्यापक करो। इन नौ दिनों में ब्रह्मांड में जो शक्ति है, जिसको कॉस्मिक एनर्जी कहते हैं, वो हमारे लिए सुलभ उपलब्ध है। भरपूर उपयोग करिए।

सेंसेक्स
81,709
निफ्टी
24,677

संक्षिप्त खबरें

कभी भी फट सकता है आक्रोश का सुषुप्त ज्वालामुखीः अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकार ने अगले छह महीने तक अनिवार्य सेवा अनुरक्षण क़ानून (एस्मा) लागू किया है। इसके बाद छह महीने तक हड़ताल पर रोक लग गई। एस्मा कानून लागू पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने इसे यूपी के खराब हालात बताया। सपा मुखिया ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया। लिखा कि एस्मा लागू करना इस बात का संकेत है कि यूपी में खराब हालात लगातार बढ़ रहे हैं। भाजपा जोड़-तोड़ और हेराफ़ेरी करके सरकार बना तो लेती है, लेकिन उसे सरकार चलाना नहीं आता। लिखा कि सरकार को पता है कि कर्मचारियों-अधिकारियों के बीच विरोध और आक्रोश का सुषुप्त ज्वालामुखी कभी भी फट सकता है। इसीलिए अपने अधीन लोगों पर ही पाबंदी लगा रही है। प्रदेश ही देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों और अर्द्धसरकारी संस्थानों पर काम करने वाले लोग खराब नीतियों से मजबूर परेशान हैं। वहीं यूपी के अयोध्या में मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट को लेकर समाजवादी पार्टी में कलह शुरू हो गई है। प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने अपने 500 साथियों के साथ समाजवादी पार्टी छोड़ दी है।

सीएम ने डॉ. बीएस कुशवाहा आयुर्विज्ञान संस्थान का किया शुभारंभ रामा विश्वविद्यालय कानपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

युवाओं के लिए कुछ असंभव नहीं, बस जज्बा होना चाहिएः सीएम

डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए क्रॉस वेरिफिकेशन की आवश्यकताः योगी

कानपुर में मुख्यमंत्री

❒ जिनके मन में गुरुजन, माता-पिता व वरिष्ठों के प्रति श्रद्धाभाव नहीं, उसे ज्ञान प्राप्त हो भी नहीं सकताः सीएम योगी आदित्यनाथ

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह, उनके चार साहिबजादों, रानी लक्ष्मीबाई, वीर सावरकर, पं. राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, लुईस ब्रेल, आइंस्टीन, न्यूटन के कृतित्व-व्यक्तित्व व कार्यों का उदाहरण देते हुए युवाओं को प्रेरित किया कि आपकी आयु हर चुनौती से जूझने का जज्बा रखती है।

युवा हर विपरीत परिस्थिति को अपने अनुकूल लाने का सामर्थ्य रखता है। जिन्होंने देश की धारा को बदलने का कार्य किया, वे सब युवा थे। युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं, बस करने का जज्बा होना चाहिए। युवा पलायनवादी नहीं हो सकता। उसे देश-काल, समाज की वर्तमान स्थितियों की जानकारी भी होनी चाहिए। युवाओं को नवाचार, नए शोध व आसपास घटित होने वाली घटनाओं का अवलोकन करने की कार्यशैली को विकसित करना होगा। ऐसी घटनाएं सीखने व जानने का अवसर देती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को रामा विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सीएम ने डॉ. बीएस कुशवाहा आयुर्विज्ञान संस्थान का शुभारंभ भी किया। सीएम ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को बधाई दी और कई विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धावान ही ज्ञान प्राप्त करने का अधिकारी है। जिसके मन में गुरुजन, माता-पिता व वरिष्ठों के प्रति श्रद्धाभाव नहीं है, उसे ज्ञान प्राप्त हो भी नहीं सकता। देशकाल व पात्रता का ध्यान रखा जाना चाहिए।

तभी उसके अनुरूप ज्ञान से परिपूर्ण करना चाहिए। सीएम योगी ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में अनेक अवसर आते हैं, जो व्यक्ति को महान बनने का मौका प्रदान करते हैं, लेकिन यह विवेक पर निर्भर करता है कि उसके अनुरूप खुद को ढालने का सामर्थ्य रख पा रहे हैं या नहीं। सीएम योगी ने विद्यार्थियों से कहा कि सत्य के आचरण के साथ धर्म के मार्ग का अनुसरण करना है। धर्म का मार्ग बहुत विराट है। वास्तव में दुनिया के अंदर धर्म को भारतीय ऋषियों ने समझा है। यह सिर्फ उपासना विधि नहीं है। किसी ऋषि ने यह कभी नहीं कहा कि जो मैं कह रहा हूं, वही सत्य है बल्कि कहा कि देश, समाज के लिए जो अच्छा लगे, उसका आचरण कर आगे बढ़ो। कोई सनातन धर्मावलंबी यह नहीं कह सकता कि जो मंदिर जाए, वही हिंदु है। हमने धर्म को उपासना विधि, ईष्ट या ग्रंथ तक सीमित नहीं किया। कर्तव्य, सदाचार व नैतिक मूल्य का प्रवाह ही भारतीय परंपरा में धर्म माना गया है। सीएम योगी ने कहा कि चैटजीपीटी, एआई के माध्यम से दुनिया में चीजें कहां से कहां तक पहुंच रही है। दुनिया क्रिप्टो करेंसी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स में बढ़ चुकी है। एग्रीकल्चर में जीन एडिटिंग तक पहुंच गए। यह सिलसिला निरंतर बढ़ता ही रहेगा। एआई ने एक तरफ जीवन को सरल किया तो दूसरी तरफ डीपफेंक की समस्या भी आई। डिजिटल अरेस्ट व अन्य समाचार आ रहे हैं। उसके सुरक्षात्मक उपायों व नैतिक निहितार्थों के बारे में तय करना संस्थानों व उपयोगकर्ता का कार्य है। डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए क्रॉस वेरिफिकेशन की आवश्यकता है।

बोले सीएम योगी...

जो समाज विज्ञान व रिफॉर्म से भागा, वह कभी आगे नहीं बढ़ पाया

सीएम ने बच्चों को मंत्र दिया कि लिखने की आदत डालें, तकनीक से भागे नहीं, जो समाज रिफॉर्म व विज्ञान से भागा, वह कभी आगे नहीं बढ़ पाया। उन्होंने कहा कि 1989 तक 80 करोड़ आबादी में देश में केवल आधा फीसदी लोगों के पास टेलीफोन की सुविधा थी। थोड़ा प्रयास हुआ तो यह संख्या दो फीसदी हुई। रिफॉर्म के लिए अटल जी के नेतृत्व में 1999 में कदम उठाए गए तो आज भारत में 100 करोड़ लोगों के पास स्मार्ट फोन है। एक समय था, जब टेलीफोन के कूपन बिकते थे, लैंडलाइन टेलीफोन के लिए सिफारिश होती थी, लेकिन 5 जी स्वीकार करने के बाद अब सिक्स जी की तैयारी चल रही है। सीएम ने मोबाइल फोन को लेकर अपना संस्मरण भी सुनाया। सीएम योगी ने कहा कि 1990 के दशक में कंप्यूटर का विरोध हो रहा था कि रोजगार-नौकरी छीन लेगा। बैंकों में हड़ताल हो गई, लेकिन आज हर घर में कंप्यूटर है। हमारी सरकार भी दो करोड़ युवाओं को टैबलेट दे रही है। तकनीक से सक्षम युवा ही चुनौतियों का सामना करेगा। जो कुछ भी नया आएगा तो विरोध होगा। कुछ लोगों के कारण देश व समाज के विकास की यात्रा को बाधित नहीं किया जा सकता।

बनाएंगे नई रणनीति

दूसरी बार भी दिल्ली कूच नहीं कर सके किसान...

अम्बाला, एजेंसी। पंजाब हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर रविवार को भी तनाव की स्थिति बनी रही। किसानों ने अपने एलान के अनुसार दोपहर 12 बजे दिल्ली कूच किया। पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर रविवार को किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस के बाद झड़प देखने को मिली। बता दें कि किसानों ने रविवार को 12 बजे दिल्ली की ओर कूच करना शुरू किया। लेकिन सीमा पर मौजूद सुरक्षाबलों ने उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इस वजह से किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गयी। पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया, जिसकी वजह से माहौल और ज्यादा गरमा गया।

पुलिस का कहना है कि सभी किसानों के पास दिल्ली जाने की अनुमति नहीं है। पुलिस ने बताया कि उनके पास 101 किसानों के नाम की लिस्ट है। इस लिस्ट में जिन किसानों के नाम है, उन्हें ही दिल्ली जाने की अनुमति दी जाएगी। पुलिस का कहना है कि लिस्ट में जिन किसानों का नाम है, वो जत्थे का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा पुलिस के अधिकारी ने यह भी बताया कि किसान उन्हें पहचान नहीं करने दे रहे हैं। शंभू सीमा पर तैनात हरियाणा पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'हम पहले उनकी (किसानों की) पहचान करेंगे और फिर उन्हें आगे जाने देंगे। हमारे पास 101 किसानों के नामों की सूची है, और वे लोग नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान नहीं करने दे रहे हैं। वे एक भीड़ के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। आंसू गैस के गोले छोड़ने के बाद जब किसान दोबारा बैरिकेडिंग के नजदीक पहुंचे तो पुलिस ने उन पर फूल बरसाए। हालांकि किसानों ने आरोप लगाया कि फूलों में केमिकल मिला था, इससे कई किसानों की तबीयत खराब हो गई। पुलिस की अग्रिम पंक्ति में शाहाबाद के डीएसपी रामकुमार थे। उन्होंने किसानों से लगातार बात की और उन्हें समझाने का प्रयास किया।

मरकाडवाड़ी गांव बना सरकार बनाम विपक्ष का अखाड़ा

शरद ने फिर छेड़ा ईवीएम राग, शिंदे का पलटवार

तनातनी जारी

❒ शरद पवार ने ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की, शिंदे बोले जहां वो जीतते हैं वहां ईवीएम अच्छी...

मुम्बई, एजेंसी। महाराष्ट्र में ईवीएम का विरोध बढ़ता ही जा रहा है और अब इस विरोध का प्रतीक मरकाडवाड़ी गांव बन गया है। यही वजह है कि शरद पवार और उनकी पार्टी के नेता रविवार को मरकाडवाड़ी गांव पहुंचे और ईवीएम विरोधी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान शरद पवार ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए मांग की कि पश्चिमी देशों में भी बैलेट पेपर से चुनाव हो रहे हैं तो भारत में भी बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने चाहिए।

शरद पवार ने कहा कि मरकाडवाड़ी गांव के लोग बैलेट पेपर से पुनर्मतदान कराना चाहते थे, लेकिन लोगों को रोका जा रहा है, जो हैरानी भरा है। शरद पवार ने गांव के लोगों से अपील की कि वे उनकी शिकायत को चुनाव आयोग तक लेकर जाएंगे और एक प्रस्ताव लाएंगे, जिसमें चुनाव ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से कराने की मांग की जाएगी। मुंबई में भी एमवीए नेताओं की इस मुद्दे पर बैठक हुई। इस बैठक में शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे, जितेंद्र अव्हाड़ और नाना पटोले आदि शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी के एमवीए से अलग होने पर पवार ने कहा- अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बात पर दृढ़ है कि विपक्ष की एकता जरूरी है। शिवसेना के एक अखबार में विज्ञापन देकर बाबरी मस्जिद को गिराने वालों की प्रशंसा का सवाल वे टाल गए। वहीं अब राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा है और कहा कि जब लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी ने 31 सीटें जीतीं, तब ईवीएम सही थी? शिंदे ने ये भी कहा कि पिछली महायुति सरकार द्वारा शुरू की गईं योजनाओं की वजह से उन्हें जीत मिली।

उन्होंने विपक्ष पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बारे में लोगों को गुमराह करने और उनके जनादेश को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने बताया कि विधानसभा चुनाव में महायुति को जीत मेहनत के वजह से मिली है और महाविकास अघाड़ी को लोगों का जनादेश स्वीकार करना होगा। उन्हें विकास कार्यों में सरकार का समर्थन करना होगा। झारखंड में चुनाव हुए, और वायनाड में भी। जहां भी वो (विपक्ष) जीतते हैं, वहां ईवीएम अच्छी होती है। ये पिछले कई वर्षों से चल रहा है। लोकसभा में महायुति को 43.55% वोट मिले और महा विकास अघाड़ी को 43.71% वोट मिले। बस कुछ अंकों का अंतर है लेकिन हमें 17 सीटें मिलीं और उन्हें 31 सीटें मिलीं। तब उन्होंने ईवीएम घोटाले का मुद्दा नहीं उठाया?

कल उन्होंने ईवीएम घोटाले का हवाला देकर शपथ नहीं ली थी, लेकिन आज उन्होंने शपथ ले ली, तो क्या आज से ईवीएम घोटाला खत्म हो गया?' गौरतलब है कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी ईवीएम को लेकर सवाल उठा रहा है। आज रविवार को मरकाडवाड़ी गांव में ईवीएम विरोधी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शरद पवार और उनकी पार्टी के नेता भी शामिल हुए। शरद पवार ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की है।

वहीं शरद पवार के बयान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा वरिष्ठ नेता होने के नाते शरद पवार को देश को गुमराह नहीं करना चाहिए। यदि आप हार स्वीकार कर लेंगे तो आप इससे बाहर आ जाएंगे।

आज कोर्ट में संभल शाही जामा मस्जिद सर्वे की रिपोर्ट पेश हो पाना संभव नहीं

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है। दरअसल, संभल जिला कोर्ट में कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट पेश होनी है। संभल जिला अदालत ने कोर्ट कमिश्नर को 10 दिनों में रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। इसकी तारीख सोमवार को समाप्त हो रही है। इसको लेकर तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। इसको लेकर कोर्ट कमिश्नर का बयान सामने आया है।

इसमें उन्होंने अभी रिपोर्ट के पूरी तरह से तैयार न होने की बात कही है। माना जा रहा है कि सोमवार को कोर्ट कमिश्नर की ओर से अदालत में और समय देने की मांग की जा सकती है। संभल शाही जामा मस्जिद सर्वे कार्य में जुटे कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने कहा है कि निचली अदालत ने हमें रिपोर्ट पूरी करने के लिए दस दिन का समय दिया था। यह दस दिन कल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि संभल शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट अभी भी अंतिम चरण में है। इस पेपर का कुछ विश्लेषण लंबित है।

रमेश राघव ने कहा कि अगर रिपोर्ट का विश्लेषण पूरा हो जाता है तो रिपोर्ट कल अदालत में पेश की जाएगी। अन्यथा, हम अदालत से और समय मांगेंगे। उन्होंने साफ किया कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, केवल रिपोर्ट पेश की जानी है। उन्होंने इस मामले में किसी प्रकार का दबाव न होने की बात भी कही है। कोर्ट कमिश्नर ने कहा कि हमें स्वास्थ्य संबंधी कुछ दिक्कत है। पिछले दिनों में मुझे बुखार रहा है। इसलिए कोर्ट से हम कुछ समय देने के लिए मांग करेंगे। उन्होंने अपने एक बयान में सोमवार को कोर्ट में रिपोर्ट जमा किए जाने को लेकर असमर्थता जताई है। संभल जिला अदालत ने 19 नवंबर को जारी आदेश में सर्वे कर 29 नवंबर तक रिपोर्ट जमा करने को कहा था। कोर्ट कमिश्नर ने संभल में भड़की हिंसा को लेकर कोर्ट से समय दिए जाने की मांग की। रमेश राघव ने इसके बाद कोर्ट ने रिपोर्ट जमा करने की तारीख को बढ़ाकर 9 दिसंबर कर दिया था।

चीन के साथ संबंधों पर संसद में चर्चा कराए सरकारः जयराम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने भारत-चीन संबंधों पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के संसद में दिए गए बयान को लेकर रिएक्ट किया है। विपक्षी पार्टी ने मांग की है कि संसद को दोनों देशों के बीच संबंधों के संपूर्ण आयाम पर बहस करने का अवसर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या नरेंद्र मोदी की सरकार अप्रैल 2020 से पहले की पुरानी सामान्य स्थिति की जगह अब नई स्थिति पर सहमत हो गई है? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत-चीन संबंधों पर संसद में चर्चा रणनीतिक और आर्थिक नीति दोनों पर केंद्रित होनी चाहिए। खासकर इसलिए क्योंकि चीन पर देश की निर्भरता आर्थिक रूप से बढ़ गई है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
जनता को **सोशल मीडिया** पर प्रसारित **शीर्ष प्रबंधन** द्वारा वित्तीय सलाह देने वाले फर्जी **(डीपफेक) वीडियो** के प्रति सतर्क करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के संज्ञान में यह आया है कि सोशल मीडिया पर गवर्नर के फर्जी वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें रिज़र्व बैंक द्वारा कतिपय निवेश योजनाओं को शुरू करने या उनको समर्थन प्रदान करने का दावा किया गया है। इन वीडियो में लोगों को तकनीकी उपकरणों के माध्यम से ऐसी योजनाओं में अपना पैसा निवेश करने की सलाह देने का प्रयास किया गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक यह स्पष्ट करता है कि उसके अधिकारी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं हैं और न ही उनका समर्थन करते हैं तथा ये वीडियो फर्जी हैं। रिज़र्व बैंक वित्तीय निवेश संबंधी ऐसी कोई सलाह नहीं देता है।

अतएव, जन सामान्य को सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे फर्जी (डीपफेक) वीडियो और उनका शिकार होने से बचने के लिए सतर्क किया जाता है।

आरबीआई वेबसाइट पर जाने के लिए यहां स्कैन करें।

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संक्षिप्त खबरें

उपजिलाधिकारी लंभुआ मंजुल मयंक ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

सुलतानपुर। उप जिलाधिकारी लंभुआ मंजुल मयंक ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवजात शिशुओं को ड्रॉप पिलाकर पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने अस्पताल में मौजूद नवजात शिशुओं को पोलियो की दो बूंद पिलाई। इस दौरान एसडीएम ने सभी अभिभावकों से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील भी की। एसडीएम ने कहा कि 8 दिसंबर से 13 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। अपने बच्चों को भविष्य में पोलियो जैसी बीमारी से बचाने के लिए उन्हें दवा की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी पूरी सजगता के साथ दायित्वों को पूरा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार सिंह,संतोष कुमार पांडेय,डॉ0 धर्मराज सरोज,डॉ0 रंजना गौतम,डॉ0 राम सजीवन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दिव्यांगजन कल्याण समिति का किया गया गठन

मेरठ। दिव्यांग जन कल्याण समिति ने पुरानी कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी का गठन किया है। जिसमें रोहित कुमार को जिला अध्यक्ष पद का दायित्व सोपा गया है। जिला सचिव रवि प्रजापति, मंडल अध्यक्ष मोहिद्दीन सैफी, प्रवक्ता शेर खान को बनाया गया है। सभी पदाधिकारी को माला पहनकर समिति के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया है। रविवार को सर्किट हाउस में सभी पदाधिकारी को सोपतै हुए सभी कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी है। और भविष्य में दिव्यांग जनों की समस्याओं को दूर करने की अपेक्षा की है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता गौतम तोमर, संजय, नितिन उपाध्याय ,जितेंद्र नागर समेत अन्य मौजूद रहे।

अलका लांबा बोलीं- महिलाओं को देंगे रोजगार, सिलाई केंद्र-ब्यूटी पार्लर सेंटर खोलेंगे

लखनऊ। रविवार को नारी न्याय सदस्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस मध्यजोन की सचिव अनामिका यादव ने किया और संचालन जैनब हैदर ने किया। इस मौके पर अलका लांबा ने सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली महिलाओं को 'नारी न्याय किट' दिया। उन्होंने कहा, महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़ानी होगी, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ सकें। कांग्रेस ने हमेशा महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया है और 33% महिला आरक्षण लागू करने की हमारी मांग जारी रहेगी। अलका लांबा ने उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की सभी इकाइयों को भंग करते हुए जनवरी 2025 में नई कार्यकारिणी के पुनर्गठन की घोषणा की। साथ ही निवर्तमान पदाधिकारियों को संगठन के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस प्रदेश भर में सेनेटरी वेंडिंग मशीन लगाने और रोजगार के लिए सिलाई केंद्र व ब्यूटी पार्लर सेंटर खोलने का काम करेगी। अजय राय ने कहा, महंगाई का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा है। कांग्रेस पार्टी महिलाओं की लड़ाई में हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सतीश अजमानी, अनिल यादव, शहला अहरारी, ममता राजपूत, डॉ. सुधा मिश्रा समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

अजय राय बोले- किसानों का अधिकार छीन रही सरकार

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए किसानों, भाईचारा और निजीकरण के मुद्दों पर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को झूठे आश्वासन देकर उनके अधिकार छीन रही है। किसानों को खाद की मात्रा कम कर 50 किलो से पहले 45 और अब 40 किलो की बोरी दी जा रही है। साथ ही, किसानों को गिरफ्तार कर उनका दमन किया जा रहा है। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस किसानों के संघर्ष में उनके साथ है। उन्होंने सरकार पर किसानों की मांगों को नजरअंदाज करने और दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया। अजय राय ने बताया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन (27 नवंबर) के अवसर पर प्रदेशभर में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने इसे सभी धर्मों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करने की पहल बताया। राय ने कहा, हमारा दिया हुआ लाल खून सभी धर्मों के शरीर में चढ़ेगा। उन्होंने सरकार पर आपसी सौहार्द को खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया। राय ने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को गोरखपुर और संभल जैसे स्थानों पर जाने से रोका जा रहा है। यहां तक कि दुख की घड़ी में गृह जनपद जाने की अनुमति भी नहीं दी गई। यूपी में बिजली कंपनियों के निजीकरण की चर्चाओं पर अजय राय ने कहा कि कांग्रेस इसका कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि निजीकरण से जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और यह आम लोगों के लिए हानिकारक है।

लिंग आधारित हिंसा और एलजीबीटीक्यू के प्रति अतिथि व्याख्यान

खरी कसौटी ब्यूरो

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मे भाषा विभाग एवं जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी द्वारा जेंडर सेंसिटाइजेशन से संबंधित अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसका विषय लिंग आधारित हिंसा और एलजीबीटीक्यू के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. श्रुति नागर सहायक आचार्य नोएडा इंटरनेशनल विश्वविद्यालय रही।

कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में प्रोफ़ेसर सुधीर त्यागी, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. सारिका एवं डॉ. रफत खानम ने मुख्य अतिथि डॉ. श्रुति नागर जी को पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. श्रुति नागर ने जेंडर सेंसिटाइजेशन से संबंधित अपने विचार प्रकट किए जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे अपने आस पास लैंगिक असामान्यताएं, लिंग आधारित हिंसा जो किसी व्यक्ति या समूह को उसके लिंग के आधार पर लक्षित की जाने वाली हिंसा है, के बारे मैं विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित हिंसा के प्रति कार्यक्रम प्रक्रियाओं को व्यक्ति, परिवार और समुदायों या राज्यों के संदर्भ से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जेंडर बेस्ड वायलेंस हिंसा का हिस्सा है और इससे प्रभावित लोगों में नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार प्रभावित होते हैं। उन्होंने इन सब हिंसा व भेदभाव को कम करने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। डॉ. श्रुति नागर ने लिंग संवेदनशीलता तथा एलजीबीटीक्यू के बारे में एक व्यावहारिक और जागरूकता से परिपूर्ण व्याख्यान दिया।

भाषा विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा शर्मा ने भी लिंग संवेदनशीलता से संबंधित विचार प्रकट किए जिसमें उन्होंने बताया कि लिंग संवेदनशीलता का उद्देश्य एकसमान व न्यायपूर्ण समाज बनाना है जहाँ व्यक्तियों के साथ उनके लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता यह लोगों को लिंग समानता या लिंग भेदभाव कर खत्म करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने की प्रक्रिया है। जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी की अध्यक्ष डॉ. सारिका के द्वारा भी विद्यार्थियों को लिंग संवेदनशीलता के बारे में जागरूक किया जिसमें उन्होंने बताया कि लिंग संवेदनशीलता न केवल हमारे समाज के लिए ही अत्यंत महत्वपूर्ण है बल्कि हर व्यक्ति के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में समानता और सम्मान की भावना को विकसित करने के लिए अनिवार्य हैं। कार्यक्रम के अंत में अंग्रेजी को विदेशी भाषा की प्रभारी एवं भाषा विभाग के जेंडर सेंसटाइजेशन कमेटी की नोडल अधिकारी डॉ. रफत खानम ने लिंग संवेदनशीलता से संबंधित विचारों से विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन शिखा शर्मा एम.ए हिंदी द्वितीय वर्ष की छात्रा एवं विधि चौहान बी.ए ऑनर्स इंग्लिश प्रथम वर्ष की छात्रा द्वारा किया गया। कार्यशाला में संकाय अध्यक्ष प्रोफ़ेसर डॉ सुधीर त्यागी, भाषा विभाग अध्यक्ष डॉ सीमा शर्मा, जेंडर सेंसिटाइजेशन अध्यक्ष डॉ सारिका, भाषा विभाग की जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी की नोडल अधिकारी डॉ. रफत खानम, एवं विश्वविद्यालय की विभिन्न विभागों की जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी के नोडल अधिकारी डॉ. नीरू सिंह, डॉ. शैली चौधरी, डॉ. कायनात, डॉ.रितु शर्मा, डॉ. अर्चना, डॉ. दिव्या, डॉ. अनुज, डॉ. अंकित, मिस स्वाति, डॉ राजेश्वर पाल चौहान, डॉ. आशीष दीपांकर, एवं विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के जेंडर चैंपियन तथा भाषा विभाग के छात्र मयंक, फ़हद, भूमि, ख़ुशी इत्यादि कार्यक्रम में मौजूद रहे।

क्रिसमस के नाम पर स्कूलों को चंदा देकर सॉफ्ट कंवर्जन को बढ़ावा देना बंद करें हिन्दू समाज: विमल द्विवेदी

(खरी कसौटी)

उन्नाव। गत वर्षों की भांति अबकी बार भी 25 दिसंबर को विशाल तुलसी पूजन यात्रा की तैयारियां नर सेवा नारायण सेवा समिति उन्नाव द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। इसके संदर्भ में रविवार को संगठन कार्यालय पर पदाधिकारियों की एक बैठक आहूत की गई, जिसमें पदाधिकारियों को तैयारियों में कमर कस कर जुटने का आवाहन किया गया।साथ ही विमल द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने का भी निर्देश दिया। विमल द्विवेदी ने बताया हिन्दू समाज पिछले वर्षों की भांति बढ़चढ़कर हिस्सा ले। साथ ही कॉन्वेंट स्कूलों में क्रिसमस के नाम पर कार्यक्रमों को चंदा देकर अपने बच्चो को सॉफ्ट कंवर्जन की तरफ न धकेले।विमल द्विवेदी ने बताया हिन्दू जहाँ जहाँ घटा देश वही बंटा हैं, नॉर्थ ईस्ट के अधिसंख्य राज्य आज मतांतरण का शिकार हो चुके है और इसी कारण अलग ईसाई देश की मांग अक्सर वहाँ से उठती रहती हैं। पंजाब और झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा आदि राज्य में ये बड़े पैमाने पर धर्मांतरण करवा रहे हैं। बैठक में अनीता द्विवेदी, हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, नीलमणि सिंह, पवित्रा उपाध्याय, दीपा त्रिपाठी, कमलेश बाजपेई गायत्री परिवार, अवधेश दीक्षित, विनय द्विवेदी, राकेश राजपूत, दुर्वासनंद, योगेंद्र तिवारी, सुनील भदौरिया, विष्णु गुप्ता, मनीष मिश्रा, राघवेंद्र पांडेय एडवोकेट, दीपू तिवारी, आचार्य वासू, मनीष अवस्थी, अखिल मिश्रा, अभिषेक तिवारी, परिमल मिश्रा, आलोक शुक्ला, मुकेश दीक्षित, सुजीत सिंह आदि।

सिख गुरुओं ने राम मंदिर के लिये किया था आंदोलन : गोपाल जी

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी दिवस के पावन अवसर पर रविवार को लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय भारती भवन में सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री राम जन्म-भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अंतर्गत राम मंदिर का कार्यभार देख रहे मुख्य अतिथि गोपाल जी ने कहा कि 350 साल पहले की भारत देश की परिस्थिति पर विचार करने पर पाएंगे कि उस समय हमारा धर्म और परिवार सब कुछ विदेशी आक्रांताओं के हाथ में चला गया था। उस समय पर अपने धर्म मार्ग पर चलना एक चुनौती थी।

ऐसे में सबको संगठित करने के लिये उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं हुआ। साथ ही, सिख गुरुओं ने राम मंदिर के लिये आंदोलन किया था। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने हमें शिक्षा दी है कि हम अपने धर्म को जीते हुए आचरण करें। अपनी आने वाली पीढ़ी को इसकी शिक्षा दें। हम एक होकर रहें। अपनी संस्कृति को अपनी अगली पीढ़ी के हृदय में स्थापित करने का संकल्प लें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल जी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। गुरु तेग बहादुर ने औरंगजेब के शासनकाल की नीतियों के विरुद्ध हिंदुओं को जगाने का काम किया। एक आततायी शासक की सनातन धर्म विरोधी और वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरुद्ध समाज के सबसे शांत और अहिंसक हिंदू व्यक्ति तक का क्या दायित्व बनता है यह जानने के लिये हमें श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन को जानना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का परिचय भी कराया। श्री गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस आयोजन समिति के प्रशांत भाटिया ने बताया कि शहीदी दिवस के पावन अवसर पर गत तीन वर्ष की भांति यह भव्य आयोजन इस बार भी बड़े भाव आदर सत्कार के साथ मनाया गया। इस बीच भारती भवन के प्रांगण में बड़े सत्कारयोग श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में पाठ, धन धन गुरु तेग बहादुर साहिब कीर्तन ने सबको मंत्रमुग्ध किया। दशमेश पब्लिक स्कूल, चढ़दी कला क्लासेस लखनऊ के बच्चों ने भी करतब दिखाए व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त गुरु तेग बहादुर साहिब पर आधारित चित्र प्रदर्शनी लगाई गई थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समापन के पश्चात लंगर का भी आयोजन किया गया।

निजीकरण का प्रस्ताव कैबिनेट में जाएगा

लखनऊ। दक्षिणांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण का प्रस्ताव आने वाले कैबिनेट में रखा जाएगा। 10 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक होने की संभावना है। ऐसे में उस बैठक में इस प्रस्ताव रखा जाएगा। पीपीपी मॉडल पर डिस्कॉम का पूरा काम देने को लेकर पीपीटी भी बना लिया गया है। हालांकि दूसरी तरफ इंजीनियरों का विरोध भी तेज हो गया है। बिजली कर्मचारियों के आंदोलन को 27 श्रम संगठनों ने अपना समर्थन दिया है। यह तय किया गया कि है कि 10 दिसंबर को ही पूरे प्रदेश में कालीपट्टी बाधंकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। दक्षिणांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण का प्रस्ताव आने वाले कैबिनेट में रखा जाएगा। 10 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक होने की संभावना है। ऐसे में उस बैठक में इस प्रस्ताव रखा जाएगा। पिछले दिनों दोनों डिस्काम के बोर्ड आफ डायरेक्टर ने निजीकरण के लिए नई कंपनी बनाने के प्रस्ताव को मंजूर कर दिया है। अब इसके लिए बाकी अधिकार पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंधन को दे दिया गया है। अब ऐसे में निजीकरण संबंधी मसौदे आरएफपी यानी प्रस्ताव के लिए अनुरोध को कैबिनेट से मंजूर कराने का रास्ता भी साफ हो गया है। इस बीच इंजीनियरों का कहना है कि इससे 67 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पति-पत्नी के 18 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को हुए राजी

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के कुशल निर्देशन वामा सारथी की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्श दाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 09 व परिवार परामर्श केन्द्र से 06, थाना कोतवाली सदर, थाना माखी , थाना बांगरमऊ से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डा.आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में डा.राजेन्द्र सिंह सेंगर, संजय चौरसिया, डॉ. एस.के.पाण्डेय, डॉ.शशी रंजना अग्निहोत्री, डॉ.अवसार अली, डॉ.सगीर अहमद, अवरार हुसैन, मनीष सेंगर, शिल्पी श्रीवास्तव एवं सहयोगी अंकित सिंह, स्वास्तिक मिश्रा, शिवेन्द्र चौहान व पुलिस टीम से प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी, महिला थानाध्यक्ष अर्चना, म.उ.नि.भागीरथी, म.उ.नि. मधु श्रीवास्तव, उ.नि.सुरेखा शर्मा, म.का.साधना, म.का.सेविका, म.का.निक्की चौहान, म.का.पूजा शर्मा, म.का.लक्ष्मी का विशेष योगदान रहा।

हैंडबॉल खिलाड़ी रितेश रावत का राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

सुलतानपुर। एमजीएस के प्रतिभावान युवा खिलाड़ी रितेश रावत राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय प्रतियोगिता में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। रितेश एमजीएस इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र है। उक्त प्रतियोगिता पंजाब के लुधियाना जिले में 11 से 17 दिसम्बर तक खेली जाएगी। पूरी टीम 9 दिसम्बर को राज्य विद्यालय क्रीड़ा संस्थान अयोध्या से ट्रेन द्वारा प्रस्थान करेगी। इसके पहले भी रितेश दो राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शिवपुरी मध्य प्रदेश और हैदराबाद तेलंगाना में खेल कर जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। रितेश रावत कई वर्षों से पंत स्टेडियम में नियमित अभ्यास कर रहे हैं रितेश रावत कोच प्रवीण मिश्रा की देखरेख में नियमित अभ्यास कर रहे हैं उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता राजेश कुमार, दिलीप सिंह को भी दिया उनके चयन होने पर विद्यालय अध्यक्ष संजय सिंह प्रबंधक विनोद सिंह प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह और जिला खेल अधिकारी सिराजुद्दीन , मुनेंन्द मिश्रा, विक्रम सिंह दीपक सिंह, डॉ अजय, उदय सिंह अशोक सिंह धर्मेंद्र मिश्रा ने खुशी जताई साथ ही स्टेडियम खिलाड़ी मो आसिफ, पंकज कुमार सुमित गौड़ विजय नारायण, शिवा ,शुभम खुशी, हेमंत ने बधाई दी है।

प्रदर्शनी में सदाबहार गीतों व नग्मों की बयार बही

लखनऊ। राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ के तत्वावधान में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विशाल खंड गोमती नगर के प्रांगण में चल रही राज्य स्तरीय खादी और पीएमईजीपी प्रदर्शनी की दसवीं सांस्कृतिक संध्या में सदाबहार गीतों व नग्मों की बयार बही। कार्यक्रम का शुभारंभ हर्षिता चतुर्वेदी ने अपनी खनकती हुई आवाज में राम स्तुति से अपने कार्यक्रम की शुरुआत कर तेरी दिवानी, तू मेरी जिन्दगी है जैसे अन्य सदाबहार गीतों को सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। संगीत से सजे कार्यक्रम के अगले सोपान में बाल कृष्ण शर्मा ने दिल क्या करे, रात कली एक ख्वाब में आई, सुधीर श्रीवास्तव ने मेरे दिल ने तड़प के नाम, ये शाम मस्तानी और सोनी त्रिपाठी ने जाऊँ कहां, ये नयन डरे डरे जैसे अन्य सदाबहार गीतों व नग्मों को सुनाकर श्रोताओं को देर रात तक अपने साथ खूब झुमाया नचाया, गुलाबी सर्द शाम कब गहरी अंधेरी रात में तब्दील हो गई, श्रोताओं को इसका भान भी न हुआ। कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र बिंदु रही लघु नाटिका मां की पीड़ा, जिसको मधु सिंह ने अपने एकल अभिनय से पेश कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया।

एसपी ने दंगाईयों से निपटने के लिए कराया मॉकड्रिल

उन्नाव। आकस्मिक परिस्थितियों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और समाज में सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण की स्थापना के उद्देश्य से रविवार को दंगा नियंत्रण अभ्यास आयोजित की गयी। इस अभ्यास में जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने दंगा नियंत्रण कौशल को परखा और विधिवत प्रशिक्षण लिया। यह अभ्यास पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के नेतृत्व में आयोजित हुआ। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद के कुशल पर्यवेक्षण में दंगा नियंत्रण के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अभ्यास स्थल रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव परेड ग्राउंड पर आयोजित हुआ। जहां पुलिस बल ने विभिन्न प्रकार के शास्त्रों और तकनीकों के माध्यम से दंगे और बलवे की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के तरीकों पर अभ्यास किया। इस अभ्यास में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, और प्रतिसार निरीक्षकों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान पुलिस बल ने विधि विरुद्ध भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपकरणों का प्रयोग किया।

नशा-मुक्ति के लिए 31 को दौड़ेंगी लखनऊ की महिलाएं

खरी कसौटी ब्यूरो

कौशल किशोर बोले- 5 हजार महिलाएं होंगी शामिल, 25 लाख का इनाम मिलेगा

लखनऊ। नशा मुक्ति के खिलाफ 31 दिसंबर को लखनऊ में महिला मैराथन का आयोजन किया जाएगा। रविवार को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान के तहत मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। लोगों को नशा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कौशल किशोर ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी तेजी से नशे के चपेट में आ रही है। अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत हिंदुस्तान में कई तरह के ड्रग्स और नशीले पदार्थ की स्मगलिंग की जा रही है। नशे के कारण बड़ी संख्या में युवक और युक्तियां मौत के मुंह में जा रही हैं। 2020 में शराब के कारण मेरे बेटे की मौत हुई। इसके बाद हम लोग राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। कौशल किशोर ने कहा कि पीएम मोदी ने घोषणा किया है कि 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत के साथ हम लोग नशा मुक्त भारत बनाएं। पीएम मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हम लोग लगातार काम कर रहे हैं। न्याय अधिकार मंत्रालय की तरफ से 272 ऐसे जिले चिह्नित किए गए हैं जो नशा मुक्त हैं। नए वर्ष पर नशा का व्यापार तेजी से फलता-फूलता है। युवा पीढ़ी को लालच देकर न्यू ईयर की पार्टी में नशे के मुंह में धकेला जाता है। हमारा प्रयास है कि इस बार किसी भी युवक को इस दलदल में न जानें दे और सबको नशा मुक्ति मैराथन से जोड़ें। कौशल किशोर ने बताया कि महिला मैराथन दुबग्गा से लेकर भिठौली तक दो राउंड होगी। मैराथन की कुल दूरी 42.2 किलोमीटर होगी। मैराथन में 20 हजार वॉलंटियर शामिल होंगे। लगभग 5 हजार महिलाएं हिस्सा लेंगी।

मैराथन में हिस्सा लेने के लिए 1800 2002 3316 टोल फ्री नंबर जारी किया गया है जिस पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। मैराथन में प्रथम स्थान आने वाली महिला को 5 लाख, द्वितीय स्थान पर रहने वाली महिला को 3 लाख और तीसरे स्थान पर आने वाली महिला को 1.5 लाख रुपए नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा 50 अन्य महिलाओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। कुल 25 लाख नकद राशि पुरस्कार के रूप में बांटी जाएगी। कौशल किशोर ने बताया कि इस मैराथन में विजेता को मिलने वाली 5 लाख की राशि देश की सबसे बड़ी धनराशि है। अभी तक देश में किसी भी मैराथन विजेता को 5 लाख का पुरस्कार राशि नहीं दिया गया है।

पुलिस टीम पर हमला: दो पुलिसकर्मी घायल, ग्रामीणों ने तोड़ी गाड़ी, आरोपी हिरासत में

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के पड़रीकला गांव में रविवार को मारपीट की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने न सिर्फ पुलिस पर पत्थरबाजी की, बल्कि पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना में दो पुलिसकर्मियों को चोटें भी आई हैं। रविवार दोपहर पड़रीकला गांव से डायल 112 पर मारपीट की सूचना मिली। कॉलर शिवांश ने बताया कि उसके माता-पिता, रिंकी और रजेपाल के बीच झगड़ा हो रहा है। इस पर पीआरवी 2926 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की। पुलिस के समझाने पर मामला शांत होता दिखा, लेकिन तभी गांव के कल्लू, भूरा, माधुरी और राजकुमार ने पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने हेड कॉन्स्टेबल राकेश सिंह और आरक्षी पवन पर हमला कर दिया। उन्होंने पत्थर फेंककर पुलिस वाहन का शीशा भी तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही अचलगंज थाना प्रभारी राजेश्वर त्रिपाठी टीम के साथ पहुंचे।

लखनऊ में पल्स पोलियो और विटामिन ए अभियान की शुरुआत

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। वीरांगना अवंतीबाई जिला महिला चिकित्सालय में रविवार को पल्स पोलियो अभियान और विटामिन ए सप्लीमेंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा और जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुकेश शर्मा ने कहा कि भारत 2014 में पोलियो मुक्त हो गया था, लेकिन पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए भारत सरकार संक्रमण को रोकने के लिए बार-बार इस अभियान का आयोजन करती है। इस बार अभियान के तहत शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा रही है, साथ ही नौ माह से पांच साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने बताया कि अभियान के पहले दिन 2783 बूथों पर बच्चों को पोलियो रोधी दवा दी गई। इसके बाद स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीमें सोमवार से घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाने का काम करेंगी। लखनऊ में 7 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि पूरे प्रदेश में इस अभियान के जरिए 3.29 करोड़ बच्चों को कवर किया जाएगा। पहले दिन 1,10,648 बूथों के माध्यम से दवा पिलाई गई। उन्होंने बताया कि अगर कोई बच्चा इस खुराक से वंचित रह जाता है, तो मॉप-अप राउंड के दौरान 16 दिसंबर को दवा पिलाई जाएगी। इस कार्यक्रम में बलरामपुर अस्पताल के निदेशक डॉ. सुशील प्रकाश, अपर निदेशक डॉ. जी.पी. गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह, और कई सहयोगी संस्थाओं जैसे यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यालय नगर पंचायत अचलगंज, जनपद-उन्नाव।

वेबसाइट:-www.npachalganj.in ई-मेल:-npachalgaon@gmail.com

पत्रांक: 336 / न0पं0अच0 / श्रमदान / 2024-25 दिनांक: 05/12/2

सेवा में,
अध्यक्ष महोदया,
नगर पंचायत अचलगंज, जनपद-उन्नाव।

कृपया अवगत कराना है कि आप द्वारा नगर पंचायत अचलगंज, जनपद-उन्नाव में जनहित के दृष्टिगत स्थानीय सम्मानित व्यक्तियों के सहयोग से निम्नलिखित कार्य कराये गये है।

1. गत वर्ष शीतलहर को दृष्टिगत आमजानस हेतु अलाव व्यवस्था।
2. विभिन्न वार्डो में नालियों पर पटिया रखवाने का कार्य।
3. जनसहभागिता के माध्यम से स्वच्छ सर्वेक्षण आदि की जन-जागरूकता हेतु वॉल पेन्टिंग द्वारा प्रचार-प्रसार का कार्य।
4. आम जनमानस की पेयजल समस्या के दृष्टिगत नगर पंचायत अचलगंज स्थित पानी की टंकी पर पम्प का रिबोर कार्य।

आप द्वारा कराये गये उक्त कार्यों से नगरवासियों को अत्यधिक सुविधायें प्राप्त हुयी है। आपके उक्त कार्यों से आम जन मानस में अत्यधिक प्रसन्नता व्याप्त है व जनमानस द्वारा आपकी भूरि-भूरि प्रसन्ना की जा रही है। आप द्वारा उक्त समस्त कार्य अत्यन्त सराहनीय है व आपके सहयोग से सरकारी धन की बचत हुयी है।
नगर पंचायत अचलंगज आपके उक्त कार्यों हेतु आपका सदैव आभारी रहेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत अचलगंज
जनपद-उन्नाव।

महाकुंभ -2025 के दौरान 3000 स्पेशल गाडियाँ सहित 13000 से अधिक रेल गाडियाँ चलायी जाएंगी

भारतीय रेल ने महाकुंभ के लिए 5000 करोड़ से अधिक किया खर्च: वैष्णव

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। रविवार को केंद्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज क्षेत्र में महाकुम्भ-2025 के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया । केंद्रीय रेल मंत्री ने प्रयागराज में सबसे पहले झूंसी रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों एवं महाकुंभ -2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया तत्पश्चात झूंसी स्टेशन के निकट गंगा नदी पर प्रयागराज ञ्वाराणसी रेल मार्ग दोहरीकरण कार्य के अंतर्गत बने नए ब्रिज संख्या -111 का निरीक्षण किया । केंद्रीय रेल मंत्री ने निरीक्षण के अगले क्रम में पुनर्विकास योजना के अंतर्गत फाफामऊ स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया ओर संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इसी क्रम में उन्होंने प्रयाग जं स्टेशन का भी निरीक्षण किया और महाकुंभ 2025 की तैयारियों को परखा। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री सेवा एवं यात्री हितों की दिशा में किए जा रहे सभी रेल कार्यों तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा इस विषय में संबंधितों को महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए आवश्यक निर्देश पारित किए।

उन्होंने मेला अवधि में इन स्टेशनों पर यात्री सुविधा संबंधी, आपातकालीन, चिकित्सा तथा आकस्मिक सेवा संबंधी, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण संबंधी, यात्री सुरक्षा एवं संरक्षित तथा समयानुसार गाड़ी परिचालन संबंधी सभी व्यवस्थाओं का गहनतापूर्वक अवलोकन किया। इसके साथ ही माननीय रेलमंत्री, मेला के दौरान रेलवे द्वारा निर्धारित की जाने वाली अन्य विशेष तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं से भी भलीभांति अवगत हुए। इसके अतिरिक्त उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से यात्री एवं भीड़ प्रबंधन की नीतियों एवं मेला के सुगम और सुचारु रूप से संचालन करने की दिशा में किए जाने वाले अन्य प्रयासों के विषय में भी क्रमबद्ध रूप से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान माननीय रेलमंत्री ने फाफामऊ जं से प्रयाग जं तथा प्रयाग जं से प्रयागराज जं. तक विंडो ट्रेलिंग करते हुए रेलपथ की संरक्षा की जानकारी भी प्राप्त की तथा इस अवसर पर इन दोनों स्टेशनों पर उपस्थित जन प्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों से भेंट की। केंद्रीय रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने निरीक्षण के अगले क्रम में प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ -2025 के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया । ध्यातव्य है कि प्रयागराज जंक्शन को स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है । केंद्रीय रेल मंत्री ने प्रयागराज जंक्शन पर यात्री आश्रय का निरीक्षण कर आश्रय के बाहर टिकट काउंटर, कलर कोडिंग और उपलब्ध साइनेज का जायजा लिया । यात्री आश्रयों में कलर कोडिंग की व्यवस्था की गई है।

केंद्रीय रेल मंत्रीने यात्री आश्रय में खानपान, प्रकाश, पेयजल, चिकत्सा बूथ, जन सुविधाएँ, सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखा । केंद्रीय रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज जंक्शन की सुरक्षा प्रणाली और आपात स्थिति के लिए की गई तैयारियों की भी जानकारी ली । निरीक्षण के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रेस्पोंस टीम और फायर फाईटिंग टीम के कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली को परखा, और बेहतर कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए । स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एवं आपात स्थिति से निपटने के लिए रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रिस्पांस टीम और फायर फाइटिंग टीम की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में माननीय रेल मंत्री महोदय ने डीएफसी के कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया। इसके उपरांत मंत्री महोदय ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में रेल अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, यदि आवश्यकता हो तो होल्डिंग एरिया की क्षमता और बढ़ाई जाए एवं मेला अवधि में अधिकतम ट्रेनो का परिचालन किया जाए। इसी के साथ ही अयोध्या, चित्रकूट एवं विंध्याचल के लिए भी ज्यादा से ज्यादा ट्रेन चलाने की बात की। उन्होंने चित्रकूट एवं विंध्याचल में भी होल्डिंग एरिया विकसित करने के निर्देश दिए । इसी क्रम में श्री वैष्णव ने स्वच्छ एवं प्लास्टिक फ्री कुंभ की दिशा में प्रयास करने की बात कही। उन्होंने मेडिकल के संबंध यदि आवश्यकता हो तो बाहर से अतिरिक स्टाफ हायर करने और यात्रियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। अपने संबोधन में रेल मंत्री महोदय ने कानपुर एरिया को बुंदेलखंड, लखनऊ एवं अयोध्या के दिशा में जाने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए वहां भी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयास की आवश्यकता जताई। अंत में उन्होंने जिला प्रशासन एवं रेल विभाग को समन्वय से काम करने के निर्देश दिए और मेला को सुचारु और सुरक्षित बनाने के सभी प्रयास करने की बात कही। इस दौरान अध्यक्ष रेलवे बोर्ड सतीश कुमार सहित उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक एवं संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों के साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम चौपालों में 04 लाख 38 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणों की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या -गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1395 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3843प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।

इन ग्राम चौपालों मे 3673 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6724 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 76 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 11 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 78 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 04 लाख 38 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

उपभोक्ता परिषद के सवालों पर उलझा पावर कारपोरेशन

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम को पीपीपी माडल के तहत निजी क्षेत्र में दिए जाने के मामले पर जहां विधिक पेच फंसता नजर आ रहा है। उपभोक्ता परिषद की याचिका में अपने को फसता देख पावर कारपोरेशन ने दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के बोर्ड आफ डायरेक्टर से अपने को अधिकृत कराया गया है कि वह कोई भी निर्णय ले सकते हैं। लेकिन शायद उन्हें या नहीं पता है कि दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम विद्युत नियामक आयोग से लाइसेंस प्राप्त है कोई एक लाइसेंस प्राप्त कंपनी बिना लाइसेंस प्राप्त कंपनी को कैसे अधिकृत कर सकती है।

उपभोक्ता परिषद ने पहले ही विद्युत नियामक आयोग में यह प्रस्ताव दाखिल किया है कि दोनों कंपनियां पावर कारपोरेशन के दबाव में कोई भी निर्णय ले सकती हैं। इसलिए दोनों कंपनियों के बोर्ड आफ डायरेक्टर को बर्खास्त किया जाए और प्रशासक नियुक्त किया जाए। अब उपभोक्ता परिषद की बात सच साबित हुई कि असंवैधानिक कार्यवाही करके जो ऐलान पावर कारपोरेशन ने किया था अब उसकी पूरी कलई खुल गई। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा जितने भी शार्ट टर्म लान्ग टर्म पीपीए बिजली खरीद के पूर्वांचल व दक्षिणांचल द्वारा किए गए हैं साथ पूर्वांचल व दक्षिणांचल द्वारा अनेकों अपील माननीय अपटेल में दाखिल है उन सब की वैधानिकता क्या होगी।

इस पर कभी किसी ने विचार किया। पूरे मामले को गुपचुप क्यों रखा जा रहा है इसका खुलासा बिना किए कैबिनेट में ले जाने की जल्दबाजी क्यों की जा रही है।उपभोक्ता परिषद में बडा खुलासा करते हुए कहा अब पावर करपोरेशन इतनी जल्दबाजी में है कि वह आरएफपी या अन्य मसौदे को बिना विद्युत नियामक आयोग में ले जाए कैबिनेट के पास ले जाकर पास कराना चाहता है। इसकी भी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री से उपभोक्ता परिषद मांग करता है कि जल्दबाजी में इस प्रस्ताव को पास ना किया जाए। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा जिस प्रकार से माहौल बनाकर जल्दबाजी में निर्णय कराया जा रहा है। उससे ऐसा प्रतीत होता है कि सब कुछ फिक्स है यह पीपीपी माडल फिक्स माडल नजर आ रहा है जिसकी सीबीआई जांच होना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश राज विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाईकोर्ट के अनेकों निर्णय में उच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश पूर्व में पारित किया जा चुका है कि पावर करपोरेशन स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली बिजली कंपनियों को कोई भी निर्देश जारी नहीं कर सकता। यहां तो निर्देश की बात छोडिये दोनों बिजली कंपनी को निजी क्षेत्र में देने के लिए पावर कारपोरेशन ने अपने को अधिकृत कर लिया। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि पावर करपोरेशन जल्दबाजी में निजी क्षेत्र में देने के लिए उतावला हो रहा है जो अपने आप में उच्च स्तरीय जांच का मामला है।

भूख से लड़ने की नई उम्मीद: विपिन और उनकी ब्रज की रसोई का प्रयास

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। मानवता और सेवा का सबसे बड़ा उद्देश्य है जरूरतमंदों की मदद करना, और इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के संस्थापक विपिन कुमार शर्मा इस उद्देश्य को पूरा करने में पूरी तरह समर्पित हैं। उनकी पहल ने अकिंचन, निराश्रित, बेसहारा और जरूरतमंद तबकों के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाई है।

संस्था के सदस्य पंकज राय ने कहा समाज के उन लोगों की मदद करने का बीड़ा उठाया है, जो जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित हैं। उनका उद्देश्य न केवल गरीब और असहाय लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है, बल्कि बच्चों को उनकी शिक्षा और जरूरत की चीजों के प्रति जागरूक करना भी है। वे मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति भूख के कारण अपने सपनों से समझौता न करे। विपिन शर्मा की संस्था, इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी, ''ब्रज की रसोई'' के माध्यम से जरूरतमंदों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराती है। इस रसोई में चावल, दाल, पूड़ी और सब्जी जैसे संतुलित और स्वच्छ भोजन तैयार किए जाते हैं।संस्था सुनिश्चित करती है कि यह भोजन उन्हीं लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

संस्था नियमित रूप से विभिन्न चयनित क्षेत्रों में कैंप लगाकर भोजन वितरित करती है। इन कैंपों में जरूरतमंद बुजुर्गों, बच्चों और परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। विपिन शर्मा और उनकी टीम यह सुनिश्चित करती है कि सेवा का यह कार्य बिना किसी बाधा के पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बने। सामाजिक कार्यकर्ता संजय सिंह का कहना है इस मानवीय प्रयास का मुख्य उद्देश्य समाज में भूखमरी जैसी समस्या को खत्म करना है। इसके साथ ही, संस्था शिक्षा को भी प्राथमिकता देती है।

आशीष श्रीवास्तव ने कहा गरीब और वंचित तबके के बच्चों को उनकी पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किताबें, कॉपियां और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया जाता है। सदस्य विकास पाण्डेय ने कहा का यह प्रयास समाज में सेवा और करुणा की भावना को मजबूत करता है। उनकी प्रेरणादायक पहल न केवल जरूरतमंदों की सहायता करती है, बल्कि लोगों को यह संदेश भी देती है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। सक्रिय सदस्य संजय श्रीवास्तव ने बताया इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी और विपिन शर्मा का यह कार्य इस बात का प्रमाण है कि यदि समाज के लोग एकजुट होकर प्रयास करें, तो कोई भी भूखा नहीं रहेगा। यह पहल एक आदर्श उदाहरण है कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

विशाल सक्सेना ने जानकारी दी कि आज के निःशुल्क भोजन वितरण में कढ़ी चावल रतन खंड पानी टंकी के पास स्थित झुग्गियों, निर्माणाधीन विद्यालय के श्रमिकों और उनके परिवारों, तथा जोन 8 के सामने की झुग्गियों में भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में करीब 890 लोगों को भोजन वितरित किया गया। आज के निःशुल्क भोजन वितरण में पंकज राय, संजय श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, विशाल सक्सेना, आशीष श्रीवास्तव, संजय सिंह, अजय कुमार सिंह, अशोक कुमार, मुकेश कनौजिया, रंजीत कश्यप, ध्रुब सक्सेना के समापन पर विपिन शर्मा ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

यूनानी इलाज को लेकर कन्वेंशन सेंटर में तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन सम्पन्न

लखनऊ। यूनानी इलाज को बढ़ावा देने और अधिकतर बीमारियों में यूनानी दवाइयां के इस्तेमाल को लेकर लखनऊ में तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देशभर से आए यूनानी दवा निर्माता कंपनियां के प्रतिनिधि और यूनानी डॉक्टर हिस्सा लिया। लखनऊ के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस सेमिनार में विभिन्न कंपनियों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए। दिन में यूनानी दावों का प्रचार प्रसार किया जा रहा है आज के सेमीनार में मौलाना कल्बे जवाद नक़वी और मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भी हिस्सा लिया और यहां यूनानी डॉक्टर के साथ चर्चा की इस मौके पर मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि यूनानी डॉक्टर ही देश के गांव-गांव में यहां तक की छोटे-छोटे इलाकों में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं जहां एलोपैथिक डॉक्टर नहीं पहुंच सकते उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि यूनानी डॉक्टर को बढ़ावा देना चाहिए और उन्हें बेहतर सुविधा के साथ एलोपैथ में भी प्रैक्टिस की कानूनी मान्यता प्रदान करनी चाहिए वही मौलाना कल्बे जव्वाद नक़वी ने कहा कि यूनानी दवाइयां आयुर्वेद की तरह ही कारगर है और इनका कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं होता जबकि एलोपैथ में साइड इफ़ेक्ट की संभावनाएं बहुत होती हैं उन्होंने कहा कि कुदरत द्वारा प्रदान जड़ी बूटियां से यूनानी दवाएं बनाई जाती हैं जिससे बीमारियों का जड़ से इलाज होता है उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वह यूनानी दावों का भी अपने मर्ज में इस्तेमाल करें।कन्वेंशन सेंटर में लगी एग्जिबिशन में डॉक्टर सलमान यानी फ़ेमिना नर्सिंग होम का भी स्टाल लगा हुआ है जहां 55 कंपनियों ने भागीदारी ली है।

पूर्व पीएम भारत रत्न अटल जी की जन्म शताब्दी पर कॉलेज को अनुदानित कालेज घोषित करने की मांग

लखनऊ। भारत के यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी का सौवां जन्मदिन 25 दिसंबर को बड़ी धूमधाम से मनाये जाने की खबर है सूत्रों के अनुसार उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पर हुई बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्र डॉ.महेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जन्मशती समारोह समिति के गठन पर भी चर्चा हुई इसी अवसर पर सुरेंद्रनगर , इस्माईलगंज स्थित अटल जी के नाम पर बना एकमात्र अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज को अनुदानित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है सूत्रों के अनुसार ६ दिसम्बर को डॉ. भीमराव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर विधान सभा मार्ग स्थित अम्बेडकर महासभा में, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी उपस्थित थे वहां श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात इस्माईलगंज, इन्दिरा नगर क्षेत्र के कुछ स्थानीय नागरिकों ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज को अनुदानित किये जाने का ज्ञापन दिया और मांग की कि इन्दिरा नगर और गोमती नगर के बीच कोई भी राजकीय अथवा अनुदानित कालेज नहीं है जिस के कारण यहां के बच्चों को मजबूर होकर मंहगे प्राइवेट कॉलेजों में जाना पड़ता है जहां मंहगी फीसों के कारण कई बार उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है और चूंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज पूर्ण सुसज्जित और व्यवस्थित है किन्तु सरकार द्वारा अनुदानित न होने के कारण कई विसंगतियों से जूझ रहा है जैसे २१वर्षों से यहां केवल संविदा के शिक्षक ही कार्य कर रहे हैं सभी कर्मचारी आउटसोर्सिंग पर हैं और कालेज को उच्च शिक्षा से अनुदान न मिलने के कारण कालेज की व्यवस्था शिक्षकों/प्राचार्य और कर्मचारियों के वेतन आदि का व्यय भार नगर निगम ही वहन करता है और जब कालेज को सरकार से अनुदान प्राप्त होगा तब कालेज पर होने वाले व्यय भार को नगर निगम अपने प्राथमिकता के विषय स्वच्छता और जन कल्याण के कार्यों पर खर्च कर सकेगा। सरकार से यह मांग की गई है कि भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान में उनके नाम की गरिमा के अनुरूप इस कालेज को अनुदानित/ऐडेड कालेज घोषित करके इसका विकास किया जाये जिससे क्षेत्रीय जनता को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सके।

आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई में सुनीं गईं समस्याएँ

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। रविवार को ग्राम पंचायत चकौली के अंदपुर उमराव मजरा में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा आयोजित 99वें 'आपका विधायक - आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर के दौरान ग्रामवासियों की समस्याएँ सुनी गईं और विकास संबंधी सुझाव प्राप्त किए गए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सोलर लाइट, वृद्धवस्था पेंशन, आवास एवं शौचालय, किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड सहित अन्य आवश्यकताओं के संबंध में करीब 80 आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के साथ ही 'गाँव की शान' पहल के अंतर्गतः इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली अंदपुर उमराव की दो मेधावियों शीतल शर्मा (80%) और शिवा रावत (70%) तथा हाईस्कूल परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली दो मेधावियों प्रज्ञा सिंह (85%) और सौरभ पाल (76%) को साइकिल, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, खेलों के प्रोत्साहन और बेटियों को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अंदपुर उमराव में 52वाँ गर्ल्स यूथ क्लब गठित किया गया और बेटियों को इनडोर एवं आउटडोर स्पोर्ट्स की किट प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से अंदपुर उमराव गाँव के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। ग्राम प्रधान दीन दयाल, बूथ अध्यक्ष जितेन्द्र, ज्ञानेंद्र सिंह, रणधीर सिंह, राज बक्श, दल बहादुर, शैलेन्द्र, राजवीर, राम किशोर, जय करन, रंजीता, शकुंतला, निर्मला, कमला, अमन रावत, ख़ुशी राम, बेचा लाल और अन्य ग्रामीणों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान, सरोजनीनगर की पहचान बन चुकी तारा शक्ति रसोई के माध्यम से उपस्थित ग्राम वासियों को ताजा, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

यूपी को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस की बड़ी सौगात, आम-खास सभी का सफर आसान

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। ट्रेन के जनरल और स्लीपर क्लास में ट्रैवेल करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस की बड़ी सौगात दी है। रेलवे की ओर से अब लखनऊ के रास्ते तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें चंडीगढ़ से वाराणसी, गोरखपुर से मुंबई और हावड़ा से दिल्ली वाया लखनऊ ट्रेनें चलेंगी। रेलवे की इस सौगात से हजारों यात्रियों को फायदा होगा।

तीनों रूटों पर इन ट्रेनों को संचालित करने की तैयारी हो रही है। इसमें से लखनऊ के रास्ते आनंदविहार से दरभंगा के लिए एक अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल है। अब रेलवे बोर्ड 26 और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पटरी पर उतारने की तैयारी में हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस को खासतौर पर आम आदमी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इन ट्रेनों में आम जनता के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने की कोशिश की गई है। उल्लेखनीय है कि बिना एसी वाली अमृत भारत एक्सप्रेस में सीसीटीवी कैमरे भी लगे रहेंगे। जिसके चलते लोगों का सामान पूरी तरह से सेफ रहेगा। वहीं टक बैंक सिस्टम लगा होगा, जिससे यात्री आपात स्थिति में सीधे लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर से बात कर पाएंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस में शौचालयों को भी पहले से बेहतर बनाया गया है। इनमें लोगों को आरामदायक सीटों की सुविधा भी मिलेगी। 22 बोगियों वाली अमृत भारत एक्सप्रेस में 1834 यात्री सफर कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव उत्तर प्रदेश में रेल परियोजनाओं पर लगातार काम कर रहे हैं जिससे आम जनता को काफी सहूलतें मिल रही है।

विरासत को जीवंत रखना जनता और सरकार दोनों की जिम्मेदारी : जयवीर

खरी कसौटी ब्यूरो

राजधानी में आयोजित विंटेज कार रैली में पुरानी कारें बनी आकर्षण का केंद्र, दिखा लखनऊ का नवाबी ठाठ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने एक संदेश में कहा कि हेरिटेज कन्क्लेव से लेकर विंटेज कार रैली जैसे आयोजन अपनी विरासत को संजोए रखने का ऐसा प्रयास है, जिसमें जनता और सरकार दोनों की समान भागीदारी जरूरी है। ऐसे आयोजनों से आमजन ऐतिहासिक और सांस्तिक धरोहरों के प्रति आकर्षित होते हैं।

विंटेज कारें हमें अतीत के उस दौर में ले जाती हैं, जब तकनीक और कला का अनोखा मेल देखने को मिलता था। पर्यटन विभाग सदैव इस तरह के आयोजनों का पक्षधर रहा है। ऐसे प्रयास पर्यटन विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा लखनऊ में राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित हेरिटेज कन्क्लेव आयोजित करने के एक दिन बाद रविवार को पर्यटन निदेशालय से विंटेज कार रैली का शुभारंभ किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य मुकेश कुमार मेश्राम ने पर्यटन भवन से हरी झंडी दिखाकर विंटेज कार रैली को रवाना किया। यह अनोखी रैली न केवल पुरानी कारों के शौकीनों के लिए खास रहा, बल्कि राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने का एक प्रयास रहा। प्रमुख सचिव ने इस अवसर पर कहा कि विंटेज कार रैली उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और अवध हेरिटेज कार क्लब की संयुक्त पहल थी।

रैली में 21 से अधिक विंटेज कार मालिकों ने हिस्सा लिया। इनमें 1928 की फोर्ड, 1923 की लाल रंग की अस्टिन 7 और बेबी अस्टिन, वोल्स्ले, 1945 की जगुआर मार्क 4, 1945 की मरिस माइनर, 1968 की वी.डब्ल्यू. बीटल और 1958 की फिएट स्पाइडर जैसी पुरानी कारें शामिल थीं। ये कारें जिन रास्तों से गुजरी देखने वाले देखते रह गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्ति उप्र. मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, लखनऊ में दुर्लभ कारों का संग्रह देखकर अच्छा लगा। इतने वर्षों बाद भी विंटेज

कारों को उनके मालिकों द्वारा बहुत अच्छी तरह से संभालकर रखा गया है। यह अपनी विरासत और धरोहरों के प्रति सम्मान को दर्शाता है। आने वाले समय में हमारी ओर से ऐसे और भी कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जो राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को प्रोत्साहित करेंगे। महाकुंभ- 2025 हमारे लिए एक अवसर प्रदान कर रहा है, जो प्रदेश आने वाले पर्यटकों श्रद्धालुओं आदि को राज्य की विरासत, संपत्तियों तथा कम चर्चित स्थानों की ओर आकर्षित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग राज्य के पर्यटन विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। पर्यटन विभाग ने हेरिटेज कन्क्लेव के अगले दिन विंटेज कार रैली आयोजित कर धरोहरों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। विंटेज कार रैली में आजादी से पहले और बाद की दुर्लभ कारों ने आधुनिकता और पुरातन का एक अद्भुत संगम पेश किया। पर्यटन विभाग द्वारा विंटेज कार रैली को समर्थन देने के लिए अवध हेरिटेज कार क्लब के अध्यक्ष पी.एन.डी सिंह ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया।इस अवसर पर प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली भी उपस्थित रहे। 21 विंटेज कारों का यह काफिला पर्यटन निदेशालय से निकलकर रिंग रोड तिराहा, सेवा अस्पताल के रास्ते चंद्रिका देवी मोड़ से 30 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए कैप्टन फार्म, बक्शी का तालाब पहुंचा। रैली में जनता ने भारी उत्साह दिखाया। लोग इन ऐतिहासिक कारों को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। अवध हेरिटेज कार क्लब के अध्यक्ष पी.एन.डी सिंह ने यूपी पर्यटन विभाग को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सहयोग हमारी धरोहरों को संरक्षित और प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आयोजन में प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली की उपस्थिति ने इसे और खास बना दिया। रैली के माध्यम से राज्य ने यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश अपनी धरोहरों को संरक्षित करने और पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नौकरी करने वाले तो दबाव में रहते ही हैं, लेकिन इन दिनों व्यापार करने वाले लोग भी बहुत दिक्कत में हैं। कई व्यवसायी कहते हैं कि कारोबार में शुद्ध ईमानदारी मुश्किल होगी, जबकि ढोल सबसे ज्यादा ईमानदारी का ही पीटा जाता है। अब तो जो सबसे कम बेईमान है, वही ईमानदार है। इसलिए भी लोग मानसिक रूप से अस्वस्थ नजर आ रहे हैं।

सम्पादकीय

कैसे करे आचमन

केसी विश्नोई (समूह सम्पादक)

गंगा स्नान और आचमन के बाद दिव्य साधना, देवभूमि हरिद्वार इन्हीं दो चीजों के लिए तो जाना जाता है। लेकिन यहां देव नदी गंगा का पानी आचमन के लायक भी नहीं बची है। यह खुलासा हम नहीं, नदी के पानी की नियमित निगरानी कर रहे हरिद्वार के प्रदूषण नियंत्रण का है। प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक हरिद्वार में अलग अलग स्थानों पर गंगा के पानी की मॉनिटरिंग होत है। नवंबर महीने में भी पानी का सैंपल भरा गया था, लेकिन रिपोर्ट चौंकाने वाले हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गंगा का पानी पीने लायक नहीं है.इस पानी को पीने से गंभीर बीमारियां हो सकती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल अफसर राजेंद्र सिंह के मुताबिक हरिद्वार के ऊपर से लेकर नीचे यूपी बॉर्डर तक आठ स्थानों पर गंगा के पानी की नियमित मॉनिटरिंग होती है। हर महीने सैंपल भरे जाते हैं. नवंबर महीने में भरे गए सैंपल की जांच रिपोर्ट आ गई है। इसमें घुलनशील अपशिष्ट (फ़ेकल कोलीफॉर्म) और घुलनशील ऑक्सीजन (बायोकेमिकल ऑक्सीजन) का स्तर मानक से अधिक पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां गंगा जल में कॉलीफॉर्म 120 एमपीएन तक पाया गया है। इस गुणवत्ता का पानी पीना या आचमन करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। जांच रिपोर्ट में इस पानी को गुणवत्ता की दृष्टि से बी कैटेगरी में रखा गया है। प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक नहाने योग्य नदी के पानी के लिए जो मानक निर्धारित हैं, उसमें ऑक्सीजन का मानक पांच मिली ग्राम प्रति लीटर है। इस मानक के आधार पर इतना कहा जा सकता है कि हरिद्वार में आप गंगा के पानी में स्नान कर सकते हैं। पानी आचमन के लायक नहीं है। दरअसल, करीब पांच साल पहले जब गंगा जल की मॉनिटरिंग शुरू हुई थी, उस समय यहां गंगा जल में मिलने वाले बैक्टीरिया और एमपीएन की मात्रा 500 से अधिक थी. उस समय गंगा का पानी को सी कैटेगरी में रखते हुए कहा गया था कि यह नहाने लायक भी नहीं है। हालांकि बीते 5 वर्षों में हुए प्रयासों की वजह से गंगा जल के स्तर में काफी सुधार हुआ है और आज गंगा जल सुधर कर बी कैटेगरी में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है।

हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए जल्द पहल करे सरकार

दीपक कुमार त्यागी

बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार जारी है, दुनिया के मुस्लिम देशों के साथ-साथ अधिकांश देश बांग्लादेश में चल रहे हिंदुओं के नरसंहार को चुपचाप देख रहे हैं, इतिहास की पुनरावृत्ति हो रही है। क्योंकि ठीक उसी तरह से ही जम्मू-कश्मीर में नब्बे के दशक में हुए हिंदुओं के नरसंहार को भी तत्कालीन भारत सरकार व दुनिया के अन्य देशों के द्वारा चुपचाप देखा गया था। जिसका भयावह परिणाम जम्मू-कश्मीर के अमन चैन पसंद लोगों के साथ-साथ पूरी दुनिया ने देखा था, मज़हबी उन्माद में पूरी तरह से अंधे हो चुके कट्टरपंथी आतंकियों के खुली छूट देने के परिणामस्वरूप कई दशक बीतने के बाद भी आज तक भी जम्मू-कश्मीर आतंकवाद की आग में झुलस रहा है। लेकिन जब नब्बे के दशक के कट्टरपंथियों के भयावह कारनामों को लेकर के वर्ष 2022 में ''द कश्मीर फाइल्स'' नाम की फिल्म बाक्स आफिस पर रिलीज हुई थी, तब देश व दुनिया के धर्मनिरपेक्ष लोगों की एक बहुत बड़ी जमात ने अपने क्षणिक राजनीतिक हितों को साधने के लिए ''द कश्मीर फाइल्स'' फिल्म को पूरी तरह से झूठ व काल्पनिक बताते हुए, यहां तक कहा था कि कट्टरपंथियों की जमात ने कश्मीर में ऐसा बर्ताव हिंदुओं के साथ कभी भी नहीं किया था, उन लोगों ने फिल्म को देश में जानबूझकर धर्म विशेष व कुछ लोगों की छवि खराब करने की एक बड़ी साज़िश बताया था।

लेकिन आज मुझे खेद के साथ यह कहना पड़ रहा है कि आज जब हम बांग्लादेश के हालात को देखते हैं तो हमारी आंखों के सामने ''द कश्मीर फाइल्स'' फिल्म के उन दर्दनाक खौफनाक मंजरों की पुनरावृति होते हुए नज़र आती है और उस पुनरावृति पर आज भी भारत के राजनैतिक लोगों व अधिकांश धर्मनिरपेक्ष लोगों की जमात क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए एकबार फिर से बेशर्मी के साथ चुप्पी साधे नज़र आती है। वहीं दूसरी तरफ पूरी दुनिया भर के मुद्दों को लेकर के आये दिन भारत की जमीन पर भी बवाल खड़ा करने वाले कट्टरपंथियों की पूरी जमात बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जघन्य अत्याचारों पर पूरी तरह से चुप्पी साधे नज़र आती है, जो बांग्लादेश में हो रहे भारत व मानवता विरोधी घृणित कार्य पर मौन सहमति देती नज़र आती है, जो कट्टरपंथी जमात की भारत व हिंदू विरोधी जहरीली मानसिकता को दर्शाने का कार्य करती है। हालांकि होना यह चाहिए था कि भारत के इस्लाम धर्म से जुड़े हुए प्रभावशाली लोगों को बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों और वहां के हिंदुओं पर हो रहे जघन्य अत्याचारों पर खुल करके देश व दुनिया के विभिन्न सार्वजनिक मंचों से विरोध जताना चाहिए था, लेकिन अफसोस आज बांग्लादेश के हिंदुओं को पूरी दुनिया ने उनके हाल पर भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 की दोपहर को हुए शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद से ही वहां की कट्टरपंथी जहरीली जमात के द्वारा हिंदुओं के जान-माल व मंदिर को चुन-चुन कर के निशान बनाया जा रहा है, इन कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं के जान-माल को तब से ही जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि तख्तापलट के बाद बहुत सारे लोगों को यह उम्मीद थी कि अब देश में नोबेल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद वहां के हाल धीरे-धीरे पूरी तरह से सुधर जायेंगे। लेकिन अफसोस मोहम्मद यूनुस तो भारत व हिंदूओं के विरोध में अंधे होकर के खुद इन कट्टरपंथियों की गोद में जाकर बैठ गये हैं और कई माह बीतने के बाद भी बांग्लादेश के हालात सुधरने की जगह और खराब हो गये हैं।

मीडिया स्त्रोतों से जो खबरें लोगों को निरंतर मिल रही हैं, वह देश व दुनिया के सभी हिंदुओं के साथ-साथ इंसान व इंसानियत को बेहद बुरी तरह से झकझोर देने वाली है। क्योंकि तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के द्वारा भारत विरोध व हिंदुओं के जान-माल को जानबूझकर जमकर के निशान बनाया जा रहा है। हिंदुओं को मोहम्मद यूनुस सरकार के संरक्षण प्राप्त इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा सरेआम मौत के घाट तक उतारा जा रहा है। वहां हिंदुओं के मंदिर, मकान, दुकान व फ़ेक्ट्रियों आदि को तोड़फोड़ कर के बड़े पैमाने पर आग के हवाले खुलेआम किया जा रहा है और अफसोस की बात यह है कि बांग्लादेश की पुलिस-फोर्स नियम-कायदे व कानून के अनुसार मानवता की रक्षा ना करके खुल्लम-खुल्ला इन भारत व हिंदूओं की विरोधी कट्टरपंथियों की जमात का साथ दे रही है। लेकिन इस हाल में हम भारतवासियों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पूरे विश्व के किसी भी कौने में अगर इस्लाम धर्म के किसी व्यक्ति के साथ किसी अन्य धर्म के व्यक्ति के द्वारा कोई अप्रिय घटना घटित कर दी जाती है, तो हमारे प्यारे देश भारत तक में भी इस्लामिक कट्टरपंथियों के इशारे पर उनके बहुत सारे लोगों को जमकर सड़कों पर बवाल काटते देखा जाता है। यहां आपको याद दिला दें कि पूरी दुनिया ने देखा है कि किस तरह से वर्ष 1971 में तत्कालीन भारत सरकार ने पाकिस्तानियों के अत्याचार से बांग्लादेश की जनता को एक अलग राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण करके अत्याचार से मुक्ति दिलाने का कार्य भारतीय सेना के जांबाजों के नेतृत्व में ही किया था, जिसके चलते ही भारत के लंबे समय से बांग्लादेश से मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में वहां की अंतरिम सरकार के बनने के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में बहुत तेज़ी के साथ कड़वाहट शुरू हुई है। संबंध खराब करने के लिए रही-सही कसर पाकिस्तान के इशारे पर बांग्लादेश के इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं को निशाना बनाकर पूरी की जा रही है। जिस बेहद तनावपूर्ण स्थिति के चलते ही संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद अब दोनों देशों के बीच काफ़ी तल्ख़ कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल हो रहा है, जो स्थिति आने वाले समय में भारत-बांग्लादेश के संबंधों व वैश्विक स्तर पर ठीक नहीं है। यहां आपको एकबार फिर से याद दिला दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही भारत विरोधी गतिविधियां और हिंदुओं पर हमले के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं।

वहीं बांग्लादेश के मुद्दे पर हाल ही में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में सवाल पूछें जाने पर अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा था कि – हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। सरकारों को कानून के शासन का सम्मान करने की आवश्यकता है, उन्हें आधारभूत मानवाधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता है। हम इस बात पर हमेशा जोर देते रहेंगे। किसी भी तरह का विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। हम इस बात पर बल देते हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए और उनसे अधारभूत मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। हालांकि उनका यह बयान औपचारिकता मात्र है, हालांकि उनके इस बयान में भी बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस आश्वासन या समाधान नज़र नहीं आता है, उनका बयान केवल एक औपचारिकता मात्र है। वहीं हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने में नाकामयाबी दिखाई है, शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस पर आरोप लगाया कि उन्होंने हिंदुओं के नरसंहार में सक्रिय रूप से भाग लिया है। शेख हसीना के इस बयान को दुनिया भर के ठेकेदार बनने वाले ताकतवर देशों व मानवाधिकार संगठनों को संज्ञान लेकर के हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ वैश्विक स्तर पर कार्रवाई करनी चाहिए, जो पर अभी तक तो कोई पहल होती हुई नज़र नहीं आ रही है।

प्रयागराज महाकुंभ सामाजिक समरसता और एकता का महासूत्र

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

विभिन्न धर्मों और संप्रदायों में विश्वास करने वाला हमारा यह देश है। यहां अनेक पर्व, उत्सव और मेले आयोजित होते हैं, इसलिए यह कहावत है ''सात वार और नौ त्यौहार' धार्मिक पर्वो और उत्सवों से त्याग, तप, साधना, परोपकार, धार्मिक जागृति और आध्यात्मिक चेतना के दर्शन होते हैं।अमृत बिंदु पतन से पृथ्वी पर चार कुंभ पर्व हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में आयोजित होते हैं। जिसमें हरिद्वार का कुंभ पर्व कुंभ राशि के गुरु, मेष के सूर्व में वैशाख मास में आयोजित होता है। वहीं प्रयाग (इलाहाबाद) का कुंभ महापर्व मेष वा वृषभ का गुरु, मकर का सूर्य और माध मास में सम्पन्न होता है। नासिक में सिंह राशि का गुरु, सिंह का सूर्य तथा श्रावण मास के संयोग से पर्व होता है। इसी प्रकार उज्जैन का कुंभ सिंह राशि का गुरु, वैशाख मास के मेष के सूर्य में कुंभ पर्व होता है। कुंभ भारतीय जनजीवन, संत महात्माओं के आध्यात्मिक चिंतन, जीवन दर्शन और प्राचीन संस्कृति का पुंजीभूत है। इसकी मांगलिक विचारधाराएं सरिताओं के पावन जलप्रवाह के माध्यम से जन जागृति और नवचेतना का शंखनाद सदियों से करती आई है। बारह वर्ष बाद यह पुनः पुनः आ जाता है। प्रयागराज का अमृत महाकुंभ, जो विश्व का सबसे बड़ा मेला पुनीत पावनक गंगा जमुना, और अदृश्य सरस्वती के संगम पर उभरता एक लघु भारत। प्रयाग की धरती से एक बार फिर गूंज रहा है ''हम एक हैं'' का अमृत घोष। अजस्त्र वाहिनी गंगा जमुना-सरस्वती का संगम-स्थल। भूमंडल के पूर्व यानी नासिकाग्र (प्रयाग) पर होता है राशि चक्र में कुंभ राशि पर गुरुदेव बृहस्पति के परिभ्रमण पर यह अमृत योग आता है। यह भी गौर करने की बात है कि सभ्यता एवं संस्कृति के विकासमान जीवन और जगत को प्राचीन समय में ही नहीं आज के वैज्ञानिक तकनीकी समय में भी महाकुंभ से संबंधित शहरों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के व्यापार, व्यवसाय,विपणन, वाणिज्य को बल मिलता है। यहां वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी विनियम होता है। इन विराट कुंभ मेलों में शास्त्रज्ञों, ज्योतिषियों, विद्वानों, कलाकारों, कवियों का समागम सम्मान होता है, तो दूसरी ओर नाम दान द्वारा अपरिग्रह की भावना को सुंपष्टि दी जाती है। पर्यटन एवं पर्यावरण के महत्व को आत्मसात करने वाले मानव समाज को यात्रा की प्रवृत्ति, उसे एकरस जीवन से हटाकर पाप विमुक्ति तथा ग्रहचक्र एवं दुर्देव से सुरक्षा के भाव जगाता है। इस पावन - महापर्व का आकर्षण ही ऐसा है कि भारत के कोने-कोने से और तो और विश्व के अनेक देशों के लोग भी कुंभ नगरी में सिमटने लगे हैं। कुंभ महापर्व की यह पराकाष्ठा ही है की उत्तरप्रदेश की सरकार ने 12 जनवरी 2025 से आयोजित गंगा किनारे कुंभ स्थल क्षेत्र को कुंभ जिला घोषित कर दिया है । यद्यपि इनकी भाषा, वेशभूषा, रंगढंग सभी एक दूसरे से भिन्न होते हैं, परंतु इनका लक्ष्य एक होता है, मंजिल एक होती है सभी में एक ही भावना और समरसता के दर्शन किये जा सकते हैं और यह हैं अनेकता में एकता का संगम। आज का मनुष्य क्या स्त्री, पुरुष, बाल-अबाल, साधू महात्मा, धन्वान-गरीब, गृहस्थ, संन्यासी, साक्षर असाक्षर हर तरह के लोग और समुदाय, कष्टों समस्याओं की चिंता नहीं करते हुये भी अमृत कुंभ के अमृतपान के लिये सहज एवं प्रसन्नता के साथ प्रत्येक स्थिति में भी उद्यत रहते हैं, यही तो है इस महापर्व का महात्म्य।

राजेन्द्र शर्मा
कॉलम

व्यंग्य: गहरा न खोदियो कोय

मोदी जी, योगी जी, भागवत जी, आदि जी लोग गलत नहीं कहते हैं। उनके राज के बाद भी हिंदुत्व की राह आसान नहीं है। हिंदुत्व की राह में खतरे ही खतरे हैं। बल्कि उनके राज में हिंदुत्व के लिए खतरे जितने हो गए हैं, पहले कभी भी नहीं थे। सब हिंदुत्व विरोधियों के षडयंत्रों के कारण है। उनके राज के खिलाफ षडयंत्र करने के लिए सब हिंदुत्व विरोधी एक जो हो गए हैं। और जाहिर है कि हिंदुत्व विरोधी भी एक हैं, सो सेफ हैं। बेचारे हिंदुत्ववादी जी ही लोगों की सारी कोशिशों के बाद भी, अब तक एक नहीं हो पाए हैं, सो पूरी तरह से सेफ भी नहीं हो पाए हैं।

वर्ना चार सौ पार के अभिलाषी मोदी जी को, नायडू-नीतीश और शिंदे की भी बैसाखियों का मोहताज नहीं होना पड़ता। और संभल की मस्जिद का जरा सा सर्वे कराते ही, ''गहरा न खोदिए कोय'' की वैधानिक चेतावनियां आनी शुरू नहीं हो जातीं। वैधानिक चेतावनी यानी वैसी ही चेतावनी जैसी सिगरेट के एक-एक पैकेट पर और बीड़ी के हरेक बंडल पर छपी रहती है। सिर्फ शब्दों में ही नहीं, खतरे के निशान से ही नहीं, बाकायदा डराने वाली तस्वीरों के साथ चेतावनी ऽ गहरा न खोदियो कोय। अभी तो खुदाई शुरू भी नहीं हुई है। संभल में ही सर्वे पर ही झगड़ा पड़ा हुआ है। जरा-सा दंगा-फसाद क्या हो गया, पांच जानें क्या चली गयीं, सुप्रीम कोर्ट तक बीच में कूद पड़ा। सब कुछ रुकवा दिया। सर्वे की रिपोर्ट तक को सीलबंद लिफाफ़े में बंद करा दिया। खुदाई क्या खाक होगी! और अजमेर के दरगाह शरीफ के मामले में तो बेचारे विष्णु गुप्त जी सर्वे तक का आर्डर नहीं निकलवा पाए हैं। बस एक तारीख पड़ी है और तीन नोटिस जारी हुए हैं। पता नहीं, कब नौ मन तेल होगा और कब खुदाई की राधा नाचेगी!

सच पूछिए तो बेचारे हिंदुत्ववादियों की गाड़ी अब भी मस्जिदों के सर्वे के सिग्नल पर ही अटकी हुई है; काशी में भी और मथुरा में भी और धार के कमाल मौला मस्जिद-मकबरा परिसर में भी। बेचारों को अब तक खोदकर मंदिर निकालने का मौका मिला है, तो एक बाबरी मस्जिद में। हां! यहां-वहां दरगाहें वगैरह तोड़ने का मौका भी मिला है, लेकिन तोड़ने का ही। खोदकर मंदिर निकालने का मौका और कहीं भी नहीं मिला है। 1984 से हिसाब लगाएं तो, पूरे चालीस साल लगे हैं एक मस्जिद को खोदकर मंदिर निकालने में। इस हिसाब से मंदिरों पर बनी अठारह हजार मस्जिदें खोदकर मंदिर निकालने में कितने साल लगेंगे? पांच-सात लाख साल तो कहीं गए नहीं हैं। लेकिन, मस्जिद में खोदकर निकाले मंदिर, एक से दो भी नहीं हुए हैं, तब तक वैधानिक चेतावनी आनी शुरू हो गयी गहरा न खादियो कोय!

पर गहरा खोदने में खतरा क्या है? चेतावनी देने वालों की मानें तो बेशक मस्जिद खोदने में भी हजार दिक्कतें हैं। तभी तो बाबरी मस्जिद खोदकर मंदिर निकालने में ही कम से कम चालीस साल तो लग ही गए। और चालीस साल तो तब हैं, जब गिनती आरएसएस-भाजपा-विहिप-बजरंग दल के मैदान में आने से की जाए। हिंदू महासभा से गिनेंगे, तो तीस-पैंतीस साल और पीछे जाना पड़ेगा। और उनके भी पुरखों से हिसाब लगाने बैठेंगे, तो और सौ साल पीछे।

मोदी-योगी जी वगैरह के डबल इंजनिया राज में जीडीपी के बदले में मस्जिद के नीचे मंदिर खोजो, विकास की रफ्तार तेज भी हो जाए, तब भी, मस्जिदों/ मकबरों/ दरगाहों के नीचे और गिरजों/ गुरुद्वारों के नीचे भी, मंदिर खोजने में टैम तो लगेगा। फिर भी चाहे जितना भी खोद लो। चाहे काशी खोदो, चाहे मथुरा खोदो। चाहे संभल खोदो, चाहे जौनपुर खोदो। चाहे धार खोदो। चाहे अजमेर खोदो, चाहे बुंदनगिरी खोदो। चाहे ताजमहल खोदो, चाहे लाल किला खोदो। चाहे एक-एक मस्जिद/ दरगाह/ मकबरा खोदो। चाहे उत्तर में खोदो, चाहे दक्षिण में खोदो। पूरब में खोदो, चाहे पश्चिम में खोदो। पूरे देश में खोदो। बस में हो तो, अखंड भारत के दूसरे देशों में आने वाले इलाकों में भी जाकर खोदो। बहाने से खोदो। न हो तो, किसी के सपने के बहाने से खोदो। वह भी न हो तो, बिना किसी बहाने के ही खोदो। बस खोदो। न हो तो, मंदिर खोजने के लिए ही नहीं, सिर्फ खोदने के लिए ही खोदो। यह बताने के लिए खोदो कि मुसलमानों का कुछ भी खोद सकते हैं। बस हिंदुत्ववादियों के लिए, गहरा खोदना मना है!

मगर क्यों? हिंदुत्ववादियों के लिए गहरा खोदना क्यों मना है? क्योंकि मस्जिद के नीचे/ दरगाह के नीचे मंदिर निकले-न निकले, कोई नहीं कह सकता। बेशक, नहीं भी निकले, तब भी झूठ-मूठ में निकलने की अफवाह फैला सकते हैं। मांसाहारियों द्वारा फेंकी गयी हड्डियां निकलें, तब भी मंदिर का परिसर निकला बता सकते हैं। सांप की रस्सी और रस्सी का सांप बना सकते हैं। राज अपना हो, तो कुछ भी कर सकते हैं, पर और नीचे नहीं जा सकते। क्यों? क्योंकि मस्जिद के नीचे मंदिर की कोई गारंटी नहीं है, पर हर पुराने मंदिर के नीचे बौद्ध मठ निकलने की पक्की गारंटी है। खुदाई का फावड़ा ज्यादा अंदर जाएगा, तो हरेक मंदिर के नीचे बौद्ध मठ निकल आएगा। फिर हिंदुत्ववादी क्या करेंगे? बौद्ध मठ को दोबारा दबा देंगे, जैसे उनके पर-पुरखों ने कभी बौद्ध धर्म को दबाया था? वाकई खतरा है। यह मस्जिदों को खोदने से ज्यादा मुश्किल होगा। बौद्ध इस बार न बंटेंगे और न कटेंगे। गहरा खोदने में एक खतरा और है। पृथ्वी गोल है। मस्जिद के नीचे खोदा और कुछ नहीं मिला तो खुदाई कहां जाकर रुकेगी? दुनिया के दूसरे सिरे पर। हिंदुत्ववादी जिसे गहरा दबा बताएंगे, दूसरे क्या अपना हिस्सा नहीं बताएंगे। धार में खोदना शुरू करेंगे तो क्या गारंटी है कि न्यूयार्क में नहीं निकल आएंगे? विश्व गुरु किस-किस से झगड़ने जाएंगे। सो हिंदुत्ववादियों, ऊपर-ऊपर से चाहे पूरा देश खोद लेना, पर गहरा मत खोदना। जो तुम ऐसा जानते, गहराई में बौद्ध मठ होइ, जगत ढिंढोरा पीटते, गहरा न खोदियो कोय!

कैसे बढ़े चुनावों में मतदान का प्रतिशत

डॉ आर.के. सिन्हा

महाराष्ट्र और झारखंड विधान सभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकारों का गठन भी हो गया है । झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय हैः पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है; और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। लेकिन, प्रश्न यह उठता है कि क्या मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी भी मजबूत लोकतंत्र के लिये पर्याप्त है? बिल्कुल नहीं! तो फिर किया क्या जाये! पर यह तो पूरे तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को यह सोचना ही होगा कि चुनावों में मतदान को कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है, और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है। हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है। इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय था। इसके अभियान में, सोशल मीडिया सहित, स्थानीय हस्तियों - क्रिकेटरों से लेकर फिल्म सितारों तक को भी शामिल किया गया है, और इसमें ऊँची इमारतों और आवासीय सोसायटियों में मतदान केंद्र स्थापित करना और कतार में लगने के समय को कम करने के लिए टोकन प्रणाली शामिल है। राजनीतिक दलों के उच्च-वोल्टेज अभियानों ने भी मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद की है।महाराष्ट्र में बेहतर मतदान भारतीय लोकतंत्र के लिए आश्वस्त करने वाला है। यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को माने तो देश की 31 फीसद आबादी शहरों में रहती है। हालांकि गैर-सरकारी आंकड़ें शहरी आबादी कहीं अधिक होने का दावा करते हैं। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं। सारे देश के नौजवानों के सपने इन्हीं शहरों में पहुंचकर साकार होते हैं। पर नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर। जाहिर है, इस कारण से मतदाता निराश होने लगता है अपने जनप्रतिनिधियों से। उसे लगता है कि जब उसके नेता निकम्मे होंगे तो वह वोट क्यों करे। मतदाताओं को नेता बार-बार निराश करते हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों को समझना होगा कि अगर देश में मतदान केन्द्रों की तरफ फिर से मतदाताओं को बड़े पैमाने पर लाना है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। उन्हें भी जनता से सीधा संपर्क बनाकर रखना होगा। उन्हें भी जनता के मसलों को लेकर संवेदनशील बनना होगा। आपको याद ही होगा पिछले लोकसभा चुनाव के वक्त लगभग सारे में देश सूरज देवता आग उगल रहे थे। फिर भी मतदाता मतदान करने के लिए घरों से निकल रहे थे। मतदान वाले दिन कई जगहों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर था। लू भी चल रही है। इतने कठोर मौसम में चुनाव प्रचार करना और फिर मतदान करने के लिए मतदान केन्द्रों के बाहर लंबी लाइन लगाकर खड़ा होना सामान्य बात नहीं थी। इतने खराब मौसम में भी देश के लाखों-करोड़ों मतदाता घरों से निकलकर वोट तो दे ही रहे थे । यह सुखद भी है और हमारे मजबूत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत भी है। आखिर देश के जनमानस को पता है कि उनके वोट से ही देश की तकदीर लिखी जाएगी। इसलिए ही लोग वोट देकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का भरपूर इस्तेमाल करते हैं।

ज्योतिष के अनुसार वाहन का शुभ रंग जानिए

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

इसके लिए जन्मकुंडली में चतुर्थ, नवम तथा एकादश भाव से विचार किया जाता है। जन्मकुंडली में चतुर्थ भाव से वाहन का विचार किया जाता है। नवम भाव भाग्य स्थान और यात्रा का है। एकादश भाव आय, लाभ तथा ईच्छापूर्ति का है। यदि चौथे भाव का सम्बन्ध लाभ तथा यात्रा भाव से बनता है तो यह समझा जाता है कि व्यक्ति को वाहन से यात्रा करने पर लाभ की प्राप्ति होगी। यदि सम्बन्धित भाव और भावेश पर किसी अशुभ ग्रह की दृष्टि नहीं है तो जातक को वाहन से लाभ मिलेगा अत वैसे जातक को वाहन खरीदने की सलाह देना चाहिए। इसके बाद व्यक्ति यह प्रश्न करता है कि आप बताएं कि मेरे लिए वाहन किस रंग का खरीदना शुभ रहेगा।वैदिक ज्योतिष के आधार पर यह निर्णय किया जा सकता है कि किस व्यक्ति को किस रंग का वाहन खरीदना चाहिए जो शुभ हो। व्यक्ति विशेष के लिए रंग शुभ या अशुभ हो सकता है इस बात से सभी भली भांति जानते हैं।

यदि आपको यह लगता है की यह गाडी मेरे लिए शुभ नहीं है जब से यह वाहन घर में आया है कोई न कोई परेशानी लगी ही रहती रही है तो घबराने की जरूरत नहीं है आपको बस यह करना है की किसी ज्योतिषी के परामर्श से अपनी राशि के अनुसार शुभ मुहूर्त, रंग तथा नंबर का चुनाव करके गाडी /वाहन/व्हीकल खरीद ले इसका परिणाम आपको अवश्य ही शुभ मिलेगा । राशि के आधार पर गाड़ी/ वाहन के रंग का निर्धारण।

मेष तथा वृश्चिक राशि--मेष राशि का स्वामी मंगल देव है। मंगल देव लाल रंग का प्रतिनिधित्व करते है अतः आपको लाल रंग का गाडी खरीदना चाहिए। इसके अतिरिक्त आप सफ़ेद,नारंगी पीला या महरून रंग का वाहन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

वृषभ तथा तुला राशि--वृषभ राशि का स्वामी शुक्र देव है। शुक्र ग्रह का रंग सफ़ेद, क्रीम तथा सिल्वर है अतः आपको इन्ही रंग का वाहन खरीदना चाहिए।

मिथुन तथा कन्या राशि==मिथुन राशि का स्वामी ग्रह बुध है और बुध हरे रंग का प्रतिनिधित्व करता है अतः आपको हरा रंग का वाहन खरीदना चाहिए। परन्तु सामान्यतः हरा रंग का वाहन कम ही मिलता है अतः इसके स्थान पर आप काले रंग का भी वाहन ले सकते है।

कर्क राशि==कर्क राशि का स्वामी चंद्रमा है इसलिए इस राशि वालों के लिए सफ़ेद, सिल्वर या क्रीम रंग का गाड़ी / व्हिकल खरीदना फायदेमंद रहेगा।

सिंह राशि==सिंह राशि का स्वामी सूर्य है अतः इस राशि वाले जातक नारंगी, सफ़ेद, लाल,पीला, महरून या चॉकलेटी रंग का वाहन खरीदना फायदेमंद रहेगा।

धनु तथा मीन राशि==धनु तथा मीन राशि का स्वामी ग्रह गुरु/वृहस्पति देव है। इस राशि वाले को पीला, क्रीम, सफ़ेद या लाल रंग का वाहन खरीदना चाहिए।

मकर तथा कुम्भ राशि --मकर तथा कुम्भ राशि के स्वामी ग्रह शनि देव है। इस राशि वालों के लिए काली , बैंगनी, नीला, सिल्वर तथा भूरे रंग के वाहन खरीदना चाहिए।

''ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, वैदिक अनुष्ठान व समस्त धार्मिक कार्यो के लिए संपर्क करें: - श्री रामकृष्ण ज्योतिष केन्द्र श्रीरामकृष्णज्योतिष अनुष्ठान केन्द्र संपर्क सूत्रः- 7389695052,8085152180

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक के.सी. विश्नोई द्वारा के.सी. प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनीनगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर 9/5 डालीबाग कालोनी लखनऊ से प्रकाशित
सम्पादकः के.सी. विश्नोई Mob. 9415006460 RNI NO. UPHIN/2010/35142 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरों/पीआरबी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। (समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों और समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी)

संक्षिप्त खबरें

गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन किया गया

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु बनारस-प्रयागराज जं. दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत झूंसी-प्रयागराज रामबाग खंड के मध्य पैच डबलिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में नान इंटरलाक कार्य के कारण ब्लाक दिये जाने तथा रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत रहेगा। निरस्तीकरण-जयनगर से 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 11062 जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। मऊ से 09 एवं 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 05137 मऊ-प्रयागराज रामबाग मेमू विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। प्रयागराज रामबाग से 09 एवं 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 05138 प्रयागराज रामबाग-मऊ मेमू विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। मार्ग परिवर्तन-सीतामढ़ी से 09 एवं 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.-माधोसिंह-प्रयागराज जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाराणसी जं.-जंघई-प्रयागराज जं. के रास्ते चलाई जायेगी। गोरखपुर से 09 एवं 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 01028 गोरखपुर-दादर विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.-माधोसिंह-प्रयागराज जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-जौनपुर-वाराणसी जं.-प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलाई जायेगी। दादर से 09 एवं 10 दिसम्बर, 2024 को चलने वाली 01027 दादर-गोरखपुर विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग प्रयागराज छिवकी-वाराणसी जं.-जौनपुर-औंड़िहार के रास्ते चलाई जायेगी।

पीएम-सीएम खेल को दे रहें बढ़ावा: जगदंबिका पाल बोले- शिक्षा के साथ खेल जरुरी

सिद्धार्थनगर। मुख्यालय स्थित स्टेडियम में रविवार को 32वें जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा एवं शैक्षिक समारोह का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस समारोह का उद्घाटन स्थानीय सांसद जगदंबिका पाल ने बैलून और कबूतर उड़ाकर किया। इस दौरान विधायक श्याम धनी राही भी विशेष रूप से मौजूद रहे। समारोह में जिले की पांचों तहसीलों के प्राथमिक विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस आयोजन में दौड़, खो-खो, कबड्डी, जैवलिन थ्रो सहित एक दर्जन से अधिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। तहसील स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का चयन जनपद स्तर पर किया जाएगा, जो आगे मंडल और प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा के साथ-साथ खेल को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर अवसर देने के लिए आयोजित की जा रही हैं। जगदंबिका पाल ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाने का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन स्टेडियमों से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी और देश-विदेश में नाम रोशन करेंगी।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग:राम आशीष की पुण्यतिथि पर शिक्षकों ने किया नमन

सिद्धार्थनगर। बीआरसी डुमरियागंज में रविवार को पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के दौरान शहीद हुए डॉ. राम आशीष सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीईओ संजय कुमार और शिक्षक संगठन से जुड़े कई लोग शामिल हुए। डॉ. राम आशीष सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के दौरान अटेवा के जिला उपाध्यक्ष राकेश वर्मा ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि 2016 में लखनऊ में पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के लाठीचार्ज में घायल होने से उनकी मृत्यु हो गई थी। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर इस दिन को ओपीएस (पुरानी पेंशन स्कीम) संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। ब्लॉक अध्यक्ष अमृतलाल ने कहा कि जब तक सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने शिक्षकों के संघर्ष और बलिदान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

17 लाख के 85 मोबाइल बरामद:फरवरी से अब तक 1005 मोबाइल हो चुके बरामद

आजमगढ़। जले की पुलिस ने खोए हुए मोबाइल को रिकवर करने का अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान के तहत खोए हुए मोबाइल धारकों द्वारा सी ई आई आर पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जाती है जिसके बाद सीसीटीएनएस प्रभारी आजमगढ़ को इन मोबाइल को रिकवर करने का निर्देश दिया जाता है। इसी क्रम में यह बरामदगी कराई जाती हैं। जिले के पूर्व पुलिस कप्तान रहे अनुराग आर्य ने फरवरी 2024 से इस अभियान का शुभारंभ किया था। फरवरी माह से अब तक को 1005 मोबाइल रिकवर किए जा चुके हैं जिनकी कीमत 1 करोड़ 66 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। इस बारे में जिले की एसपी ग्रामीण चिराग जैन का कहना है कि अभियान लगातार चलता रहेगा।

तोहफा ▷ रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास तथा बढ़नी रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित कोचिंग डिपो का लोकार्पण फलक अनावरण

मोदी के कार्यकाल में रेलवे में जाग्रत हुई नई ऊर्जा

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। माननीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री रवनीत सिंह ने माननीय सांसद जगदम्बिका पाल, विधायक विनय वर्मा, माननीय विधायक श्यामधनी राही, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में 08 दिसम्बर, 2024 को सिद्धार्थनगर-चिल्हिया स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-58 (भीमापार) पर रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास तथा बढ़नी रेलवे स्टेशन पर स्थित नवनिर्मित कोचिंग डिपो का लोकार्पण फलक अनावरण कर किया।

भीमापार में समपार संख्या-58 पर रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास करने के पश्चात जनसभा को सम्बोधित करते हुये माननीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भारतीय रेल के कायाकल्प का श्रेय जाता है। उनके कार्यकाल के परिवर्तनकारी दशक में भारतीय रेल में एक नई ऊर्जा जाग्रत हुई है। रवनीत सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश में बढ़ते रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में पिछले एक दशक में एक बड़ा परिवर्तन आया है। उत्तर प्रदेश में नई लाइनों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिये आवश्यकतानुसार बजट का आवंटन किया जा रहा है। संरक्षा की दृष्टि से आटोमेटिक सिगनलिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से किया जा रहा है। आर.ओ.बी./आर.यू.बी. का निर्माण कार्य करने के साथ ही स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं यातायात सुविधाओं के विकास एवं विस्तार का कार्य चल रहा है। इसके पूर्व, माननीय सांसद श्री जगदम्बिका पाल ने कहा कि सिद्धार्थनगर-चिल्हिया स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-58 पर रोड अंडर ब्रिज के निर्माण होने के पश्चात भीमापार तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिये सड़क यातायात सुगम हो जायेगा। बढ़नी स्टेशन पर कोचिंग डिपो का लोकार्पण करने के पश्चात जनसभा को सम्बोधित करते हुये माननीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि बढ़नी रेलवे स्टेशन पर स्थित संचालित ट्रेनों के रखरखाव व साफ-सफाई हेतु नवनिर्मित कोचिंग डिपो को तैयार किया गया है।

उन्होने कहा कि इस नवनिर्मित कोचिंग डिपो में वाशिंग पिट, ड्रेनेज सिस्टम, प्रशासनिक भवन, अनुरक्षण भवन आदि का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही 24 यूनिट स्टाफ क्वार्टर का भी निर्माण किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पूर्वोत्तर रेलवे पर बढ़ता रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर रेल यात्रियों एवं रेल उपभोक्ताओं के लिये बहुत लाभदायी होगा। उन्होने बढ़नी स्टेशन पर कोचिंग डिपो के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये सभी अधिकारियों, इंजीनियरों एवं कर्मचारियों को इसके लिये बधाई दी। इसके पूर्व, बढ़नी में आयोजित कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री जगदम्बिका पाल ने कहा कि बढ़नी रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित कोचिंग डिपो के निर्माण से ट्रेनों की साफ-सफाई एवं अनुरक्षण कार्य में तेजी आयेगी तथा यात्रियों को और भी बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने जनआकांक्षाओं के मद्देनजर रेल विषयक मांगों की ओर रेल राज्य मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने सिद्धार्थ नगर रेलवे स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार बनाने की मांग की।

यात्री प्रधान रेलवे होने के कारण पूर्वोत्तर रेलवे उत्तर प्रदेश के लोगों को विश्वसनीय परिवहन सुविधा उपलब्ध करा रहा है। श्री पाल ने कहा कि भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित बढ़नी स्टेशन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों तथा नेपाल वासियों को ट्रेन द्वारा एक विश्वसनीय यातायात का साधन उपलब्ध कराता है। इन समारोहों में वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी, मीडियाकर्मी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी।

गोरखनाथ मंदिर पहुंचे रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह: किया दर्शन-पूजन

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह रविवार को गोरखपुर पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन किया। रेल राज्य मंत्री ने गोरखनाथ मंदिर को नाथ परंपरा का महाकुंभ बताते हुए इसे धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बताया। मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री रवनीत सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा सीएम योगी ने नाथ परंपरा को न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर फैलाने का कार्य किया है। उनके प्रयासों ने इस परंपरा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। रवनीत सिंह ने धार्मिक स्थलों के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने ननकाना साहब के दर्शन को सरल बनाने की योजनाओं का भी जिक्र किया और कहा, यह कदम धार्मिक सद्भाव को मजबूत करेगा और पर्यटन को नई दिशा देगा। गोरखनाथ मंदिर में दर्शन के बाद मंत्री ने कहा, नाथपंथ की सर्वोच्च पीठ आकर मैं धन्य महसूस कर रहा हूं। यहां से मुझे देशवासियों की सेवा के लिए नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने वैदिक विधियों के साथ गुरु गोरखनाथ का दर्शन और पूजन किया और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में धार्मिक सद्भाव के प्रतीक के रूप में सिख और नाथ परंपरा के आपसी संबंधों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गुरु परंपरा और सिख धर्म के मर्मज्ञ के रूप में उल्लेखित करते हुए कहा, ल्लयोगी जी का आशीर्वाद मुझे हमेशा प्रेरित करता है। गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने मंत्री का स्वागत किया। दर्शन-पूजन के बाद रवनीत सिंह ने परंपरागत प्रसाद ग्रहण किया और सिद्धार्थनगर के विभागीय लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।

मरीजों की इंटेंसिव केयर में भी मददगार बनेगा एआई

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखभाल के लिए इस बार बेहद हाईटेक इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप स्वस्थ महाकुम्भ और डिजिटल महाकुम्भ के सपने को साकार करने के लिए इस बार कई क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीसेंज (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में मेला क्षेत्र में बन रहे अस्पतालों के आईसीयू में भी पहली बार हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह एआई मैसेजंग फ्लो सिस्टम देश या विदेश के किसी भी कोने से आने वाले रोगी की बात समझकर डॉक्टर को समझा सकता है। यही नहीं, इसके अलावा आईसीयू में भर्ती किसी मरीज की हालत खराब होने की स्थिति में यह तत्काल डॉक्टर्स को अलर्ट भेजकर चिकित्सा इंतजाम सुनिश्चित करने की सुविधा प्रदान करेगा। महाकुम्भ में इस तरह की टेक्नोलॉजी का पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है, जो सीएम योगी के डिजिटल और स्वस्थ महाकुम्भ के विजन के अनुरूप है। महाकुम्भ में करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं की आमद को लेकर मेला क्षेत्र में युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

कुंभ के लिए रिंग रेल सेवा शुरू होगी: अश्विनी वैष्णव

खरी कसौटी ब्यूरो

वाराणसी पहुंचे रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव: बोले- डिटेल व्यवस्था रहेगी

वाराणसी। कुंभ को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार एक्टिव मोड में है। केंद्र सरकार ने विशेष अनुदान भी प्रदेश में किया है ताकि श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो और उन्हें सभी सुविधाएं मिले। ऐसे में रेल सुविधाओं की जांच के लिए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव रविवार को वाराणसी पहुंचे। वो बाबतपुर एयरपोर्ट से सीधे बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां रेलवे के कई संगठनों ने उनका स्वागत किया।

रेल मंत्री ने कहा- इस बार अयोध्या और प्रयागराज से एक रिंग रेल की व्यवस्था की गई है। चार रिंग रेल चलेंगी। इसके अलावा बड़े-बड़े होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं ताकि वहां यात्री रुक सकें और ट्रेन आने पर जा सकें। करीब 13000 सर्विसेज टोटल कुंभ के 45 दिनों में रेलवे की चलेगी। उन्होंने कहा- इस बार आशा कर रहे हैं। चार बड़े स्नान वाले दिन पूरे देश से श्रद्धालु आएंगे तो उनके लिए जो व्यवस्था है। पूरी तरह से एक डिटेल व्यवस्था की गयी है। रेल मंत्री ने कहा- पवित्र कुंभ हमारी संस्कृति की बहुत बड़ी धरोहर है। ये हमारी संस्कृति का महापर्व है। इसके लिए रेलवे की तरफ से विस्तृत तैयारी की गयी है। उस तैयारी का आज पूरा जायजा लेंगे। इसको लेकर तैयारी चल रही है। इसमें कई नए ब्रिज, कई वोटिंग एरिया, कई होल्डिंग एरिया कई डबलिंग के काम, स्टेशन रीडेवलपमेन्ट के काम यार्ड के काम कम्प्लीट हुए हैं। बनारस स्टेशन से रेल मंत्री प्रयागराज के लिए निकले। इस दौरान विंडो ट्रेलिंग के जरिए व्यवस्थाएं परखीं। झूसी पुल का भी निरीक्षण करेंगे। रेल मंत्री के आगमन के पहले शनिवार की देर रात रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार वाराणसी जंक्शन विशेष ट्रेन से पहुंचे। यहां उनका अधिकारियों ने स्वागत किया। उन्होंने रात में ही वाराणसी जंक्शन का निरीक्षण किया और कई निर्देश अधिकारियों को दिए। जिसपर रात में ही काम होता रहा। केंद्रीय रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने इस दौरान मीडिया को अगले क्रम में स्टेशन रिडेवलपमेंट के अंतर्गत बातों की भी जानकारी दी।

महाकुम्भ में होगी आंखों की जांच, घर के पास करा सकेंगे ऑपरेशन

खरी कसौटी ब्यूरो

देश भर के 150 अस्पतालों से ऑपरेशन के लिए किया करार, 50 हजार मरीजों को आंखों के ऑपरेशन हेतु नेत्र कुम्भ से वितरित किया जा सकेगा रेफरल कार्ड

महाकुम्भनगर। तीर्थराज प्रयागराज में संगम के पावन तट पर 13 जनवरी 2025 से शुरू हो रहे दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ में करोड़ों लोग आस्था की डुबकी लगाने के लिए जुटने वाले हैं। योगी सरकार की ओर से इन श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में महाकुम्भ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के नेत्रों (आंखों) के स्वास्थ्य को लेकर भी यहां नेत्र कुम्भ की स्थापना की जा रही है।

9 एकड़ में बन रहे इस नेत्र कुम्भ में पहली बार एक साथ 5 लाख से ज्यादा लोगों की आंखों की जांच और 3 लाख चश्मों के वितरण का दावा किया जा रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि यहां जांच कराने वाले ऐसे नेत्र रोगियों को जिन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता है, उन्हें उनके घर के पास स्थित नेत्र चिकित्सालय में निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए नेत्र कुम्भ की ओर से देश भर के 150 से ज्यादा अस्पतालों के साथ करार किया गया है। यानी रोगी अपनी आंखों की जांच महाकुम्भ में आकर कराएंगे और ऑपरेशन अपने घर जाकर।

नेत्र कुम्भ की आयोजन कमेटी के अध्यक्ष कवींद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस महाकुम्भ में पहली बार ये व्यवस्था की जा रही है कि डॉक्टर्स जिस मरीज को भी ऑपरेशन के लिए रेफर करेंगे, वह अपने जिले या घर के करीब स्थित अस्पताल में जब चाहे ऑपरेशन करा सकता है। ऐसे मरीजों को डॉक्टर निरीक्षण के बाद एक एक रेफरल कार्ड देंगे, जिसकी एक कॉपी संबंधित अस्पताल को जाएगी और दूसरी कॉपी नेत्र कुम्भ की आयोजक संस्था 'सक्षम' के कार्यकर्ता को जाएगी। इसके बाद सक्षम कार्यकर्ता या मरीज कोऑर्डिनेट करके अपने रहने के स्थान पर सुविधानुसार निशुल्क ऑपरेशन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि मरीजों के ऑपरेशन के लिए देश भर के 150 छोटे-बड़े अस्पतालों को इम्पैनल किया गया है। संबंधित मरीज मेले के दौरान या मेले के बाद भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अनुमान है कि नेत्र कुम्भ से 50 हजार लोगों को ऑपरेशन कार्ड प्रदान किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसमें देश भर से करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं।

उनकी सुविधा को देखते हुए इस नेत्र चिकित्सा महायज्ञ का नेत्र कुम्भ के रूप में आयोजन किया जा रहा है। इस नेत्र कुम्भ में भारतीय सेना के डॉक्टर भी अपनी सेवाएं निःशुल्क देंगे। यहां आने वाले मरीजों को निशुल्क निरीक्षण के साथ ही निशुल्क दवाएं और निशुल्क जलपान की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि नेत्र कुम्भ का आयोजन पहली बार 2019 में किया गया था। तब से लेकर अब इसके स्केल में दोगुना से अधिक वृद्धि हो चुकी है। 2019 कुम्भ के दौरान 1.5 लाख लोगों को चश्मा और 3 लाख लोगों की जांच के साथ हमने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान बनाया था। इस बार यह नेत्र कुम्भ पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ने जा रहा है। संख्या की दृष्टि से यह भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी किसी आयोजन में नेत्र रोगियों की जांच और चश्मा वितरण का सबसे बड़ा रिकॉर्ड होगा। इस आयोजन में हमारी सहयोगी संस्थाओं के साथ ही मेला प्रशासन की ओर से भी योगदान दिया जा रहा है। नेत्र कुम्भ की मीडिया को-ऑर्डिनेटर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने बताया कि इस नेत्र कुम्भ का आयोजन सेक्टर 6 में स्थित नागवासुकि मंदिर के सामने मेला क्षेत्र में होने जा रहा है। इसका उद्देश्य जागरूकता के अभाव में बड़ी संख्या में आंखों की रोशनी खोने वालों की मदद करना है।

नेत्र कुम्भ 12 जनवरी से मेला क्षेत्र में शुरू होगा, जो 26 फरवरी तक प्रतिदिन (प्रमुख स्नान पर्व को छोड़कर) चलता रहेगा। इसमें नेत्र संबंधित समस्याओं से ग्रसित लोग आ सकते हैं और यहां पूरी व्यवस्था निशुल्क रहेगी। करीब 150 डॉक्टर्स बाहर से आकर यहां पर अपनी सेवाएं देंगे, जबकि करीब 400 डॉक्टर्स यहां 45 दिन तक उपस्थित होंगे। इनमें प्रति दिन 40 डॉक्टर्स ओपीडी का हिस्सा बनेंगे। वहीं 500 से ज्यादा ऑप्टोमेट्रिस्ट रहेंगे, जिनमें 100 प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर प्रतिदिन 200 डॉक्टर्स, ऑप्टोमेट्रिस्ट और अन्य वालंटियर्स नेत्र रोगियों की सेवा में मौजूद रहेंगे। नेत्र ओपीडी सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगी, जिसे बढ़ाकर शाम 4 बजे तक किया जा सकता है।

बांग्लादेशियों का आधार कार्ड चेक करो, फिर काम से निकालो: देवकीनंदन

खरी कसौटी ब्यूरो

वाराणसी। कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने बांग्लादेश हिंसा मामले में यूनाइटेड नेशन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के नाम से लेटर लिखकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और लगातार महिलाओं के साथ हो रही बर्बरता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं, वाराणसी में अपने कथा के अंतिम दिन उन्होंने सभी काशीवासियों से अपील की है कि बांग्लादेशियों का आधार कार्ड चेक करके उन्हें अपने काम से हटाना शुरू कर दीजिए।

व्यास गद्दी से देवकीनंदन ठाकुर ने कहा- जितने लोग मेरी बात को सुन रहे हैं आज से वह एक काम शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि अगर आप सभी सच्चे सनातनी हैं तो बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर हमले का आपको दुख होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज से ही आप लोग अपने आसपास चेक करो कि कोई बांग्लादेशी आपके साथ काम तो नहीं कर रहा है, और अगर कोई काम कर रहा है तो उसे तुरंत अपने घर से कम से निकाल दो। उन्होंने कहा कि मैं यह आप सभी से अपील कर रहा हूं कि आप खुलकर इस बात का विरोध करिए।

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि वह हमारी मां बहन बेटियों का इज्जत लूटा जा रहा और हमने उन लोगों को काम दे रहे हैं। इसे खत्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विश्व में जितना सहोगे उतना जुल्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब आप बदला लेना शुरू करेंगे तो यह लोग वापस चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अभियान चलाना चाहिए और बांग्लादेश के किसी भी सामान को भी नहीं खरीदना चाहिए। उन्होंने

कहा कि आधार कार्ड चेक करो और नो-बांग्लादेशी का अभियान चलाओ। देवकीनंदन ने कहा - जब बात अपने धर्म और सम्मान पर आए तो अपना स्वार्थ छोड़कर अपने देश और धर्म के साथ खड़े हो जाने में ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा होती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हमारे बहन बेटियों के साथ अपमान हो और हम यहां उनको काम दें तो यह हिंदुओं के साथ गद्दारी होगी। उन्होंने कहा कि अगर 6 महीने हमने यहां अभियान चलाया तो बांग्लादेश घुटने पर आ जाएगा। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से सभी हिंदू इस अभियान को शुरू कर दें। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा - हिंदू समाज को सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए सनातन बोर्ड, वर्तमान की सबसे बड़ी जरूरत है। संपूर्ण भारत के धर्माचार्य एक स्वर में सनातन बोर्ड की मांग उठा रहे हैं।

इस प्रश्न पर सभी धर्माचार्य एकमत और सहमत हैं। धर्माचार्यों के इस अभियान को आम जनमानस का प्रचंड समर्थन मिल रहा है। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कथा के अंतिम दिन कहा कि सनातन बोर्ड के गठन के लिए काशी के संतों का आशीर्वाद मिला है। मैं यहां के सभी विद्वानों से भी यह निवेदन करूंगा कि वह सब हमें आशीर्वाद दें। हमारा साथ दें कि हम सनातनी बोर्ड को बनाने में सफल हों।

संक्षिप्त खबरें

स्कूलों में पुलिस ने लगवाई शिकायत पेटिकाएं: मिशन शक्ति फेज-5 के तहत प्रतापगढ़ पुलिस की नई पहल

प्रतापगढ़। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिशन शक्ति फ़ेज-5 के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने एक नई पहल की है। थाना जेठवारा की पुलिस टीम ने स्कूल प्रबंधन के सहयोग से विद्यालय परिसरों में शिकायत पेटिका लगवाई है, जिससे छात्राएं अपनी शिकायतें गोपनीय रूप से दर्ज करा सकेंगी। इस अभियान की देखरेख पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने शिकायत पेटिकाओं को नियमित रूप से जांचने के निर्देश दिए हैं। जेठवारा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा वर्मा ने सिटी पब्लिक स्कूल, डेरवा में शिकायत पेटिका लगवाई। इस कदम का उद्देश्य यह है कि छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और वे बिना किसी डर के अपनी शिक्षा जारी रख सकें। इस पेटिका के माध्यम से छात्राएं गोपनीय रूप से शिकायत दर्ज कर सकेंगी, जिसे पुलिस और एंटी-रोमियो टीम द्वारा नियमित रूप से चेक किया जाएगा। शिकायत पेटिका की सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखने के लिए पुलिस ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शिकायत पत्रों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, और शिकायतकर्ता की पहचान को पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। अब छात्राओं को अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए थाने या चौकी जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उनके स्कूल-कॉलेज में ही शिकायत पेटिका उपलब्ध कराई गई है। इस पेटिका में न केवल मनचलों के खिलाफ बल्कि उत्पीड़न करने वाले शिक्षकों के खिलाफ भी शिकायत की जा सकती है। शिकायत पेटिका की चाबी पुलिस के पास रहेगी, ताकि गोपनीयता बनी रहे। थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह के अनुसार, थाना जेठवारा क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक स्कूलों और कॉलेजों में शिकायत पेटिकाएं लगाई जा चुकी हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत जिलेभर में यह पहल जारी है, जिससे बालिकाओं को एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। पुलिस का यह प्रयास समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

क्षय रोग के चिन्हीकरण का शुरू हुआ अभियान: विटामिन ए की दी गई खुराक, सौ दिनों तक चलेगा अभियान

प्रतापगढ़। लालगंज और संग्रामगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में रविवार को एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के लक्षणों की पहचान करना और शून्य से पांच वर्ष की आयु के बच्चों को विटामिन ए की खुराक देना था। सीएचसी के अधीक्षक डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि क्षय रोग के प्रभाव को कम करने के लिए सौ दिनों का विशेष चिन्हीकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत टीबी के रोगियों को जागरूक किया जाएगा और नियमित जांच की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि इस रोग का समय रहते उपचार किया जा सके। अभियान के दौरान, शून्य से पांच वर्ष की आयु के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई। इस अभियान की अध्यक्षता डीसीपीएम अनिल जायसवाल और बीपीएम पी.पी. तिवारी ने की। इस दौरान संग्रामगढ़ के प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर टीबी और स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश दिए। इस अवसर पर डॉ. संतोष, डॉ. अफरोज, पवन, अखिलेश, दुर्गेश समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। लालगंज सीएचसी में भी इस अभियान के तहत क्षय रोग के लक्षणों की पहचान और बच्चों को विटामिन ए की खुराक देने की प्रक्रिया शुरू की गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अरविंद गुप्ता ने बताया कि यह अभियान सौ दिनों तक चलेगा, जिसमें बच्चों और समुदाय के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर इन प्रयासों को कल्याणकारी बताया।

नाले में मिली स्कूटी सवार युवक की लाश

गोरखपुर। एक स्कूटी सवार युवक की नाले में गिरकर मौत हो गई। वे अपने घर लौट रहा था। सुबह टहलने निकले लोगों ने झंगहा थाने के पास स्थित नाले में स्कूटी सहित युवक की लाश नाले में तैरती देखी। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो उसकी पहचान विकास तिवारी उर्फ गोलू के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विकास तिवारी बीते दिन शहर में थे और रात 8-9 बजे के बीच अपने छोटे भाई से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि वे घर लौट रहे हैं और पूछा कि अगर कुछ खाने की जरूरत हो तो ले आएं। छोटे भाई ने मना कर दिया। इसके बाद से विकास का कुछ पता नहीं चला। सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने झंगहा-बरही सड़क के पास नाले में स्कूटी और शव देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। शव की पहचान विकास तिवारी उर्फ गोलू तिवारी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि रात में स्कूटी चलाते समय विकास का सं

जिला व नगर निगम प्रशासन के खिलाफ धरने पर सपा जिलाध्यक्ष के साथ बैठे सपाई

(खरी कसौटी संवाद)

शाहजहांपुर। महानगर शाहजहांपुर के बरेली मोड़ अजीजगंज चौकी के पास फुटपाथ के किनारे पर फल का ठेला लगाकर अपने परिवार वालों का पालन पोषण करते थे जिससे उनके परिवार का गुजारा हो रहा था। नगर निगम प्रशासन व जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के माध्यम से पुलिस बल द्वारा 5 दिन पहले लगभग 15 ठेले वालों को हटा दिया गया जिससे उनकी रोजी-रोटी चली गई और वो लोग बेरोजगार हो गए। इसी संबंध में सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खां ने बरेली मोड़ मौके पर पहुंचकर नगर आयुक्त विपिन मिश्रा से वार्ता करी तभी उन्होंने कहा ऑफिस में समाधान बाद में कराया जाएगा।तभी सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन श्री तनवीर खान ने कहा कि इन गरीब लोगों का आज ही समाधान कराया जाए तभी सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खान अपने पार्टी के लोगों व ठेले वालों के साथ सड़क पर बैठ गए और धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी शुरू कर दी। तभी मौके पर नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंदर कुमार व सी.ओ सिटी पंकज पंथ पहुंचे उन्होंने सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खां की नगर आयुक्त विपिन मिश्रा से वार्ता कराई तभी उन्होंने सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां को आश्वासन दिया कि कल ठेले वालों का हर हाल में समाधान करा दिया जाएगा और उनके फल के ठेले लगवा दिए जाएंगे तभी सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खां ने धरना खत्म किया। इस मौके पर सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, सपा युवज़न सभा के राष्ट्रीय सचिव पार्थ यादव, सपा लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष उत्पल यादव, मोहम्मद हाशिम, असलम खान,इमरान खान, शाहनवाज जिलानी, अतुल मौर्य, सचिन भोजवाल,राजू,अंकित सक्सेना,हुसैन शेर, राजू, अनिल भोजवाल, दिनेश कुमार, राजीव सक्सेना,नितिन वर्मा, आरिफ खान, अमरपाल, राजपाल, निखिल, संतोष पाल आदि मौजूद रहे।

हॉलीवुड के सितारों ने अयोध्या में बांधा समां

खरी कसौटी संवाद

अयोध्या। देश दुनिया के फिल्मी जगत के सितारों ने 'अयोध्या फिल्म फ़ेस्टिवल' के 18 वें संस्करण में अवध की शाम में मानो चार चांद लगाए तो दर्शकों ने भी फिल्म के पीछे की मेहनत को करीब से समझा। फिल्म फ़ेस्टिवल के दूसरे दिन गुरुनानक अकादमी इंटर कालेज सभागार में तीसरे सत्र में दर्शकों ने देश दुनिया से आए कलाकार और निर्देशकों से साक्षात्कार किया और फिल्मों के पीछे की दुनिया से भी अवगत हुए।

प्रथम सत्र में फिल्म वर्कशॉप के दौरान फिल्म मेकिंग सत्र में फिल्मों के बेसिक निर्माण आदि के बारे में विशेषज्ञों ने मंच से दर्शकों को अवगत कराया। स्विटजरलैंड के फिल्म निर्माता निर्देशक और अभिनेता उवे श्वार्जवेल्डर ने विदेश में फिल्म निर्माण की बारीकियों को सिखाया। पेरिस के निर्देशक जेरेमी ब्रुनेल और इटली के आंद्रिया फोर्टिस और डा. मोहन दास ने भी फिल्म निर्माण और चुनौतियों और तकनीकी पक्ष पर सत्र के दौरान चर्चा की। दूसरे सत्र में पुस्तक परिचर्चा रही जिसमें सूर्य प्रताप राय रेपल्ली की काव्य संग्रह 'झील सी आंखों में' का विमोचन हुआ तो वहीं अभिषेक शर्मा की कहानी संग्रह 'इश्क के अस्सी घाट' पर काशी की कहानियों ने चर्चा बटोरी। इस सत्र में लेखकों से संवाद के जरिए साहित्य और सिनेमा के संबंधों की रूपरेखा को स्पष्ट किया गया। वहीं कबीर मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी।

तीसरे सत्र में फिल्मों का सिलसिलेवार प्रदर्शन और फिल्म मेकर्स से बातचीत का रहा। इस दौरान बेटर टुमारो, माई नेशनल फ्लैग, द स्प्रिचुअलाइजेशन ऑफ जेफ बॉयड, थर्सडे स्पेशल, मझधार, ब्रॉन्जड, एमेच्योर, खड्डा, द लाइम ग्रीन शर्ट, बाहुबली : क्राउन ऑफ ब्लड, लोटस, डिलीवरी ब्वॉय आदि फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। आयोजन के तीसरे दिन सुबह 10 बजे से कायाः द मिशन ऑफ लाइफ, फ्रेंड बुक, श्री मुंबई ना समाचार : 200 नॉट आउट, बयाकेगालू बेरूरीडागा, अमर आज मरेगा, मैया, अमेंटेलियो, कोर्डोवेरो 22 एमएनडी : माइंड नेवर डाइज, इनसाइड फोरबिडेन वॉल्सऽएंपरर डाओगुआंग, डेट नाइट आदि फिल्मों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही फिल्मों के लिए अवार्ड सेरेमनी के आयोजन के साथ अगले साल फिर फिल्मों का मेला सजाने के वादे के साथ विराम पाएगा। उवे श्वार्जवेल्डर का अयोध्या के बाद जयपुर होते हुए ढाका जाने का प्रोग्राम था मगर वहां के हालात से चिंतित हैं। वहां जाकर फिल्मों की संभावनाओं पर काम करना था मगर हालात में सुधार नहीं हुआ तो दौरा रद करने पर भी विचार कर रहे हैं। टीवी सीरीज डिस्कवरी ऑफ इंडिया, इंतजार, फिल्म स्कैंडल के बाद कई नई वेब सीरीज से जुड़े संजीव वीरमानी ने बताया कि फिल्म फ़ेस्टिवल के मंच पर आना काफी सुखद रहा है। 18 साल पुराने आयोजन के माध्यम से सीधे दर्शकों से जुड़ाव एक बेहतर मंच देता है। सरकारी सहयोग मिले तो आयोजन का फलक और भी बड़ा हो सकता है। साधन सरकारी हो जाए तो उपलब्धि बड़ी हो सकती है। अयोध्या अपने आप में बड़ा शहर है। यह ऐसा इवेंट होगा कि दर्शक पर्यटक सब इसे अटेंड करे। शहर के लिए चार चांद लगाने वाली बात होगी। अयोध्या में संभावनाएं और फ्लेवर दोनो हैं। बडी बात है कि यहां प्रदूषण नहीं है। लोगों में मिठास है। बाहर के लोगों को अपनाते हैं।

'ए लाइफ इन टेंडम' डॉक्यूमेंट्री फिल्म देव मुखर्जी की है। फिल्म पंजाब से लेकर विदेशों तक के कोरोना काल के दौरान के हालातों में कैंसर जैसे विषयों को लेकर पड़ताल करती है। लंदन से बीजिंग तक साइकिल से कैंसर अवेयरनेस पर बनी फिल्म भी प्रदर्शित हुई। कोरोना के समय फिल्म बनाने के दौरान अपने विदेशी मित्र लंदन के ग्रेन फिलशॉप के साथ होने और जगह जगह कोरोना जांच की दुशारियों से भी वह गुजरे थे। अमृतसर से वाराणसी तक साइकिल यात्रा और चीन से जर्मनी की शूटिंग के बाद फिल्म बेहतर बनी और दर्शकों के समक्ष इस मंच से साझा हुई। अयोध्या की छिपी परिस्थितियां सिनेमा का हिस्सा हो सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के तहत 40वीं जनपदीय शैक्षिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता समापन समारोह

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फ़ेज-5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा गाधी स्टेडियम, पीलीभीत में 40वीं जनपदीय शैक्षिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सम्मलित विभिन्न स्कूलों के छात्राओं/बालिकाओं को पॉक्सो एक्ट, गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा, साइबर अपराधों/साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि के बारे में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनायें एवं हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 के विषय में जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। सभी विजेता खिलाड़ियों व शिक्षकों का उत्साह वर्धन किया गया।

सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने मुफ़्त मेडिकल कैंप का फीता काटकर किया शुभारंभः 235 मरीजों का चेकअप, इलाज

शाहजहांपुर। हुसैनी हेल्प वेलफ़ेयर सोसाइटी की ओर से रविवार को जलाल नगर में गदियाना चुंगी के पास डॉक्टर आलिया शुऐब क्लीनिक पर निशुल्क स्वास्थ्य कैंप लगाया गया। जिसका उदघाटन पूर्व पालिका अध्यक्ष तनवीर खां ने फीता काटकर किया। जिसमें क्षेत्र के लगभग 235 रोगियों का चेकअप कर इलाज किया गया। और उन्हें स्वस्थ रहने के टिप्स दिए गए। कैम्प के आयोजक मौलाना मोहम्मद फारूक रज़ा ने बताया कि कैंप में डॉक्टर मोहम्मद ताहिर खां, डॉक्टर शोएब सिद्दीकी, डॉक्टर जावेद वहाब, डॉक्टर मंसूर सिद्दीकी ने कैंप में आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें सेहतमंद रहने के टिप्स दिए। कैम्प में मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल चेक किया गया। इसके अलावा कैंप में महिला चिकित्सा डॉक्टर आलिया ने भी महिला रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की। मरीजों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। इस मौके पर नईम अहमद पार्षद, राशिद हुसैन, लकी, कल्लू, अमन, अनूप सिंह, अजय, हाशिम, सलमान, मौलवी फरमान, आरिश, शाहिद अली, शाहबाज रज़ा आदि मौजूद रहे। आयोजन में मौलाना मोहम्मद फारूक रज़ा व डॉ. शुऐब सिद्दीकी आदि का सहयोग रहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बच्चों को पोलियो खुराक पिलाकर बूथ का किया उद्घाटन

शाहजहांपुर। जिला पंचायत अध्यक्षा ममता यादव ने 5 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक देकर समस्त नागरिकों से अपील की अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो के खुराक़ अवश्य पिलाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के गौतम ने बताया भारत पोलियो से मुक्त हो गया है लेकिन पड़ोसी देशों में पोलियो के वायरस मौजूद हैं इसलिए एहतियातन भारत के सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से पूर्ण रूप से प्रतिरक्षित किया जाना जरूरी है इसलिए सभी नागरिकों से अपील है अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ पी पी श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद में रविवार को 1976 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है 09 दिसम्बर से 13 दिसम्बर 2024 तक स्वास्थ्य विभाग की 991 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी एवं ट्रांजिट टीमों द्वारा ईंट भट्ठे, घुमंतू लोगों एवं भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उद्घाटन के अवसर पर डॉ. वीएस चंदेल एसआरएल डब्ल्यू एचओ, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज मिश्रा, यूनिसेफ से हुदा जेहरा, एसएमओ डॉ. आकांक्षा यादव, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी वीरेंद्र शर्मा, डीपीएम इमरान, डीसीपीएम पुष्पराज, अर्बन कोऑर्डिनेटर पुनीश, शशिविन्द शुक्ला, सर्वेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

18 साल पुराने अपहरण के मामले में आया कोर्ट का इंसाफ, न्यायाधीश ने 9 दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

शाहजहांपुर। जिले में कोर्ट ने 18 साल पहले हुए चर्चित पारस अपहरण कांड के मामले में नौ अपहरणकर्ताओं को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 27-27 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाने के बाद सभी दोषी अपहरणकर्ताओं को जेल भेज दिया गया। सजा फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश नरेंद्र पांडे ने सुनाई। शासकीय अधिवक्ता संजीव सिंह ने बताया कि 2 अगस्त 2007 की रात 9:30 बजे दुकान बंद करके पारस अपने भाई विनीत और एक मित्र फुरकान के साथ घर छोड़ने जा रहे थे, तभी एक कॉलेज के पास पुलिया पर कुछ लोग हथियार लैस होकर आए थे और उन्होंने मारपीट कर पारस को अपने साथ गाड़ी पर बैठाकर अपहरण कर ले गए थे। इसके बाद उनके भाई विनीत ने एफआईआर दर्ज कराई थी। अपरहणकर्ताओं ने एक करोड़ की फिरौती मांग की थी। वारदात के 5 दिन बाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पारस को सकुशल बरामद कर लिया था। शासकीय अधिवक्ता संजीव सिंह ने बताया कि शनिवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश नरेंद्र नाथ पांडे ने 9 मुलजिमों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 27-27 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा पुलिस मुठभेड़ के मामले में 5-5 साल की सजा और 20-20 हजार का जुर्माना लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में 11 लोगों के खिलाफ कोर्ट में ट्रायल चल रहा था। ट्रायल के दौरान दो मुल्जिमों की मौत हो गई थी।

बिल लेने से कीमत पर कोई असर नहीं: उपायुक्त राज्य कर

बहराइच। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, बहराइच चन्द्र केश गौतम ने क्रेता को सुझाव दिया है कि अपने खरीद का पक्का बिल लें, यह आपका अधिकार है। बिल लेने से कीमत पर कोई असर नहीं पड़ता है। यदि बिल नहीं मिलता है तो मो.न. 7235001729 पर फर्म का नाम, पता सूचित करें। उपायुक्त राज्य कर श्री गौतम ने बताा कि उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के अनुसार किसी भी माल के आदान-प्रदान पर टैक्स इनवाइस/बिल ऑफ सप्लाई का होना आवश्यक है। बिल प्राप्त होने से ग्राहक को संतुष्टि भी रहती है, क्योंकि किसी वस्तु की गारण्टी/वारण्टी भी आवश्यकतानुसार क्लेम की जा सकती है, साथ ही माल वापसी अथवा माल की गुणवत्ता में शिकायत होने पर बिल के आधार पर ही वापसी सम्भव हो पाती है। उपायुक्त राज्य कर ने बताया कि अधिनियम-2017 की धारा-10 के अंतर्गत समाधान योजना में पंजीकृत करदाताओं के द्वारा टैक्स इनवाइस नहीं जारी किया जाना प्राविधानित है और न ही बिल पर टैक्स चार्ज किया जा सकता है। उनके द्वारा उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर नियमावली, 2017 के नियम-5 (एफ) के अनुसार समाधान योजना में पंजीकृत व्यक्ति के द्वारा जारी बिल पर ऊपर ''बिल ऑफ सप्लाई'' लिखा जाना अनिवार्य है तथा नियम-5 (जी) के अनुसार उसे अपने कारोबार के मुख्य स्थान तथा अतिरिक्त व्यापार स्थलों पर प्रदर्शित प्रत्येक नोटिस या साइन बोर्ड पर ''समाधान योजना में पंजीकृत व्यापारी'' शब्दों का उल्लेख करना अनिवार्य है।

चक रोड कब्जा मुक्त कराने मौके पर पहुंचे डीएम मौके पर कराई नाप, हटवाया अवैध कब्जा

खरी कसौटी ब्यूरो

पीलीभीत। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने आज तहसील कलीनगर क्षेत्र के अंतर्गत शिकायतकर्ता हेतराम, निवासी ग्राम चांदूपुर एवं मेघनाथ नि0ग्रा0 ककरौआ की आईजीआरएस की शिकायतों का मौका मुआयना/भौतिक सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी कलीनगर ने अवगत कराया कि शिकायतकर्ता हेतराम द्वारा ग्राम चांदूपुर में दबंग एवं भूमाफियाओं द्वारा अवैधानिक रूप से चकरोड व ग्राम समाज की भूमि को कब्जा मुक्त कराने के सम्बन्ध में शिकायत की। उक्त शिकायत का संज्ञान लेते हुये जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी कलीनगर के साथ मौके पर जाकर जॉच की गयी। उप जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम चांदूपुर स्थित गाटा संख्या 366 रकवा 0.739 भूमि रास्ता के नाम दर्ज अभिलेख है जो रास्ता भू चित्र में कहीं सकरा कहीं चौड़ा है, शिकायतकर्ता की उपस्थिति में पैमाइश कराकर रास्ते को कब्जा मुक्त कर दिया गया है, रास्ते में मिट्टी का कार्य करने के निर्देश दिए। उक्त निस्तारण से शिकायतकर्ता भी संतुष्ट हो गया। इसके साथ ही शिकायतकर्ता मेघनाथ नि0ग्रा0 ककरौआ द्वारा ग्राम नदिया धनेश स्थित चकरोड से कब्जा हटवाए जाने के संबंध में शिकायत की गई। उक्त शिकायत का संज्ञान लेते जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी कलीनगर के साथ मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। जिसमें पाया गया कि ग्राम नवदिया धनेश के चकमार्ग गाटा संख्या 228 रकवा 0.130 के किनारे पर यूकेलिप्टस के पेड़ लगे होने के कारण आवागमन में अवरोध उत्पन्न हो रहा था। चक रोड के पेड़ों को पूर्व में कटवाकर अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है। वर्तमान में आवागमन में कोई समस्या नहीं हो रही है। उक्त निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट है। इस दौरान उप जिलाधिकारी कलीनगर, नायब तहसीलदार, लेखपाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

केऔसुब इकाई एनटीपीसी टांडा इकाई में हुआ मिलेट मेला

खरी कसौटी ब्यूरो

अम्बेडकर नगर। केऔसुब इकाई एनटीपीसी टाण्डा में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की इकाई ने अनोखी पहल करते हुए आम अवाम को ''श्री अन्न'' (मिलेट्स) के इस्तेमाल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भव्य ''मिलेट्स मेला'' का आयोजन किया गया। जिसमें मेले का उद्घघाटन एनटीपीसी टाण्डा परियोजना के (महाप्रबंधक),नील कुमार शर्मा महाप्रबंधक अभय कुमार मिश्रा ,सीआईएसएफ के उप कमाण्डेन्ट एम0 आर0 रागुल ने संयुक्त रूप से किया। मेले में एनटीपीसी परियोजना, सीआईएसएफ, स्थानीय पुलिस के अधिकारीगण तथा मुख्य चिकित्साधिकारी एनटीपीसी टाण्डा एवं केऔसुब इकाई एनटीपीसी टाण्डा में कार्यरत बल सदस्य एवं उनके परिवारजन सम्मलित हुए। मेले में सम्मलित सभी लोगों को मिलेट्स के इस्तेमाल से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया।मेले में मोटे अनाज से बने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए। स्टॉल में मिलेट्स से बने इडली, डोसा, रागी के बर्फी, बाजरे की रोटी, चूरमा, मिलेट्स के गुलाब जामुन, कचैड़ी एवं सांवा के खीर आदि आकर्षण के केंद्र रहे। मेले में आए एनटीपीसी प्रबंधन, सीआईएसएफ एवं स्थानीय पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन व्यंजनों के स्वाद का भरपूर लुत्फ उठाया।केऔसुब इकाई एनटीपीसी टाण्डा के इकाई प्रभारी एम0 आर0 रागुल (उप कमाण्डेन्ट) ने बताया कि ज्वार, बाजरा, रागी, सांवा, कुटकी आदि ''श्री अन्न'' मानव जाति को ज्ञात सबसे पुराने खाद्य पदार्थों में से है।श्री अन्न कम अवधि में, कम पानी, कम उपजाउ मिट्टी में न्यूनतम देखभाल में होने वाली जलवायु की फसलें हैं। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है इनमें फाईबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन, मैगनीज, फास्फोरस, जिंक, कापर जैसे बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं। श्री अन्न शुगर नियंत्रण, कोलेस्ट्राल कम करने, आंतो के स्वास्थ्य, रक्तचाप नियंत्रण, हड्डी तथा मांसपेशियों के लिए तथा रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। श्री अन्न मानव तथा मिट्टी दोनों की रक्षा करता है। इसलिए इसे सुपर फूड, न्यूट्रीशस अनाज, क्लाईमेट स्मार्ट अनाज तथा श्री अन्न की उपाधियां दी गई हैं। श्री अन्न भारत की ऐतिहासिक धरोहर है। इसकी उपज एवं घरेलू खपत बढ़ाने के लिए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एनटीपीसी टाण्डा की इकाई द्वारा मिलेट्स मेला का आयोजन किया गया, जो एक सराहनीय कदम है।

संगठन चुनाव कार्यशाला का किया गया आयोजन

खरी कसौटी ब्यूरो

अम्बेडकर नगर। भाजपा की संगठन महापर्व 2024 के तहत जलालपुर नगर मंडल,कटेहरी,अकबरपुर नगर की संगठन चुनाव कार्यशाला को मुख्य अतिथि के तौर पर जिला चुनाव अधिकारी देवेन्द्र सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़,समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है।अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय,राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कर भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। उन्होंने ने संगठन महापर्व में पूरी निष्ठा के साथ जुट जाने को कहा। कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कर्मठ और क्रियाशील कार्यकर्ता ही बूथ अध्यक्ष बने। इन्हीं कार्यकर्ताओं के बल पर आगामी चुनाव भाजपा लड़ेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने अकबरपुर नगर की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि एक सशक्त संगठन की नींव बूथ और मण्डल अध्यक्ष होते हैं जिनके कंधे पर संगठन के कार्य और कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने का बड़ा दायित्व होता।चुनाव में इन सबको दृष्टिगत रखते हुए चयन पूरी पारदर्शिता से किया जाना चाहिए। बूथ और मण्डल के सांगठनिक चुनाव की दृष्टि से रविवार को सम्पन्न हुई जलालपुर की कार्यशाला में जिला उपचुनाव अधिकारी वीरेंद्र वर्मा, जलालपुर नगर चुनाव अधिकारी बाल्मीकि उपाध्याय,मनोज मिश्र कटेहरी में,भीटी में पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा,मालीपुर में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी, बाबा राम शब्द यादव,जहांगीर गंज में चंद्रिका प्रसाद,टांडा नगर और खजुरी में दिलीप पटेल देव डॉ रजनीश सिंह, कपिल देव तिवारी एवं राजे सुल्तानपुर,भियांव में अमरेंद्र कांत सिंह, संजीव मिश्र,सुमन पाण्डेय मुख्य अतिथि और चुनाव अधिकारी के रूप में शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

हृदय रोग से बचाव के लिए खान पान और दैनिक दिनचर्या पर करें नियंत्रण डा0 रमाकांत सागर सीनियर फिजीशियन व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

पीलीभीत। हार्ट अटैक और हृदय रोग की बढ़ती बीमारी इलाज और उससे बचाव के संबंध में पीलीभीत जिला चिकित्सालय अधीन मेडिकल कॉलेज पीलीभीत के सीनियर फिजिशियन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रमाकांत सागर ने हृदय रोग की बीमारियों हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाओं और हृदय रोगियों की बढती संख्या और उससेबचाव संबंध में सलाह देते कहा कि आजकल युवाओं और कम उम्र के बच्चों में भी हार्ट अटैक और हृदय से रोग की बीमारियों की लगातार ग्राफ बढ़ रहा है।इसका मुख्य कारण अनियमित होती दिनचर्या,इसी के साथ लोगों की खान-पान में प्रकृति के विपरीत बदलाव देखा जा रहा है।आज की पीढ़ी अधिकांश फास्ट फूड के लिए भोजन में मिर्च मसाले और अल्कोहल के सेवन प्रयोग की ओर ज्यादा बढ़ रहे हैं।मोबाइल का अत्याधिक उपयोग अत्यधिक शोर,सोने व उठने की दिनचर्या में लापरवाही, वर्तमान मानसिक तनाव आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।लोगों को खानपान में सादे भोजन का अधिकांश प्रयोग किया जाना, सोने और जागने की दिनचर्या ठीक करना इससे बचाव में सहयोगी होगा। योग, प्राणायाम, खेलकूद ठंड के समय उचित पाचक भोजन, गर्म पानी का उपयोग,तुरंत चिकित्सक की सलाह और इलाज के द्वारा इससे बचाव और सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आजकल अस्पताल में भी सर्दी से जुखाम खांसी बुखार के रोगियों की संख्या बढ़ रही है ठंड से बचाव रखें और चिकित्सक की सलाह पर उचित दवा का सेवन करें।

दिव्य कर्मयोगी सम्मान से लखनऊ में नवाजे गए मिथिलेश

बहराइच। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मटियारी चौराहे पर स्थित रजत कालेज आफ एजूकेशन एंड मैनेजमेंट कालेज के हाल में आयोजित दिव्य कर्मयोगी सम्मान 2024 जहाँ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 51 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया वही तहसील मिहींपुरवा के ग्राम पंचायत गुलरा के मजरा भज्जापुरवा गाँव निवासी दोनों पैरों से दिव्यांग मिथिलेश कुमार जायसवाल को लेखन पर्यावरण एवं गौरैया संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिव्य कर्मयोगी सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मुकेश मिश्रा वरिष्ठ पत्रकार आधुनिक दौर पत्रिका एवं संयोजक दिव्यांग प्रकोष्ठ अवध क्षेत्र भाजपा के साथ ही सह आयोजक नेहा खरे, कार्यक्रम संयोजन लवली मिश्रा, शुरभि श्रीवास्तव ने मिथिलेश के कार्यों की सराहना की। सम्मान में प्रमाण पत्र मोमेंटो एवं अंगवस्त्र भेंट किया गया। ज्ञात हो कि मिथिलेश दोनों पैरों से दिव्यांग होते हुए भी लम्बे समय से लेखन पर्यावरण एवं गौरैया संरक्षण का कार्य बाखूबी कर रहे हैं। आपको बताते चलें की मिथिलेश को पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य स्तरीय पुरुस्कार, पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह के हाथों प्रकृति रत्न सम्मान, सासंद विधायक जिलाधिकारी सहित नेपाल द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। मिथिलेश जायसवाल ने बताया कि यह सम्मान मै अपने जनपद के साथ ही अपने शुभचिन्तको को समर्पित करता हूँ इसके साथ ही और भी बेहतर कार्य करने का प्रयास करुंगा। लखनऊ में आयोजित दिव्य कर्मयोगी सम्मान से मिथिलेश जायसवाल के साथ ही मूकबधिर बच्चों के लिए बहराइच में विद्यालय का संचालन करने वाली डॉ बलमीत कौर व उनकी मूकबधिर छात्रा अमिताशा सिन्हा, उर्रा निवासी पीडब्ल्यूडी बहराइच आफिस में कार्यरत मूकबधिर वरुण कुमार गुप्ता को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में समाजसेवी उपस्थित रहे।

शादी अनुदान योजना हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बहराइच। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मंजरी भादद्वाज ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) अन्य पिछड़े वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु संचालित शादी अनुदान योजना हेतु बीस हजार रूपये के अनुदान का प्राविधान है। शादी अनुदान योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति विभागीय वेबसाइट शादीअनुदान डाट यूपीएसडीसी डाट जीओवी डाट इन पर शादी की तिथि से 03 माह पूर्व अथवा 03 माह पश्चात तक आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन कराने हेतु आवेदक (पिता/माता/अभिभावक) एवं पुत्री के आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर ओ.टी.पी. हेतु अपडेट होना चाहिए है। उन्होनें बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पिछड़ी जाति के आवेदक (पिता/माता/अभिभावक) व पुत्री के आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर ओटीपी हेतु अपडेट होना अनिवार्य है। योजना में वर्तमान वर्ष से आय सीमा 1,00000 (एक लाख रू.) तक के व्यक्तियों को लाभ प्रदान किया जायेगा। आवेदक तहसील द्वारा निर्गत पिछड़ी जाति का हो, लड़का की आयु 21 वर्ष व लड़की की आयु 18 वर्ष होना चाहिए।

सफाईकर्मियों की तैनाती के बावजूद कूड़े से पटे मार्ग, नालियां

बाबागंज बहराइच। तत्कालीन बसपा सरकार ने गांवों की साफ सफाई के लिए सफाईकर्मियों की तैनाती की थी। परंतु गांवों की सफाई तो दूर सफाईकर्मी गांवों में झांकने तक नही जाते। नेपाल सीमा से सटे ब्लॉक नवाबगंज मे 67 गांव सभाओं में लगभग 78 सफाईकर्मी तैनात हैं। एक सर्वे में मिली जानकारी के अनुसार इन्हें 26 से 27 हजार तक प्रतिमाह वेतन मिलता है। सचिव इनका पेरोल बना देते हैं। प्रधान हस्ताक्षर कर देते हैं। खातों में इनके पैसा चला जाता है। सचिव व प्रधानों को मिलाकर कुछ सफाईकर्मी गांव में जाते ही नही हैं। ग्रामवासियों ने अपना दर्द बयान करते हुए कहा कि कभी कभार सफाईकर्मी मजदूर लगा कर नालियां साफ कर कूड़ा आम जन मार्ग पर फेंक जाते हैं। कूड़ा न उठने के कारण फिर सूख कर नालियों में फिर चला जाता है। नेपाल सीमा से सटे गांव सभा सहजना, दन्दौली, गोपालपुर, लखईया, रंजीतबोझा, माधवपुर निदौना, शिवपुर मोहरनिया, भगवानपुर करिंगा, बसंतपुर ऊदल, जमुनहा बाबागंज, सोरहिया, रामपुर हुसैनबक्श, नरैनापुर व जैतापुर आदि दर्जनों गांव सभाओं में सर्वे करने के बाद उक्त जानकारी मिली है। इन गांवों के उपग्राम भी हैं। पहले गांव सभाएं अपने निजी स्रोतों से सफाईकर्मी नियुक्त करती थी। प्रधान व पंच इसकी देखरेख करते थे। अब इसका सरकारी करण हो गया। इस संबंध में गांव सभा रंजीतबोझा के प्रधान योगेंद्र वर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी आता है। गांव के बीच बह रहे गंदे घरों का पानी कीचड़ के रूप में बह रहा है। लोगो का चलना दूभर हो रहा है। तो उन्होंने कहा कि 2 माह में इस मार्ग पर इंटरलाकिंग लग जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सफाईकर्मी आकर कभी कभी सफाई करता है। ब्लॉक नवाबगंज के एडीओ पंचायत विकास अवस्थी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों का पेरोल सचिव बनाता है। प्रधान का हस्ताक्षर होता है। तब यहाँ से सफाईकर्मियों का वेतन निकलता है। गांव की साफ सफाई की जिम्मेदारी प्रधान

पौधों के विकास के लिए सही गमले का चुनाव है जरूरी

घर में मौजूद फूल-फल या पत्तों वाले पौधों की बढ़वार बेहतर ढंग से हो पाए इसके लिए बहुत ज़रूरी है उन्हें लगाने के लिए सही गमले का चयन करना। इसी में आपकी मदद कर रहे हैं हमारे सलाहकार। वर्तमान समय में हर किसी के घर में पौधे लगाने के लिए पर्याप्त ज़मीन हो पाना संभव नहीं हो पाता है। ऐसी स्थिति में मदद करते हैं गमले, जिनमें हम अपने मनमुताबिक पौधे लगा सकते हैं। पर सिर्फ़ पौधे को लगा देना ही काफ़ी नहीं है पौधे को सही बढ़वार की जगह मिलना भी ज़रूरी है। इसकी शुरुआत होती है गमले के सही चुनाव से। इसी चुनाव में ये तरीक़ेआपके काम आएंगे। 6-8 इंच ऐसे पौधे जिनकी जड़ें ज़्यादा नहीं फैलतीं उनके लिए आप इस ऊंचाई के गमलों को चुन सकते हैं। इस श्रेणी में पोर्टुलाका यानी 9 'ओ' क्लॉक, जीजी प्लांट, जेड प्लांट, पीस लिली और सक्यूलेंट पौधों को रख सकते हैं। 12-14 इंच इस आकार के गमलों का चयन ऐसे पौधों के लिए अच्छा है जिनमें फूल आते हों। साथ ही ऐसे पौधों को भी चुना जा सकता है जिनकी जड़े अधिक फैलती हों। इसमें लगाने के लिए गुलाब, ऐरेका पाम, कड़ी पत्ता, कनेर, अपराजिता, मोगरा और चमेली जैसे पौधे चुन सकते हैं। 15-18 इंच इस नाप के गमलों को आप सब्ज़ी उगाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ फूल वाले पौधे भी लगा सकते हैं। इसलिए इसमें बोगनवेलिया, बड़ी गाजर, गोभी, आलू, बैंगन आदि को उगाया जा सकता है। 20 इंच ये गमले ऐसे पौधों के लिए उपयुक्त होते हैं जिनकी आयु अधिक होती है। साथ ही उनकी जड़ें भी काफ़ी फैलती हैं। इसलिए इस प्रकार के गमलों में मधुमालती, टीकोमा, फाइकस, चांदनी, और नींबू जैसे पौधे लगा सकते हैं। 25-30 इंच इस गमले में आप किसी भी पौधे को सुविधाजनक ढंग से उगा सकते हैं। या यूं कहें कि आप मध्यम कद वाले बड़े झाड़ीनुमा पेड़ इसमें लगा सकते हैं। इस तरह के गमले घर के अंदर रखने के लिए अच्छे होते हैं क्योंकि इनमें अधिक वज़न नहीं होता है। हालांकि अगर आप पौधों को ऐसी जगह रख रहे हैं जहां बहुत अधिक धूप आती है तो फिर इन गमलों का चुनाव करने से बचें। ऐसा इसलिए क्योंकि ये बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं और पौधे की जड़ों को नुक़सान भी पहुंचा सकते हैं। घर के बाहर रखने के लिए मिट्टी के गमले अच्छे हैं क्योंकि ये धूप के बाद भी पौधों में नमी को रोके रखते हैं। हालांकि अगर आप इन्हें घर के अंदर रख रहे हैं तो ये रखरखाव की मेहनत बढ़ा सकते हैं, क्योंकि ये पानी को सोखकर रखते हैं जिसके चलते जल्दी ही इनकी मिट्टी झड़ने लगती है।

जापान में होने वाली नयी तरह की शादी दुनिया में बनी चर्चा का विषय

जापान में युवाओं की बढ़ती संख्या विवाह के एक नए रूप को अपना रही है जिसे ''मैत्री विवाह'' कहा जाता है, जिसमें प्रेम या शारीरिक अंतरंगता की भावनाओं की आवश्यकता नहीं होती है। यह प्रवृत्ति, जिसमें जापान की 124 मिलियन आबादी का लगभग एक प्रतिशत शामिल है, विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को आकर्षित करती है, जिनमें अलैंगिक, समलैंगिक और पारंपरिक वैवाहिक मानदंडों से निराश विषमलैंगिक शामिल हैं। चीन में युवा कथित तौर पर पारंपरिक विवाह के विकल्प के रूप में साझा मूल्यों और हितों के आधार पर सहवास का विकल्प चुन रहे हैं। एक एजेंसी जो मैत्री विवाहों में जापान की प्रमुख विशेषज्ञ होने पर गर्व करती है। मार्च 2015 में इसकी स्थापना के बाद से, लगभग 500 सदस्यों ने एजेंसी के माध्यम से मैत्री विवाह साझेदारी में प्रवेश किया है, जिनमें से कुछ ने एक साथ परिवार भी शुरू किया है। मैत्री विवाह एक ऐसी जीवन व्यवस्था की विशेषता है जहां साझेदार पारंपरिक रोमांटिक प्रेम पर भरोसा करने या एक-दूसरे को केवल सबसे अच्छे दोस्त के रूप में देखने के बजाय सामान्य हितों और मूल्यों को साझा करते हैं। कानूनी रूप से विवाहित होने पर, ये जोड़े एक साथ रह सकते हैं या नहीं भी रह सकते हैं और कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से बच्चे पैदा करना चुन सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों भागीदारों को दूसरों के साथ रोमांटिक संबंधों में शामिल होने की अनुमति है, बशर्ते कि आपसी सहमति हो। एससीएमपी से तीन साल से मित्रता विवाह में रह रहे एक व्यक्ति ने कहा, मैत्री विवाह समान रुचियों वाले रूममेट को ढूंढने जैसा है। दूसरे ने कहा मैं किसी की प्रेमिका बनने के लिए उपयुक्त नहीं हूं, लेकिन मैं एक अच्छी दोस्त बन सकती हूं। मैं केवल यही चाहती थी कि समान रुचि वाला कोई ऐसा व्यक्ति हो जो हम दोनों को आनंद देने वाली चीजें करे, जिसके साथ बातें करें और हंसें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह व्यवस्था किसी के सबसे अच्छे दोस्त से शादी करने जैसी नहीं है। इसके बजाय, इस सेटअप में शामिल व्यक्ति एक-दूसरे के बारे में गहरी समझ विकसित करने के लिए एक साथ समय बिताते हैं। यह दम्पति अपने साझा जीवन के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर सहयोग करते हैं, जैसे वित्तीय जिम्मेदारियाँ, घरेलू काम-काज और यहाँ तक कि रेफ्रिजरेटर स्थान जैसे घरेलू संसाधनों का प्रबंधन भी।

तमिलनाडु के डिंडिगुल जिले में पवित्र पलनी पहाड़ पर स्थित है पलनी मंदिर

दक्षिण भारत की सभ्यता में अगस्त्य ऋषि

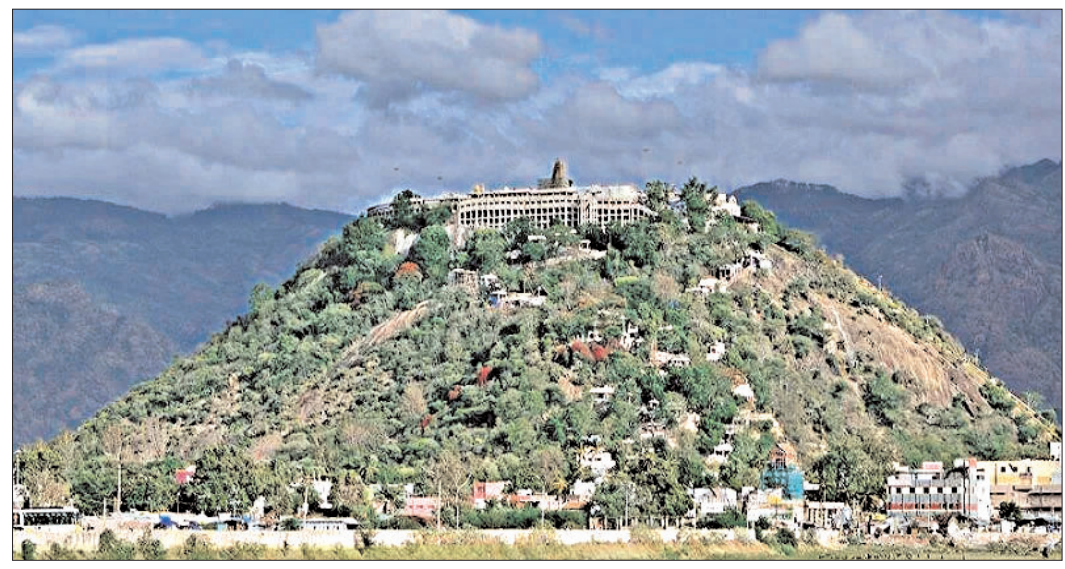

विंध्य पर्वत शृंखला आज तक अगस्त्य ऋषि के लौटने की प्रतीक्षा कर रही है। लेकिन यह नहीं होगा, क्योंकि यदि वे लौटे तो विंध्य पर्वत फिर से गर्व से अपना सिर ऊंचा करेंगे और सूर्यकिरणों को रोकेंगे। रोचक बात यह है कि अगस्त्य ऋषि के दक्षिण जाने का एक और कारण है। कहते हैं कि एक बार शिव वेद और तंत्र का ज्ञान बांट रहे थे। इसलिए सभी ऋषि उन्हें सुनने के लिए कैलाश पर्वत पर एकत्रित हुए। इससे पृथ्वी एक ओर झुक गई। तब शिव ने अगस्त्य से दक्षिण जाकर पृथ्वी का संतुलन बनाए रखने की विनती की। यह इसलिए कि अगस्त्य का आध्यात्मिक भार अन्य सभी ऋषियों के भार के बराबर था।

अगस्त्य के दो पिता (वैदिक देवता मित्र और वरुण) तथा एक माता उर्वशी नामक अप्सरा थीं। अगस्त्य विवाह कर स्वयं पिता कभी नहीं बनना चाहते थे। फिर उन्होंने एक भयंकर स्वप्न देखा - एक अथाह खाई के ऊपर लटके हुए अगस्त्य के पितृ चीखकर उन्हें बता रहे थे कि जब तक अगस्त्य विवाह कर स्वयं पिता नहीं बनते, तब तक उनके पितरों का पुनर्जन्म नहीं होगा और वे पितृलोक में ही फंसे रहेंगे। इसलिए विंध्य पर्वत पार करने पर अगस्त्य ने एक राजा की बेटी से विवाह करने की इच्छा व्यक्त की। विदर्भ क्षेत्र के यह राजा निःसंतान थे। उन्होंने अगस्त्य से कहा, 'मैं आपको वह पुत्री सौंप रहा हूं जो अभी जन्मी नहीं है।' अगस्त्य ने उन्हें उत्तर दिया, 'आपको शीघ्र ही यह पुत्री प्राप्त होगी और आप उसे मुझे सौंपेंगे।' फिर अगस्त्य ने जादू से जंगल के पशु-पक्षियों के सबसे सुंदर भागों से एक महिला निर्मित की। चूंकि यह महिला प्राणियों की सबसे सुंदर मुद्राओं के लोप से बनाई गई थी, इसलिए उसे लोपामुद्रा कहा गया। उसे राजा को सौंपा गया, जिन्होंने उसका विवाह अगस्त्य से करवाया। लोपामुद्रा ने अपने छोटे कद के और हृष्ट-पृष्ट पति के साथ सभी जगह जाकर अपना कर्तव्य निभाया। लेकिन उसने उनसे विनती भी की कि वे उससे राजकुमारी के लिए योग्य व्यवहार करें। उसने उनसे कहा कि वे समृद्ध घर में आरामदेह पलंग पर सुंदर कपड़े पहनकर मेरे पास आएं। लेकिन अगस्त्य एक संन्यासी थे और इसलिए उनके पास न सुंदर कपड़े थे, न आरामदेह पलंग था और न ही समृद्ध घर था। फलस्वरूप वे भेंट में ये वस्तुएं पाने के लिए अन्य राजाओं के पास गए, ताकि वे अपनी पत्नी को प्रसन्न कर सकें।

दक्षिणी यात्रा पर अगस्त्य अपने साथ गंगाजल का एक कमंडल ले गए थे। जब उन्होंने दक्षिण भारत जाकर इस कमंडल को धरती पर रखा, तब गणेश ने कौवे या फिर मूषक का रूप लेकर कमंडल को एक ओर झुकाया। कमंडल से जल बहने लगा और कावेरी नदी का निर्माण हुआ। अपने आप को हिमालय की याद दिलाने के लिए अगस्त्य उत्तर से अपने साथ दो पहाड़ ले गए थे। हिडिम्ब नामक राक्षस इन पहाड़ों को कावड़ में बांधकर अगस्त्य के साथ गया। दक्षिण पहुंचते ही एक पहाड़ बहुत भारी हो गया और हिडिम्ब उसे उठा नहीं पाया। तब अगस्त्य ने पाया कि एक बालक उस पर बैठा था। उस बालक ने कहा, 'ये पहाड़ मुझे उत्तर में स्थित मेरे घर की याद दिलाते हैं।' अगस्त्य समझ गए कि यह बालक और कोई नहीं, शिव के पुत्र कार्तिकेय थे, जो शिव से गुस्सा होकर घर छोड़ आए थे। अगस्त्य ने हिडिम्ब से वह पहाड़ उस जगह पर नीचे रखने के लिए कहा, जहां कार्तिकेय चाहते थे। यह पहाड़ अब तमिलनाडु का पलनी पहाड़ है और कार्तिकेय अर्थात दक्षिण भारत के मुरुगन का तीर्थस्थल है। अगस्त्य और लोपामुद्रा ने ऋग्वेद के कुछ स्तोत्र रचे हैं। कहते हैं कि दोनों ने ललिता सहस्त्रनाम का प्रचार किया, जिसमें देवी के 1000 नामों का उल्लेख है। अगस्त्य आयुर्वेद के दक्षिणी रूप 'सिद्ध' के पिता के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे भविष्यवाणी और वास्तुकला की रहस्यमय कलाओं से और तमिल भाषा के निर्माण से भी जुड़े हैं। तमिलनाडु और केरल के बीच एक पहाड़ पर दुर्लभ जड़ी बूटियां मिलती हैं। आज भी उसे अगस्त्यमलाई अर्थात अगस्त्य का पहाड़ कहते हैं। इससे हमें याद दिलाया जाता है कि दक्षिण भारत की सभ्यता में अगस्त्य का कितना बड़ा योगदान था।

भारत में कंप्यूटर ग्राफिक्स व वीएफएक्स आने से पहले...

ट्रिक फोटोग्राफी के जादूगर कहलाते थे बाबूभाई मिस्त्री

पिछले दिनों मैंने अपने किस्सों में हमारी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े कैमरामैन का जिक्र किया था। इनमें अशोक मेहता जी, मनमोहन सिंह जी और राधू करमाकर जी से जुड़े किस्से शामिल थे। लेकिन आज जब मैं इस कॉलम के लिए किस्सा लिखने बैठा तो मेरे खयाल में आया कि कैमरामैन के इन किस्सों में अगर एक और ग्रेट कैमरामैन, डायरेक्टर और ट्रिक फोटोग्राफी के जादूगर के रूप में पहचाने जाने वाले बाबू भाई मिस्त्री की बात न हो तो फिर ये सारे किस्से अधूरे रह जाएंगे। हिंदुस्तान में कंप्यूटर ग्राफिक्स और वीएफएक्स के आने से भी पहले बाबू भाई मिस्त्री ने बीच चलती शूटिंग में ऐसी कई ट्रिक आजमाई थीं, जो आज के किसी वीएफएक्स से कम नहीं है।

इसलिए आज मेरे हिस्से के किस्से में मैं बात करुंगा बाबू भाई मिस्त्री की। दोस्तो, बाबूभाई मिस्त्री का जन्म गुजरात के सूरत में 5 सितम्बर 1918 में एक गुजराती मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम था अब्दुस समद। बाबूभाई मिस्त्री जाने जाते थे अपने स्पेशल इफ़ेक्ट्स और ट्रिक फोटोग्राफी के लिए, लेकिन सही मायने में उनको बड़ा ब्रेक मिला 1937 में आई 'ख्वाब की दुनिया' फिल्म से जिसे डायरेक्ट किया था विजय भट्ट ने। इसी फिल्म के बाद बाबू भाई पूरी इंडस्ट्री में 'ट्रिकमास्टर' के नाम से मशहूर हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 1942 में 'मुकाबला' को-डायरेक्ट की और इस फिल्म में हिंदुस्तान में सबसे पहली बार बाबूभाई ने स्पलिट स्क्रीन को दर्शाया। मुझे निजी तौर पर बाबू भाई मिस्त्री से मिलने का मौका तो कभी मिल नहीं पाया, लेकिन पुराने लाइटमैन और उनके कई संगी-साथियों से उनके किस्से काफी सुने हैं। वे कैमरामैन तो बड़े थे ही, उसी के साथ डायरेक्टर भी बहुत बड़े थे। उन्होंने संपूर्ण रामायण, महाभारत, हर हर गंगे और हातिम ताई जैसी कई फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें उन्होंने अपनी ट्रिक फोटोग्राफी के जादू से चार चांद लगा दिए थे। बचपन में हमारे घर के सामने गणपति बैठते थे और वहां पर्दा लगाकर फिल्में दिखाई जाती थीं - सम्पूर्ण रामायण और महाभारत। ये मैंने कई बार देखी। हनुमान जी उड़ते थे, कुम्भकर्ण पहाड़ पर हाथ रखकर सोता था, नीचे युद्ध हो रहा है, रावण की सेना लड़ रही है, पहाड़ गिर रहा है। ये सब कुछ देखकर हम तालियां बजाते थे। उसके बाद जब मैं मुंबई आया, तब पता लगा कि ये फिल्में बाबूभाई मिस्त्री ने डायरेक्ट की थीं।

बाबू भाई अपनी हर फिल्म में एक नई ट्रिक का आविष्कार करते थे। एक बार की बात है। बाबू भाई महल के भीतर के एक दृश्य को शूट कर रहे थे। उस सीन को ऐसा फिल्माया जाना था कि किरदार सिंहासन के सामने बिछी कालीन पर चढ़कर जैसे ही सिंहासन की तरफ बढ़ेगा, वैसे ही सिंहासन पर बैठा आदमी किरदार को श्राप देगा और जमीन जिस पर कालीन रखा है, वो पिघल जाएगी। बाबूभाई ने महल के हॉल में गड्?ढा बनवाकर उसने पानी भरवाया। हर एक दरवाजा और खिड़की बंद करवा दी ताकि हवा ना आ सके। बिलकुल एयर टाइट करके महाराष्ट्र की सबसे बेहतरीन रंगोली कलाकार को बुलवाया। गेंदे, गुलाब, अन्य कई तरह के सफ़ेद-पीले फूलों की पत्तियां लीं और उनसे पानी के ऊपर ही पूरी रंगोली बनवाई। वह देखने में ऐसी लग रही थी, मानो कोई कालीन बिछा हुआ हो। किरदार कालीन से थोड़ा दूर खड़ा था। उस किरदार को जैसे ही इशारा किया गया, वह उस रंगोली पर चढ़ा और फिर पानी में गिर गया, पर स्क्रीन पर देखने से ऐसा लग रहा था जैसे जमीन पिघल गई हो। बाबू भाई मिस्त्री की इसी अद्भुत सोच के चलते उन्होंने अपनी फिल्मों में कई कमाल के शॉट लिए हैं। इसी बात पर मुझे बाबू भाई के लिए जिगर मुरादाबादी का एक शेर याद आ रहा है -

अपना ज़माना आप बनाते हैं अहल-ए-दिल हम वो नहीं कि जिन को ज़माना बना गया

बाबू भाई के ऐसे कई किस्से फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ही मशहूर हैं। मुझे फिल्म इंडस्ट्री के पुराने लोगों ने बताया कि एक बार बाबू भाई मिस्त्री खंडाला या शायद फिल्म सिटी में शूटिंग कर रहे थे और उनको पहाड़ पर जमी हुई बर्फ दिखानी थी। उस वक्त लाइटमैन थे बशीर भाई। बाबू भाई ने कैमरे के सामने ट्रांसपैरेंट ग्लास रखा और ग्लास को कैमरे के आगे फिक्स कर दिया। अब उन्होंने ब्रश और सफ़ेद पेंट लिया। ग्लास पर जो पहाड़ की चोटी दिख रही थी, उस पर हल्का सफ़ेद पेंट कर दिया। कैमरे से देखने पर वो ऐसा नजर आया, जैसे पहाड़ की चोटी पर सफ़ेद बर्फ जमी हुई है। बाबू भाई ने ऐसे ही जितनी भी फिल्में बनाईं, उन सबमें उन्होंने कैमरे या नेगेटिव को ब्लॉक करके कैमरा ट्रिक और ऑन सेट ट्रिक किए है। बाबू भाई मिस्त्री सच में ट्रिक फोटोग्राफी के जादूगर थे। बाबूभाई जेबीएच और होमी वाडिया बंधुओं के स्वामित्व वाली वाडिया मूवीटोन और फियरलेस नाडिया द्वारा निर्मित विभिन्न फिल्मों के लिए एक नियमित कला निर्देशक थे । यहां उन्होंने कैमरा संभालने और ट्रिक फोटोग्राफी के प्रति अपनी रुचि का पता लगाया। उन्होंने 1933 से 1937 तक विशेष प्रभाव निर्देशक के रूप में बसंत पिक्चर्स में विजय भट्ट के साथ प्रशिक्षण लिया। ख्वाब की दुनिया (1937) उनके दिमाग में तब आई जब विजय भट्ट ने उन्हें अमेरिकी फिल्म द इनविजिबल मैन (1933) देखने के लिए कहा और बाद में पूछा कि क्या वह उन्हें एक फिल्म के लिए दोहरा पाएंगे, इस प्रकार उन्होंने विशेष प्रभावों में अपने करियर की शुरुआत की।

आभूषणों की समय पर डिलीवरी न होने पर मिल सकता है मुआवजा

सोने की त्योहारी खरीदी का दौर शादियों की वजह से अब भी जारी है। भारतीय घरों में आभूषणों का भावनात्मक और वित्तीय महत्व बहुत ज्यादा है। सोने की चीजों पर हॉलमार्किंग को जरूरी बनाए जाने के बाद अब सरकार ने हीरा उद्योग में उपभोक्ता संरक्षण के लिए भी नियम बनाने की घोषणा की है। ऐसे में यह जानना और समझना जरूरी है कि आभूषण खरीदते समय उपभोक्ताओं के क्या अधिकार हैं। हॉलमार्किंग और शुद्धता भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) उपभोक्ताओं को किसी भी बीआईएस मान्यता प्राप्त परख एवं हॉलमार्किंग केंद्र से अपने आभूषणों की जांच करवाने की सुविधा देता है।

ये केंद्र आभूषणों की जांच करके उचित 'असे रिपोर्ट' (परख रिपोर्ट) जारी करते हैं। बीआईएस नियम, 2018 की धारा 49 के अनुसार अगर हॉलमार्क आभूषणों की शुद्धता कम पाई जाती है तो उपभोक्ता शुद्धता में पाई गई कमी और जांच शुल्क के आधार पर गणना की गई राशि का दोगुना मुआवजा पाने का हकदार है। मुआवजा पाने का यह अधिकार महत्वपूर्ण है, क्योंकि सोने की शुद्धता को लेकर विवाद हो सकते हैं। कहां कर सकते हैं शिकायत? बीआईएस के पास शिकायतों को देखने के लिए एक स्टैंडर्ड प्रणाली है। सभी शिकायतों का प्रबंधन उसके शिकायत प्रबंधन और प्रवर्तन विभाग के माध्यम से किया जाता है। ग्राहक कई चैनलों के जरिए शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जिनमें शामिल हैं: ० बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन ऑनलाइन पोर्टल www.bis.gov.in पर complaints@bis.gov.in पर ईमेल करके निकटतम क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय में लोक शिकायत अधिकारी या सीधे शिकायत प्रबंधन और प्रवर्तन विभाग के प्रमुख को व्यक्तिगत रूप से मिलकर या लिखित शिकायत देकर। एक बार शिकायत प्राप्त होने के बाद, इसकी जांच की जाती है और उसके बाद समाधान के लिए उचित उपाय किए जाते हैं। मैन्युफैक्चरिंग दोष पाए जाने पर आभूषणों में मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) दोषों की भरपाई ज्वेलर द्वारा की जानी चाहिए। जसविंदर सिंह नरूला बनाम कैरेट लेन ट्रेडिंग (2020) मामले में दोषपूर्ण माउंटिंग के कारण हीरा अपनी अंगूठी की सेटिंग से गिर गया। हिमाचल प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने विशेषज्ञ की गवाही की जांच की, जिसने माउंटिंग के होल्डिंग फास्टनर्स में मैन्युफैक्चरिंग दोष को स्थापित किया। ज्वेलर ने दावा किया था कि हीरे के गिरने का कारण एक्सटर्नल डैमेज था, लेकिन आयोग ने इस दलील को अस्वीकार कर उपभोक्ता को 9 फीसदी ब्याज के साथ धन वापसी, मानसिक पीड़ा के लिए 20,000 रुपए का मुआवजा तथा मुकदमेबाजी खर्च के रूप में 10,000 रुपए देने का आदेश दिया। आभूषणों की डिलीवरी आभूषण विक्रेताओं को वादा किए गए समय-सीमा के भीतर आभूषणों की डिलीवरी करनी चाहिए। सौंदर्य ज्वेलर्स बनाम पैदी जगन्नाथ राव (2022) मामले में जब एक ज्वेलर पर्याप्त भुगतान प्राप्त करने के बावजूद ऑर्डर किए गए आभूषणों की डिलीवरी करने में विफल रहा तो राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने जितनी राशि का भुगतान किया गया था, उतने में ही आभूषणों की डिलीवरी करने या भुगतान की गई राशि ब्याज सहित वापस करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, मानसिक पीड़ा के लिए 40,000 रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया। उपभोक्ता रखें ध्यान उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल एप के माध्यम से हॉलमार्क यूनिक आईडेंटिफिकेशन नंबर के जरिए हॉलमार्क किए गए आभूषणों की प्रामाणिकता को सत्यापित कर सकते हैं। शिकायतों के मामले में वे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता आयोगों से भी संपर्क कर सकते हैं। दावों की सफलता खरीदी बिल, हॉलमार्किंग प्रमाणपत्र और मैन्युफैक्चरिंग दोषों के मामले में विशेषज्ञ की राय सहित उचित दस्तावेजीकरण पर निर्भर करती है। मुआवजे का आदेश देते समय आयोग उपभोक्ताओं को हुई वास्तविक वित्तीय हानि और मानसिक पीड़ा दोनों पर विचार करता है। आभूषण खरीदने से पहले उपभोक्ताओं को उचित बिल, हॉलमार्किंग विवरण की जांच, डिलीवरी की समय-सीमा को लेकर लिखित में वादे पर जोर देना चाहिए। शुद्धता या गुणवत्ता के बारे में संदेह के मामले में अधिकृत केंद्रों से आभूषणों का परीक्षण करवाने से बाद में विवाद होने पर मामले को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

(लेखक सीएएससी के सचिव भी हैं।)

जानकारी

लाहौर और शिकागो में कुछ भी समानता नहीं है, लेकिन ये दोनों शहर 'सिस्टर सिटीज' कहलाते हैं, पर दिल्ली से कई समानताएं

लाहौर फोर्ट में सीता पुत्र 'लव' के नाम पर मंदिर

लाहौर और शिकागो में कुछ भी समानता नहीं है, लेकिन ये दोनों शहर 'सिस्टर सिटीज' कहलाते हैं। लाहौर और दिल्ली में कई समानताएं हैं, लेकिन इसके बावजूद दोनों शहरों को 'सिस्टर सिटीज' क्यों नहीं कहा जाता है? यह सवाल मेरे मन में हाल ही में तब उठा, जब मैंने लाहौर मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन की आधिकारिक वेबसाइट देखी। मेरा एक दोस्त ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में इतिहास का प्रोफ़ेसर है। वह चाहता था कि मैं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में आकर लाहौर के इतिहास के बारे में बात करूं। मैंने उसी से पूछा कि लाहौर उसके लिए क्यों महत्वपूर्ण है? उसने कहा कि लाहौर का हिंदू और बौद्ध धर्म से गहरा नाता रहा है।

इतिहास की किताबों के अनुसार लाहौर का नाम हिंदू भगवान राम और देवी सीता के पुत्र 'लव' के नाम पर रखा गया था। लाहौर फोर्ट के अंदर लव के सम्मान में एक मंदिर भी है। इसे लव मंदिर कहा जाता है। मैंने लाहौर के इतिहास के बारे में और जानने के लिए लाहौर मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन की वेबसाइट देखी। उस आधिकारिक वेबसाइट पर

लाहौर के सिस्टर शहरों की एक लंबी सूची थी। लाहौर का पहला सिस्टर शहर चीन का शियान है। मैंने यह नाम पहले कभी नहीं सुना था। अगले चार सिस्टर शहर भी चीन के थे। मैं चीन कई बार गया हूं, लेकिन इन शहरों के नाम कभी नहीं सुने। दो शहर उज्बेकिस्तान के थे और दो ईरान के। फिर अमेरिका का शिकागो और ब्रिटेन का ग्लासगो और आखिरी शहर बेलारूस का मोगिलेव था। लाहौर की 'बहन' के रूप में एक भी दक्षिण एशियाई शहर का उल्लेख नहीं किया गया। दिल्ली के साथ भी यही स्थिति है। इस ऐतिहासिक शहर की बीजिंग से लेकर शिकागो तक कई 'आधिकारिक बहनें' हैं, लेकिन लाहौर नहीं। लाहौर और दिल्ली में खाने-पीने और संस्कृति से लेकर प्रदूषण तक कई चीजें समान हैं। दिल्ली में लाहौरी गेट है और लाहौर में दिल्ली गेट है। प्रसिद्ध सूफी कवि अमीर खुसरो को दिल्ली में उनके आध्यात्मिक गुरु निजामुद्दीन औलिया के पास दफनाया गया है। कव्वाली के जनक अमीर खुसरो ने 700 साल से भी पहले अपनी कविता में लाहौर का जिक्र किया था। आप लाहौर में किसी भी इतिहासकार से बात करें और उससे पूछें कि आपके शहर के साथ किस दूसरे शहर का सबसे अधिक करीबी संबंध है तो उनमें से कुछ अमृतसर का, लेकिन ज्यादातर दिल्ली का नाम लेंगे। पाकिस्तान और भारत की सरकारें इन दोनों शहरों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को भले ही स्वीकार न करें, लेकिन आम लोग लाहौर और दिल्ली को दो 'सिस्टर सिटीज' के रूप में देखते हैं। इन दोनों शहरों पर एक नजर डालने से ही हम आसानी से दोनों की समानताओं को पहचान सकते हैं। दिल्ली की जामिया मस्जिद लाहौर की बादशाही मस्जिद से काफी मिलती-जुलती है। अगर आप दिल्ली के लाल किले में गए हैं तो आप इस किले और लाहौर फोर्ट की समानताएं देखकर हैरान रह जाएंगे। दिल्ली का शीशगंज गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर की शहादत से जुड़े होने के कारण सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह लाहौर के गुरुद्वारा डेरा साहिब से काफी मिलता-जुलता है, जो वहां महाराजा रणजीत सिंह की समाधि के बगल में स्थित है। दिल्ली का प्रतिष्ठित मीना बाजार लाहौर के अनारकली बाजार से मिलता-जुलता है। लाहौर का लॉरेंस गार्डन दिल्ली के लोधी गार्डन से काफी समानता रखता है। मैंने इंडिया इंटरनेशनल दिल्ली में कई सम्मेलनों में भाग लिया है। यह मुझे लाहौर जिमखाना की याद दिलाता है।

रोजाना चेहरे पर एलोवेरा लगाना कितना सही होता है?

सर्दी की मौसम में एलोवेरा हेल्थ के साथ ही, त्वचा के लिए बेहद लाभकारी होता है। एलोवेरा में कई गुणों से भरपूर होते हैं, जो स्किन को सॉफ्ट और कोमल बनाए रखता है। ड्राई स्किन की समस्याओं के लिए एलोवेरा सबसे बेहतरीन होती है। कई लोग चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए एलोवेरा जूस का सेवन करते हैं। इसे सीधे तौर पर फ़ेस पर अप्लाई करते हैं। एलोवेरा चेहरे पर लगाना बेहद फायदेमंद होता है। एलोवेरा त्वचा के दाग-धब्बों और मुंहासों को मिटाने में असरदार होता है। हालांकि, क्या चेहरे पर रोजाना एलोवेरा लगाना सही होता है, आइए जानते हैं। एलोवेरा में औषधीय गुण पाए जाते हैं। आप अपने चेहरे पर एलोवेरा का इस्तेमाल प्रतिदिन कर सकते हैं। एलोवेरा स्किन संबंधित सभी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। एलोवेरा का इस्तेमाल मॉइश्चराजर या फ़ेस मास्क के रुप में कर सकते हैं। एलोवेरा त्वचा की जलन और रेडनेस का दूर करता है। एलोवेरा स्किन को हाइड्रेट रखता है और ग्लोइंग बनाता है। चेहरे पर रोज एलोवेरा अप्लाई करने के फायदे जानकर आप हैरान रे जाएंगे एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। एलोवेरा ड्राई और बेजान त्वचा से छुटकारा दिलाता है। इसमें विटामिन ए और ई होता है, जो त्वचा से जुड़ी समस्याओं को दूर करता है। एलोवेरा में मॉइश्चराइजिंग गुण होता है जो त्वचा को हाइड्रेट रखता है। इसमें त्वचा में कोलेजन का उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है। एलोवेरा में एटी एजिंग के गुण होते, जो झुर्रियों को मिटाने में मदद करता है। - वहीं, यह टैनिंग को रिमूव करने में मददगार होता है। एलोवेरा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा की सूजन को दूर करता है।

क्या है पूर्व सीएम केजरीवाल का नया दांव?

विरोधियों को मात देने के लिए नया दांव खेल रहे अरविन्द केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले दिल्ली का सियासी पारा हाई है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बार आम आदमी प्रमुख अरविंद केजरीवाल विरोधियों को मात देने के लिए नया दांव चलने वाले हैं। सूत्रों का कहना है किदिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी कई पुराने कांग्रेस और बीजेपी नेताओं को टिकट दे सकती है।

ये नेता पहले कांग्रेस या बीजेपी से चुनाव लड़ चुके हैं। आप मौजूदा विधायकों को बदलकर नए चेहरों को मौका दे सकती है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि सत्ता विरोधी लहर का असर कम हो। पार्टी का मानना है कि इन पुराने नेताओं के आने से आप की स्थिति और मजबूत होगी। ये नेता अपने साथ अनुभव और समर्थक भी लाएंगे। आप ने पिछले महीने अपनी पहली उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इस सूची में 6 ऐसे उम्मीदवार थे जो पहले बीजेपी और कांग्रेस में थे। पार्टी ने पहले ही 3 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और तिमारपुर विधायक दिलीप पांडे ने भी चुनाव न लड़ने का ऐलान कर दिया है। उनके ऐलान के कुछ घंटों बाद ही आप ने इन सीटों पर पहले चुनाव लड़ चुके नेताओं को पार्टी में शामिल कर लिया। इससे साफ है कि इन्हें टिकट मिल सकता है। कांग्रेस से वीर सिंह धींगान और सुमेश शौकीन, और बीजेपी से ब्रह्म सिंह तंवर, सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू और अनिल झा जैसे नेता हाल ही में आप में शामिल हुए हैं।

धींगान 1998, 2003 और 2008 में सीमापुरी से लगातार विधायक रहे। बिट्टू ने 2003 और 2008 में तिमारपुर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था, बाद में वो बीजेपी में शामिल हो गए। सुमेश 2008 में मटियाला से विधायक चुने गए थे। 2013 में 70 सदस्यीय विधानसभा में 28 सीटें जीती थीं। 2015 और 2020 में पार्टी ने क्रमशः 67 और 62 सीटें जीतीं। आप के एक वरिष्ठ नेता ने माना कि सरकार और विधायकों दोनों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है। इससे निपटने का एक तरीका मौजूदा विधायकों को बदलना है। 2020 में, आप ने लगभग 16 विधानसभा क्षेत्रों में मौजूदा विधायकों को बदल दिया था। पार्टी नेता ने कहा कि इस बार यह संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकर्ताओं और नगरपालिका पार्षदों के अलावा, आप उन उम्मीदवारों पर भी विचार कर रही है जिन्हें अन्य दो दलों ने मैदान में उतारा था और जिन्होंने आप के उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दी थी और दूसरे नंबर पर रहे थे।

पार्टी के एक नेता ने कहा, 'ऐसे उम्मीदवारों का अपना कुछ हजार वोटों का वोट बैंक होता है। वे चाहे किसी भी पार्टी से चुनाव लड़ें, उनके पास अपने निश्चित वोट होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने पूरे शहर में जो सर्वेक्षण किए हैं, उनसे पता चलता है कि आप अभी भी लोकप्रिय है और लोग अरविंद केजरीवाल को वापस चाहते हैं, लेकिन कई सीटों पर वे विधायक से नाखुश हैं। विधायक को किसी अन्य स्थानीय प्रतिष्ठित उम्मीदवार से बदलकर, हम स्थिति को सुधार सकते हैं।' अब तक, जिन विधायकों के टिकट काटे गए हैं, उन्होंने पार्टी के फैसलों का खुले तौर पर विरोध नहीं किया है। आप दिल्ली में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। पुराने और अनुभवी नेताओं को शामिल करना इसी रणनीति का हिस्सा है। पार्टी को उम्मीद है कि इन नेताओं का अनुभव और जनाधार आप को जीत दिलाने में मददगार साबित होगा। साथ ही, मौजूदा विधायकों को बदलकर पार्टी सत्ता विरोधी लहर से भी निपटने की कोशिश कर रही है। देखना होगा कि जनता इस रणनीति को किस तरह से लेती है और चुनाव परिणाम क्या होते हैं।

सनसनीखेज आरोप ▸ भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस कांग्रेस को फंडिंग कर रहे

राहुल के बाद अब निशाने पर सोनिया गांधी

खरी कसौटी
खास पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जुड़ी हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है। भाजपा का कहना है कि इस संगठन को जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन की तरफ से फंडिंग मिलती है। इस संगठन का नाम फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पेसिफिक है। सोनिया इसकी सह-अध्यक्ष हैं।

पहला आरोपः कांग्रेस के राजीव गांधी फाउंडेशन को भी जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन से फंड मिला है। इस फंड का इस्तेमाल भारत को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है।

दूसरा आरोपः राहुल गांधी कई बार ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट का हवाला देकर केंद्र सरकार पर हमला करते हैं। उस संगठन को जॉर्ज सोरोस से फंडिग मिलती है। ये दोनों कांग्रेस के साथ मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और मोदी सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि सोनिया गांधी FDL-AP संगठन की सह अध्यक्ष हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है। उल्लेखनीय है कि राहुल ने विदेशी रिपोर्ट्स का हवाला देकर केंद्र को घेरा वह संगठन खोजी पत्रकारों का एक संगठन है। इसी संस्था ने साल 2023 में अपनी रिपोर्ट में बिजनेसमैन गौतम अडाणी पर स्टॉक मैनिपुलेशन और कई तरह की अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। इसके अलावा इसी संस्था ने पेगासस मुद्दे को लेकर भी रिपोर्ट पब्लिश की थी। राहुल गांधी कई बार रिपोर्ट के आधार पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साध चुके हैं। भाजपा का कहना है कि संसद सत्र से पहले जानबूझकर भारतीय उद्योगपतियों के खिलाफ रिपोर्ट लाई जाती हैं। ताकि संसद न चल सके। इससे भारत का नुकसान हो और भारत के उद्योगपति न पनपे। यही राहुल गांधी की कोशिश है। संबित पात्रा ने कहा था कि गांधी परिवार एक ऐसा परिवार है, जो अपनी कुर्सी के लिए देश को बेचने से भी गुरेज नहीं करेगा। राहुल गांधी देशद्रोही हैं और मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है।

भाजपा का कहना है कि राहुल देश तोड़ने वालों से मुलाकात करते हैं भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी कुछ ऐसे लोगों से जुड़े हैं, जो भारत विरोधी एजेंडा चलाते हैं। इनमें से एक का नाम सलील शेट्टी बताया जा रहा है, जो ओपन सोसायटी फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। यह फाउंडेशन संस्था को फंड करता है, ताकि भारत के खिलाफ रिपोर्ट छप सकें। बीजेपी ने दावा किया कि सलील राहुल गांधी के साथ 'भारत जोड़ो यात्रा' में भी देखे गए थे। इसके अलावा दूसरा नाम बांग्लादेशी पत्रकार मुश्फिकुल फजल अंसारी का है, वो भी उस संगठन से जुड़े हैं। भाजपा का कहना है कि इन दोनों लोगों से राहुल मिलते रहते हैं।

FDL-AP इन्वेस्टर और कारोबारी जॉर्ज सोरोस और रॉकफ़ेलर ब्रदर्स जैसे लोगों द्वारा फंडेड 2006 में बनी एक इन्वेस्टिगेटिव संस्था है। इसे 24 नॉन-प्रॉफिट सेंटर्स ने मिलकर बनाया है। जॉर्ज सोरोस प्रधानमंत्री मोदी को लोकतंत्र विरोधी बता चुके हैं जॉर्ज सोरोस का जन्म 12 अगस्त, 1930 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में हुआ था। जॉर्ज पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का एजेंडा चलाने का आरोप हैं। सोरोस की संस्था 'ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' ने 1999 में पहली बार भारत में एंट्री की। जॉर्ज पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का एजेंडा चलाने का आरोप हैं। सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर भी पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे।

जंग को भड़काने के लिए यूक्रेन को फिर बड़ी मदद देंगे जो बाइडन

सिमी वैली, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की और सहायता दी जाएगी। माना जा रहा है ऐसा इसीलिए किया गया कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले माह पदभार संभालने से पहले बाइडन प्रशासन कीव को मजबूत करने के लिए कांग्रेस (संसद) द्वारा स्वीकृत पूरी धनराशि को खर्च करना चाहता है। नवीनतम राहत में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' या एचआईएमएआरएस के लिए ड्रोन और गोला-बारूद मुहैया कराए जाएंगे। यूक्रेन को इन हथियारों की फिलहाल बहुत जरूरत है जिन्हें 'यूक्रेन सिक्योरिटी अस्सिटेंस इनिशिएटिव' के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल के जरिए जो हथियार मुहैया कराए जाते हैं वह यूक्रेनी सेना की भविष्य की क्षमता को बढ़ाने के लिए होते हैं न कि युद्ध के मौदान में तत्काल परिवर्तन लाने के लिए। अमेरिका की ओर से 98.8 करोड़ डॉलर का यह पैकेज गत सोमवार को घोषित 72.5 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता से अलग है। फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद से अमेरिका यूक्रेन को 62 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता उपलब्ध करा चुका है। ऑस्टिन ने कहा, 'यह सहायता मुहैया कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।' यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रंप यूक्रेन को सैन्य समर्थन जारी रखेंगे, इस पर ऑस्टिन ने कहा, 'इस प्रशासन ने मदद का फैसला अपनी मर्जी से लिया। अगला प्रशासन आगे की मदद पर फैसला खुद लेगा।

क्या दो राज्यों में हार के बाद कांग्रेस लेगी बड़ा फैसला...

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र और हरियाणा में मिली करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस में मंथन का दौर जारी है। लगातार पार्टी संगठन में फ़ेरबदल की मांग उठ रही हैं। इसको लेकर केंद्रीय नेतृत्व न केवल माथापच्ची में जुटा है, बल्कि एक्शन भी शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश से हो चुकी है। 6 दिसंबर को ही पार्टी ने यूपी की राज्य, जिला, शहर और ब्लॉक कमेटियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कमेटियों को भंग करने को स्वीकृति दी।

इस कदम को बड़े संगठनात्मक बदलाव के नजरिए से देखा जा रहा है। चर्चा ये भी है कि पार्टी अपने 140वें स्थापना दिवस से पहले कई दूसरे राज्यों में भी जरूरी संगठनात्मक बदलाव की तैयारी कर चुकी है। 28 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी का 140वां स्थापना दिवस है। ऐसे में पार्टी के पास अब ज्यादा समय नहीं बचा है। जिस तरह से पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नजर आ रही थी, हालियान के चुनाव नतीजों से माहौल अचानक बदल गया। पार्टी को करारी शिकस्त मिली, उसके बाद से दोनों ही राज्यों की प्रदेश यूनिट के साथ केंद्रीय नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होने लगे। हरियाणा और महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी नए सिरे से रणनीति बनाना चाहती है। इसके लिए कई प्रदेश यूनिट्स को भंग कर नई नियुक्तियों की चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस अध्यक्ष राज्य इकाइयों में अहम बदलाव करते हुए नए लोगों को जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कमेटियों को भंग किया गया है। वैसे ही अन्य राज्यों में भी बदलाव की संभावना है। महाराष्ट्र भी उन राज्यों में शामिल है जहां नए नेतृत्व को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। कई राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और समितियों को भंग किया जा सकता है। नए चेहरों को जिम्मेदारी देकर संगठन में नई ऊर्जा भरने की कवायद हो सकती है।

हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दो टूक कहा था कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। पार्टी में अनुशासन की कमी है। पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिए जीत नहीं मिल सकती। कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। खरगे ने इस ये भी कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचता है। कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की बैठक में खरगे ने अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। उन्होंने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा किया था कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। इस तरह खरगे ने संगठन की कमजोरियों को तो स्वीकार किया लेकिन एक्शन प्लान क्या रहेगा अब ये देखना बाकी है। फिलहाल कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठने की कई वजहें हैं। जैसे उदयपुर चिंतन शिविर के फैसलों को अब तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है। ग्रुप 23 के नेताओं की अनदेखी का मुद्दा भी समय-समय पर उठता रहा है। वायनाड से सांसद बनीं प्रियंका गांधी की भूमिका पर भी चर्चा हो रही है।

सीरियाई राष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया, देश भी छोड़कर भागे

सेना बोली- उनकी सत्ता खत्म, लोगों ने राष्ट्रपति भवन लूटा; टैंकों पर चढ़कर जश्न मना रहे दमिश्क में घुसे विद्रोही

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग चुके हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी।

विद्रोही लड़ाकों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है। असद के देश छोड़ने के बाद सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक वीडियो में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे, उसके साथ मिलकर काम करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क के अलावा सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शामिल हैं। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे थे, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा और होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हालांकि लोग असद सरकार के गिरने की खुशी मना रहे हैं। लोगों के सेना के टैंकों पर चढ़कर सेलिब्रेट करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम के बीच 2020 के सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लड़ाई के बाद जीता था। अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गंवा दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि असद गए। उन्होंने अपना देश छोड़ दिया है। ट्रम्प ने लिखा कि असद को बचाने में उनके सहयोगी रूस और राष्ट्रपति पुतिन की कोई दिलचस्पी नहीं है।

अब बीएमसी पर महायुति की नजरें, क्या करेंगे उद्धव

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति की महाजीत ने एमवीए को हाशिए पर धकेल दिया है। विधानसभा में एमवीए की स्थिति ऐसी है कि उसे नेता विपक्ष के पद के लिए स्पीकर से गुहार लगानी पड़ेगी।

ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है क्या फडणवीस ने जिस तरह से वापसी की है, उसी ढंग से उद्धव ठाकरे वापसी करते हुए क्या मुंबई का गढ़ बचा पाएंगे? महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार है लेकिन इस बीच अब बीएमसी चुनावों की चर्चा भी शुरू हो गई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि बीजेपी जल्द से जल्द बीएमसी चुनावों को करवा सकती है। राज्य में महानगर पालिकाओं, नगर परिषदों, नगर पंचायतों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव लगभग 3 सालों से रुके हुए हैं।

मुंबई में बृहन्मुंबई नगर पालिका चुनाव साल 2022 से टल रहे हैं। मुंबई महानगरपालिका 2017 और ठाणे में शिवसेना का ही दबदबा देखने को मिला था। ठाणे की 131 सीटों में सी 67 पर शिवसेना को जीत मिली थी, हालांकि अब परिस्थितियां बदल गई हैं। शिवसेना दो गुटों में बंट चुकी है। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में मुंबई में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 10 विधायकों को जीत मिली है तो वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 6 विधायकों को जीत मिली है। ठाणे में शिवसेना यूबीटी का सूपड़ा साफ हो गया है। ऐसे में चर्चा शुरू हो गई कि क्या उद्धव ठाकरे बीएमसी में अपनी पार्टी की सत्ता बचा पाएंगे? 2017 के बीएमसी चुनावों में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कुल 84 सीटों पर जीत मिली थी। 227 सदस्यों वाले सदन में बीजेपी को 82 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को 31 और एनसीपी को 9 सीटों जीत मिली थी। मनसे और सपा को क्रमशः 7 और छह सीटें मिली थीं। उद्धव ठाकरे के 84 नगर सेवकों में 60 के करीब साथ छोड़ चुके हैं। इनमें ज्यादातर शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में चले गए हैं। विधानसभा चुनावों करारी शिकस्त के बाद शिवसेना यूबीटी में अकेले लड़ने की आवाज उठा रही है। अब देखना है कि उद्धव ठाकरे क्या निर्णय लेते हैं। लंबे समय से बीएमसी चुनावों के रुके होने पर एक स्वयंसेवी संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई ठोस कारण नहीं मिलता है, तो चुनाव कराने का आदेश दिया जा सकता है।

हम दो हमारे तीन... क्या भारत में सचमुच घट रही आबादी?

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में कम होती जन्म दर पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर प्रति महिला बच्चे 2.1 से कम हुए तो आबादी खत्म हो सकती है। भागवत ने हर जोड़े से कम से कम तीन बच्चे पैदा करने की अपील की। जनसंख्या विशेषज्ञों ने उनके इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में जनसंख्या परिवर्तन धीमी गति से होता है। भारत अब दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है।

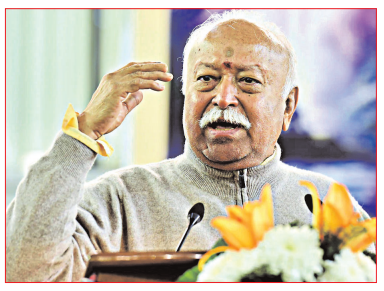

मोहन भागवत ने कहा कि अगर जन्म दर 2.1 से कम रही तो आबादी अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'कम से कम तीन बच्चे पैदा करें।' जनसंख्या विशेषज्ञों ने कहा है कि जनसंख्या परिवर्तन धीरे-धीरे होता है। खासकर भारत जैसे देश में, जो अब चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। भागवत की बात उन छोटे समुदायों के लिए तो सही हो सकती है, जिनकी आबादी कम है। उदाहरण के लिए, त्रिपुरा का करबांग जनजाति, जिनकी संख्या कुछ सौ ही है। या फिर पारसी समुदाय, जिनकी संख्या 60,000 से भी कम है। लेकिन भागवत जाहिर तौर पर इन समुदायों की बात नहीं कर रहे थे। हिंदुओं की आबादी लगभग 1.15 अरब है, जो भारत की कुल 1.45 अरब आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए उनके लिए विलुप्त होने का डर बेबुनियाद है। भागवत का बयान प्रधानमंत्री के 2019 के स्वतंत्रता दिवस भाषण के भी विपरीत है। प्रधानमंत्री ने बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताई थी। सरकार भी 1994 से दो बच्चों के नियम को बढ़ावा दे रही है। दो से ज्यादा बच्चे वालों को चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों को दो बच्चों के बाद मातृत्व लाभ नहीं मिलता। महिला संगठन इस नीति का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि इससे लिंगानुपात बिगड़ रहा है। कई लोग लड़की होने पर गर्भपात करा देते हैं। ऐसे में दो बच्चों के नियम को खत्म करना स्वागत योग्य होगा।

जबरदस्ती संख्या को नियंत्रित करने की कोशिश करने के बजाय, हमें खुद से पूछना चाहिए कि आज इतने सारे परिवार केवल एक या दो बच्चे क्यों चाहते हैं। भारत अपने जनसांख्यिकीय विकास के एक अभूतपूर्व चरण में प्रवेश कर गया है। जहां छोटे परिवारों की इच्छा संपन्न वर्ग की सीमाओं से बहुत आगे बढ़कर कम संसाधनों और अनिश्चित मृत्यु दर वाले गरीब परिवारों तक फैल गई है। हालांकि यह भारत में एक नया चलन है, यह जापान जैसे देशों में लंबे समय से सच है।

यात्रा वृतांतः आदिबद्री जैसा कि नाम से ही विदित है कि यह पंच/सप्त बद्रियों में सबसे प्राचीन बद्री

गर्जिया देवी मंदिर और गैरसैंण होते हुए आदिबद्री यात्रा-3

गतांक से आगे...

मनमोहन मिश्र

अब ये तो मुझे नहीं पता कि इसकी असली वजह क्या है। लेकिन जहां तक मेरी अकल सोचती है, उसके अनुसार यह गढवाल-कुमाऊं की सीमा पर है और पर्वतीय नगर है। इसे प्रस्तावित करने वाले लोग गढवाल के रहे होंगे, तभी तो उन्होंने चौखुटिया की इतनी चौडी घाटी की बजाय पहाड पर ऊपर बसे गैरसैंण का नाम लिया। यानी राजधानी गढवाल में भी रहेगी और कुमाऊं वाले भी खुश हो जायेंगे। पौने सात बजे गैरसैंण पहुंचे। अन्धेरा हो चुका था। यह बडा ही छोटा सा कस्बा है। बल्कि यह तो गांव है। अच्छे-खासे देहरादून में बसी-बसाई राजधानी को छोडकर गैरसैंण में राजधानी बनाने की बात सिर्फ राजनीति मामले के अलावा और कुछ नहीं है। हम कमरा ढूंढते-ढूंढते गैरसैंण में घुसे और पता चला कि गैरसैंण तो पीछे गया।

इतना छोटा सा है यह। खैर, मोलभाव करके 500 रुपये का एक कमरा मिला। नीचे रेस्टोरेण्ट में खाना खाने गये तो एक मजेदार वाकया हुआ। दाल थी और भिण्डी की सब्जी थी। खाने बैठे तो आनन्द आ गया। यहां हमारे अलावा और कोई ग्राहक नहीं था, तो हम रेस्टोरेण्ट वाले से भी बातचीत करते जा रहे थे। जब खाना खत्म होने को आया तो बातों-बातों में मैंने पूछ लिया कि भाईजी, आप अपने घर पर जीरा उगाते हो क्या? बोला कि नहीं भाईजी, सब नीचे से आता है। मैंने कहा- तो जीरा थोडा कम डाला करो। इतना सुनते ही वो तुरन्त उठा और हमारे ऊपर वाला बल्ब बन्द कर दिया और बोला- भाईजी, यह जीरा नहीं था, बल्कि रात में कीट लाइट पर आ जाते हैं।

मुझे यह ऊपर वाला बल्ब बन्द करना ध्यान नहीं रहा। हम तीनों एक-दूसरे का मुंह देखने लगे लेकिन तब तक तो खाना समाप्त हो चुका था। रात जब सतोपंथ के बारे में नेट पर पढने लगे तो पता चला कि वहां जाने का परमिट लेना होता है और गाइड-पोर्टर और राशन-पानी भी साथ लेकर चलना होता है। तभी मैंने सतोपंथ जाना स्थगित कर दिया और विचार किया कि रुद्रनाथ जायेंगे। गाइड को समझाना पड़ा क्योंकि वह बद्रीनाथ और

सतोपंथ का ही विचार किये बैठा था। आखिरकार वह भी मान गया। सुबह सवा आठ बजे बिना नाश्ता किये गैरसैंण से चलना पडा क्योंकि रेस्टोरेंट का रसोईया आज नहीं आया था। यहां से आदिबद्री ज्यादा दूर नहीं है। वहीं नाश्ता करेंगे। कुछ दूर तक चढाई है, फिर उतराई है। यहां हमें चाय की खेती दिखाई दी। उत्तराखण्ड में अक्सर चाय नहीं होती लेकिन यहां कुछ जगहों पर चाय की खेती होती है। यह इलाका मुझे बडा पसन्द आया। एक तो यह काफी ऊंचाई पर है, फिर चीड का जंगल। कहीं 2000 मीटर से ऊंची जगह पर अगर आपको चीड का जंगल मिले तो समझना कि आप वहां पूरा दिन भी बिता सकते हैं। बार-बार रुकने को मन करता है। खूब फोटो खींचने को मन करता है।

पौने दस बजे आदिबद्री पहुंचे। आदिबद्री घूमने से पहले आपको कुछ बता देना चाहता हूं। भारत में चार धाम हैं। जबकि हमारे उत्तराखण्ड में भी चारधाम हैं- यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ। पांच केदार हैं- केदारनाथ, मदमहेश्वर, तुंगनाथ, रुद्रनाथ और कल्पेश्वर। इनके साथ-साथ सात बद्री भी हैं- बद्रीनाथ, आदिबद्री, वृद्ध बद्री, भविष्य बद्री, योगध्यान बद्री, अर्द्ध बद्री और नरसिंह बद्री।

उल्लेखनीय है कि कुछ लोग पंच बद्री मानते हैं तो कुछ सप्त बद्री। आदिबद्री जैसा कि नाम से ही विदित है कि यह सबसे प्राचीन बद्री है, बद्रीनाथ से भी पुराना। इसी तरह भविष्य बद्री के बारे में कहा जाता है कि कालान्तर में बद्रीनाथ जाना असम्भव हो जायेगा, तो बद्रीनाथ जी की पूजा भविष्य बद्री में हुआ करेगी। पांचों केदार जहां शिव को समर्पित हैं वहीं सभी बद्री विष्णु को।आदिबद्री एक मन्दिर समूह है जहां पहले 16 मन्दिर थे लेकिन अब 14 शेष हैं। मुख्य मन्दिर विष्णु का है, बाकी अन्य देवी-देवताओं के। मन्दिर के सामने ही एक होटल में आलू के परांठे खाये। एक-एक परांठे का ऑर्डर दिया था लेकिन जायका ऐसा बना कि दो-दो खा गये। छह परांठे और छह चाय डेढ सौ रुपये के।

साढे दस बजे यहां से चले तो आधे घण्टे में ही कर्णप्रयाग पहुंच गये। अभी तक तो पतली सी सडक थी, लेकिन आदिबद्री के बाद चौडी टू-लेन सडक मिली। रास्ते में पिण्डर नदी मिल गई। कर्णप्रयाग में पिण्डर और अलकनन्दा का संगम है। चमोली पहुंचे। यहां से हमने बद्रीनाथ वाली सडक छोड दी और गोपेश्वर की तरफ चल दिये। चमोली से दस किलोमीटर दूर गोपेश्वर है और चमोली जिले का मुख्यालय भी है। पूरा रास्ता चढाई का है। -समाप्त